समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• मई २०२३ • वर्ष ७४ • अंक ५

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

गुवाहाटी में २७वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न

श्री शिवकुमार लोहिया ने किया राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण

१४ मई २०२३; गुवाहाटी में आयोजित अ.भा.मा.स. के २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन में मुख्य अतिथि श्री अशोक सिंहल जी (आवास और शहरी मामलों एवं सिंचाई मंत्री, असम सरकार) ने राष्ट्रीय सम्मेलन की निर्देशिका (२०२०-२३) का विमोचन किया। चित्र में परिलक्षित हैं (बायें से) सर्व श्री कैलाश चंद काबरा, संतोष सराफ, शिव कुमार लोहिया, गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, अशोक धानुका, संजय हरलालका, डॉ. श्याम सुंदर हरलालका एवं कैलाश पति तोदी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया से पदभार ग्रहण करते हुए नव-निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया जी द्वारा विशिष्ट कार्यकर्ता, सहयोगी, पूर्व प्रांतीय पदाधिकारी, प्रदेशों के अध्यक्ष तथा महामंत्री, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री का सम्मान किया।

बधाई!

कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नव-निर्वाचित अध्यक्ष
श्री रमाकान्त सर्राफ

इस अंक में

संपादकीय
समाज के गौरव - करोड़पति फकीर

आपणी बात
आपके सुझावों का स्वागत है

रपट
सम्मेलन का २७वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन

प्रादेशिक समाचार
बिहार, झारखंड, उत्कल, कर्नाटक, पूर्वोत्तर, दिल्ली

आलेख
बढ़ती औपचारिकता, घटती आस्था
देख जवानी लांग न जावै
समाज के प्रति हमारा दायित्व
फॉरवर्ड-वीर न बनें
झुंपड़ी वाली डॉक्टर

RUNGTA GROUP
Rungta Mines Limited
Chaibasa
www.rungtasteel.com
फाउंडेशन
सही, तो
फ्यूचर सही
RUNGTA STEEL®
TMT BAR
EKDUM SOLID!
Toll Free: 1800 890 5121
Rungta Steel
rungtasteel
Rungta Steel
Rungta Steel
Rungta Office, Nagar Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand- 833201
Email - tmtsales@rungtasteel.com

समाज विकास

◆ मई २०२३ ◆ वर्ष ७४ ◆ अंक ५
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **संपादकीय** : समाज के गौरव-करोड़पति फकीर	७
● **आपणी बात : शिव कुमार लोहिया**	८
आपके सुझावों का स्वागत है	
एक अनभिज्ञ का सफरनामा : गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया	९
● **रपट –**	
राष्ट्रीय महामंत्री का प्रतिवेदन	१०-१७
निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष का अभिभाषण	१८-२०
राष्ट्रीय अधिवेशन गुवाहाटी में संपन्न	२२-२६
समाज-गौरव गरिमा लोहिया	३३
● **प्रादेशिक समाचार –**	
बिहार, झारखंड, कर्नाटक, पूर्वोत्तर, दिल्ली, पश्चिम बंग	२८,३९-४०
● **आलेख –**	
बढ़ती औपचारिता, घटती आस्था	४३
देख जवानी लांग न जावै	४७
समाज के प्रति हमारा दायित्व	४८
फॉरवार्ड-वीर न बनें	४९
● **विविध**	
लघुकथा : नई नौकरानी, मामूली खर्च	५०

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ संपादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सत्यमेव जयते

अध्यक्ष, लोक सभा
SPEAKER, LOK SABHA
INDIA

सन्देश

मुझे यह जानकर अत्यधिक प्रसन्नता हुई है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का 27वां राष्ट्रीय अधिवेशन 13-14 मई 2023 को गुवाहाटी में आयोजित किया गया है।

मारवाड़ी समाज संपूर्ण भारत में फैला हुआ है। मारवाड़ी समुदाय के लोग जहां भी रहते हैं वहां की प्रगति में अपना भरपूर योगदान देते हैं। जरूरतमंदों की मदद करना इनकी पहचान रही है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा अपने स्थापना वर्ष 1935 से ही समाज सेवा के विविध कार्य किए जा रहे हैं जो मानवता की सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य सिद्ध हो रहे हैं।

मैं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अधिवेशन के सफल आयोजन की कामना करता हूं तथा इस संस्था के सभी भावी समाजसेवी प्रकल्पों की सफलता की मंगलकामना करता हूं।

(ओम बिरला)

सत्यमेव जयते

मनोहर लाल
MANOHAR LAL

मुख्य मन्त्री हरियाणा,
चण्डीगढ़।
CHIEF MINISTER, HARYANA
CHANDIGARH.
Dated 12-5-2023

मुझे यह जानकर हर्ष हुआ कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का 27वां राष्ट्रीय अधिवेशन 13 व 14 मई, 2023 को गुवाहाटी में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर एक स्मारिका भी प्रकाशित की जाएगी।

भारत एक बहु सांस्कृतिक देश है, जहां विभिन्न प्रांतों, धर्मों एवं जातियों के लोग जात-पात एवं क्षेत्रवाद की संकीर्ण भावनाओं से ऊपर उठकर विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के विकास में अपना बहुमूल्य योगदान दे रहे हैं।

मारवाड़ी समाज के लोग देश और विदेश में अपने व्यापार व कारोबार के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपनी भाषा व संस्कृति को आज तक संजोए रखा है।

आशा है कि संगठन द्वारा आयोजित यह वार्षिक अधिवेशन विशेषकर मारवाड़ी समाज के लोगों को आपस में मिलने और विभिन्न समसामयिक विषयों पर विचार साझा करने का अवसर प्रदान करेगा।

मैं सम्मेलन के सफल आयोजन एवं स्मारिका के प्रकाशन के लिए अपनी शुभकामनाएं देता हूं।

(मनोहर लाल)

२७वें राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर बधाई संदेश

Press Secretary
to the Governor of West Bengal

RAJ BHAVAN,
KOLKATA–700 062
Telephone No.: 2200-1641
Ext. 356. Fax : 2200-2232
e-mail : presssec.gov@gmail.com

NO. 1154-G

दि. 12/5/23

Message

His Excellency the Governor of West Bengal is delighted to learn that 27th National Convention of All India Marwari Conference is being organised in Guwahati on 13-14 May, 2023. To mark the occasion, All India Marwari Federation is going to publish a monthly magazine titled 'Samaj Vikas'.

The Hon'ble Governor appreciates the fact that the Federation strives for social reform and national integration.

The Hon'ble Governor wishes the National Convention all success.

(Sekhar Banerjee) 12/5/23

Shri Shiv Kumar Lohia
Elected President and Editor, Samaj Vikas
4B, Duckback House (4th Floor),
41, Shakeshpeare Sarani,
Kolkata – 700 017

सी. एम. एस. ७/२०२३/३०२
दिसपुर, २३ वैशाख, १४३० भास्कराब्द
७ मई, २०२३

डॉ. हिमंत विश्व शर्मा
मुख्यमंत्री, असम

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हो रही है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २७वां राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन आगामी १३ व १४ मई २०२३ को असम प्रदेश में सम्मेलन की गुवाहाटी शाखा के आतिथ्य में किया जा रहा है। इस अवसर पर आपने "मंथन" नाम से स्मारिका स्वरूप अधिवेशन विशेषांक प्रकाशन करने के लिए जो कदम उठाया है, वह अति प्रशंसनीय है।

मारवाड़ी सम्मेलन के साथ राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का योगदान उल्लेखनीय है। इस संस्था ने मारवाड़ी समाज के उत्थान के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मारवाड़ी समाज में प्रचलित दहेज प्रथा, घूंघट प्रथा, विधवा विवाह, लड़कियों को उच्च शिक्षा, महिला सशक्तिकरण आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सुधार लाने के लिए राष्ट्रभर के सभी राज्यों में इसकी ३५० शाखाएं हैं। ये शाखाएं राष्ट्र में सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक सुधार, राष्ट्रीय एकता और समरसता की भावना को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के निष्ठा और प्रयासों से अब मारवाड़ी समाज विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रही है। मैं, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा की जा रही पहलों की सराहना करता हूँ और आशा करता हूँ कि भविष्य में भी आप इसी प्रकार अपना प्रयास जारी रखेंगे।

मैं, असम प्रदेश में सम्मेलन की गुवाहाटी शाखा के आतिथ्य में आयोजित अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर "मंथन" नामक स्मारिका स्वरूप अधिवेशन विशेषांक का प्रकाशन सफलता से संपन्न होने की कामना करते हुए हार्दिक बधाई तथा शुभकामनाएँ देता हूँ।

यह बहुत हर्ष का विषय है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का २७वाँ अधिवेशन माँ कामाख्या देवी की नगरी गुवाहाटी में १३ एवं १४ मई २०२३ को, पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अधिन होने जा रहा है। इसमें हमारें नए अध्यक्ष श्री शिव कुमार जी लोहिया पदभार ग्रहण करेंगे। उनको मेरी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने १९३५ में स्थापना के बाद से, पिछली ८७ वर्षों में लगातार समाज सुधार, सामाजिक समरसता, सेवा आदि अनेक विषयों में काफी कार्य किया है तथा इसके सकारात्मक परिणाम भी मिलें हैं। श्री गोवर्धन प्रसाद जी गाड़ोदिया के नेतृत्व में, कोविड काल के वावजूद, सक्रियता से सम्मेलन के कामों में काफी वृद्धि हुई है। उन्हें तथा अन्य पदाधिकारियों को मेरी आंतरिक बधाई एवं साधुवाद।

आज हमारें सामने नई चुनौतियाँ तथा नए अवसर दोनों ही हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारा नया नेतृत्व सबके सहयोग से चुनौतियों का सामना करते तथा अवसर का पूर्ण लाभ उठाते हुए, सम्मेलन को नई ऊँचाईयाँ प्रदान करेगा।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन के सफल आयोजन के लिए अनंत शुभकामनाएँ।

नन्दलाल रूँगटा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

मुझे यह जानकर हर्ष हुआ कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का २७वाँ अधिवेशन पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में दूसरी बार गुवाहाटी में होने जा रहा है। जिसमें आगामी सत्र के लिए बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष कोलकाता से अनुभवी श्री शिव कुमार लोहिया पदभार ग्रहण करेंगे।

मारवाड़ी समाज अपनी कर्मठता, उद्दमशीलता व लोकाहित के कार्य में सक्रियता के लिए पूरे विश्व में जाना जाता है। देश के आर्थिक व सामाजिक विकास के क्षेत्र में मारवाड़ी समाज के योगदान को भूलाया नहीं जा सकता है। आशा है कि यह राष्ट्रीय अधिवेशन नए उत्साह से समाज को देश-हित में और अधिक प्रवृत करेगा।

सम्मेलन का राष्ट्रीय अधिवेशन विचार-मंथन का एक महायज्ञ है, जहाँ पूरे देश से सम्मेलन के पदाधिकारी एवं सदस्य एकत्रित होकर परस्पर विचार-विमर्श करते हैं और भविष्य हेतु कार्यक्रम तय करते हैं। इस महत्वपूर्ण अवसर पर स्मारिका के प्रकाशन का निर्णय भी एकदम सटीक है। मुझे आशा है कि स्मारिका अत्यंत उपयोगी होगी एवं अपने उद्देश्यों को प्राप्त करेगी।

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के सभी सदस्यों को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ एवं साधुवाद।

राम अवतार पोद्दार
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

२७वें राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर बधाई संदेश

बड़े हर्ष का विषय है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का २७वाँ अधिवेशन गुवाहाटी में आयोजित हो रहा है। यह वही धरती है जहाँ सम्मेलन की नींव पड़ी थी। इस अधिवेशन के अवसर पर नव-निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार जी लोहिया पदभार ग्रहण करेंगे, उन्हें मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ!

मारवाड़ी सम्मेलन बड़ी कर्मठता से समाजहित, लोकहित के कार्यों को कर रहा है। लोहिया जी के हाथ में सम्मेलन की कमान आने से इसके कार्यों को नई धार मिलेगी। मुझे आशा है कि बहुमुखी प्रतिभा के धनी श्री लोहिया ने जिस प्रतिबद्धता, निरंतरता और उत्कृष्टता के उदाहरण अतीत में प्रस्तुत किए हैं, उसका भरपूर लाभ आने वाले दिनों में सम्मेलन को मिलेगा।

पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में आयोजित २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन की सफलता के लिए मेरी अग्रिम हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाईयाँ!

प्रह्लाद राय अगरवाला
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

बड़े प्रसन्नता की बात है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का २७वाँ अधिवेशन गुवाहाटी में १३ एवं १४ मई २०२३ को हो रहा है। इस अवसर पर नव-निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार जी लोहिया पदभार ग्रहण करेंगे। लोहिया जी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ!

वर्तमान सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया जी के नेतृत्व में राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका एवं अन्य पदाधिकारियों ने सभी क्षेत्रों में सराहनीय कार्य किया और सम्मेलन को नई ऊँचाई प्रदान की है, इसके लिए पूरी टीम को बधाई!

विगत वर्षों में मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यकलापों में वृद्धि हुई है। एक ओर जहाँ सम्मेलन ने सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, समाज सुधार एवं उच्च शिक्षा छात्रवृत्त जैसे कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया; वहीं दूसरी ओर सम्मेलन ने समाज विकास के कार्यों को भी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाया है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि आने वाले सत्र २०२३-२५ में श्री लोहिया जी के नेतृत्व में, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन को नई ऊँचाइयाँ मिलेगी।

पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में आयोजित २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन की सफलता के लिए श्री कैलाश चंद काबरा जी एवं पूरी पूर्वोत्तर टीम को मेरी अग्रिम हार्दिक शुभकामनाएँ!

संतोष सराफ
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हो रही है कि २७वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन १३ व १४ मई को गुवाहाटी में आयोजित होगा, जिसमें समाज विकास का विशेषांक का भी प्रकाशन होने जा रहा है। सम्मेलन के उद्देश्यों को पूर्ण करने में कार्यकर्ता व नेतृत्व ने जितनी भूमिका का निर्वहन किया है उसमें समाज विकास का योगदान भी उल्लेखनीय है। इसके नियमित प्रकाशन एवं हजारों पाठकों तक समय पर पहुँचाकर सम्मेलन के उद्देश्यों को अमली जामा पहनाने में विशेष भूमिका का निर्वाहन किया है। पाठकों के लिए अनेक सारगर्भित व समाजहित के आलेख प्रकाशित करके बहुत अनुत्तरित प्रश्नों का उत्तर दिया है। समाज विकास में अनेक प्रकाशित सामग्री शोध-कार्यकर्ताओं के लिए भी बहुत उपयोगी है। राष्ट्रीय स्तर पर संगठन को मजबूत करने में सम्मेलन ने जिस भूमिका का निर्वहन किया है वह बहुत ही प्रशंसनीय है। समाज विकास समाज में क्रांति लाने व आंदोलन की भूमिका निभाने में भी सक्षम है। इसके अंकों का संरक्षण समाज की निधि साबित हो सकती है।

मैं आगामी राष्ट्रीय अधिवेशन व समाज विकास की सफलता की कामना करता हूँ।

धन्यवाद

आपका
डॉ. श्यामसुन्दर हरलालका
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (२०२०-२३)
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २७वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के सुन्दर आतिथ्य में १३-१४ मई को गुवाहाटी में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ, एतदर्थ बधाई।

विगत कुछ वर्षों में सम्मेलन की गतिविधियों में आशातीत वृद्धि हुई है, बैठकों में पूरे देश से सदस्यों की उपस्थिति इस बात को प्रमाणित करती है।

अधिवेशन में समाज सुधार के विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद जो प्रस्ताव पारित किए गए, सभी प्रादेशिक इकाइयों का दायित्व के है कि वे अपने तथा शाखा स्तर पर इसकी जानकारी समाज के लोगों तक पहुंचाने का प्रयास करें।

बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने पदभार ग्रहण किया, उनके नेतृत्व में संगठन नई उँचाईयों को प्राप्त करेगा, इसका पूर्ण विश्वास है।

विजय कुमार लोहिया
निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
चेन्नई

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के वर्तमान सत्र (२०२३-२५) हेतु पदाधिकारियों की घोषणा

गत १३-१४ मई २०२३ को गुवाहाटी, असम में संपन्न अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्वग्रहण करने के पश्चात श्री शिव कुमार लोहिया ने गत १४ मई २०२३ को वर्तमान सत्र (२०२३-२५) हेतु राष्ट्रीय महामंत्री पद के लिए श्री कैलाश पति तोदी की मनोनीत किया। श्री कैलाश पति तोदी इससे पहले दो बार राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री तथा दो बार राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के पद पर रहते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। तत्पश्चात दिनांक ३० मई २०२३ को अन्य राष्ट्रीय पदाधिकारियों की औपचारिक घोषणा हुई। श्री लोहिया ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद के रूप में कोलकाता से सम्मेलन के पूर्व संयुक्त महामंत्री श्री दिनेश जैन, झारखंड से पूर्व प्रादेशिक राष्ट्रीय श्री राजकुमार केडिया, बिहार के पूर्व प्रादेशिक अध्यक्ष श्री निर्मल झुनझुनवाला, उत्तराखंड के संस्थापक अध्यक्ष श्री रंजीत जालान, पूर्वोत्तर के पूर्व प्रदेशिक अध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकरिया, कर्नाटक के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के लिए मनोनीत किया। इसके अतिरिक्त श्री पवन जालान और श्री संजय गोयनका को राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री, श्री केदार नाथ गुप्ता को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं बिहार से पूर्व प्रादेशिक अध्यक्ष श्री महेश जालान को राष्ट्रीय संगठन मंत्री मनोनीत किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने सभी मनोनीत पदाधिकारियों का स्वागत, सम्मान किया एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नई टीम तन-मन-धन के साथ सम्मेलन में अपना योगदान देंगे एवं आगामी सत्र में सम्मेलन को नई ऊँचाईयाँ प्रदान करने में कोई भी कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। इस अवसर पर उपस्थित भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ एवं फाइनेंस कमेटी के भूतपूर्व चेयरमैन श्री आत्माराम जी सोंथलिया ने सभी उपस्थित पदाधिकारीयों का स्वागत किया। पदाधिकारियों के मनोनयन पर सम्मेलन परिवार में व्यापक स्वागत हुआ है।

सम्मेलन के वर्तमान सत्र (२०२३-२५) के पदाधिकारी

शिव कुमार लोहिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष

गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष

दिनेश जैन
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

रंजीत जालान
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

राजकुमार केडिया
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

निर्मल झुनझुनवाला
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

मधुसूदन सीकरिया
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

डॉ. सुभाष अग्रवाल
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

कैलाश पति तोदी
राष्ट्रीय महामंत्री

पवन जालान
राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री

संजय गोयनका
राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री

महेश जालान
राष्ट्रीय संगठन मंत्री

केदार नाथ गुप्ता
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

समाज के गौरव-करोड़पति फकीर

मारवाड़ी समाज अपने अनेक गुणों के कारण पूरे विश्व में अपना विशिष्ट स्थान बनाया है। उन विशिष्ट गुणों में से एक विशिष्ट गुण है दानवीरता। दानवीरता की जब भी बात आती है तो भामाशाह अनायास ही याद आ जाते हैं। भामाशाह तो दानवीरता के पर्याय ही बन गए हैं। ऐसे ही एक भामाशाह डॉक्टर घासीराम वर्मा की दानवीरता की कहानी भी अद्‌भुत है। उनके बारे में जानकर अनायास हमारे समाज के आदर्श पुरुष श्री जमनालाल बजाज का स्मरण हो आया, जिनके बारे में गांधी जी ने कहा था कि जमनालाल बजाज अपने जितने भी घर थे सबको कांग्रेस के लिए धर्मशाला में परिवर्तित कर दिया। प्रेरक व्यक्तित्व डॉक्टर घासीराम शर्मा को मैं नमन करता हूँ और उनकी कहानी आपके साथ साझा करता हूँ।

राजस्थान के झुंझुनूं जिले के गांव सीगड़ी के रहने वाले डॉ. घासीराम वर्मा शिक्षाविद व गणितज्ञ ही नहीं, बल्कि राजस्थान के सामाजिक जगत के आदर्शपुरुष हैं। बेटियों की शिक्षा पर करोड़ों रुपए खर्च करने वाले डॉ. घासीराम वर्मा मारवाड़ी समाज द्वारा सेवामूलक कार्य करने वालों के क्षितिज को विस्तार देते हैं। झुंझुनू में डॉ. घासीराम वर्मा का नाम बड़े सम्मान से लिया जाता है। हर कोई जानता है कि ये वो करोड़पति फकीर है जो बेटियों की शिक्षा पर करोड़ों रुपए खर्च करता है। कई दशक पहले शुरु हुआ यह सिलसिला आज भी जारी है।

गत वर्ष १ अगस्त २०२२ को डॉ. घासीराम वर्मा ने अपना ९५वाँ जन्मदिन मनाया। डॉ. घासीराम वर्मा एक सक्रिय व्यक्तित्व हैं। वर्मा ने अपने ९५वें जन्मदिन पर कहा कि अब वो स्थायी रूप से झुंझुनूं में ही रहेंगे। इससे पहले वे अमेरीका में रहा करते थे। साल में दो-तीन माह के लिए भारत आते थे। फिर वापस चले जाते थे।

डॉ. घासीराम वर्मा पर पुस्तक लिख रहे माणक मणि मोट बताते हैं कि डॉ. वर्मा को सालभर में करीब एक करोड़ रुपए पेंशन और निवेश से आय होती है। इसमें से ये ५० लाख रुपए बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने में खर्च करते हैं। खास बात यह है कि यह राशि वो अपनी सरजमीं राजस्थान में खर्च करते हैं। उन्हें हर माह करीब साढ़े सात लाख रुपए पेंशन के मिलते हैं।

डॉक्टर वर्मा बताते हैं कि गांव सीगड़ी में स्कूल नहीं होने के कारण ५ किलोमीटर दूर पड़ोस के गांव वाहिदपुरा के निजी स्कूल से शुरुआती शिक्षा प्राप्त करने जाया करता था। आगे की पढ़ाई उन्होंने पिलानी से पूरी की। वहां छात्रावास में रहे। दसवीं की परीक्षा के बाद वे छुट्टियों में गांव नहीं जाते थे, बल्कि छात्रावास में ही रहकर चार-पांच बच्चों को ट्यूसन पढ़ाया करते थे। इंटर पास करते ही घरवालों ने आखातीज के अबूझ सावे पर गांव नयासर के गंगाराम जी की बेटी रुकमणि से इनकी शादी कर दी। आगे बी. ए. की पढ़ाई इन्होंने इलाहाबाद यूनिवर्सिटी और एम. ए. की बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से किया। इनके तीन बेटे ओम, सुभाष और आनंद हैं।

भारत में उच्च शिक्षा हासिल करने के बाद जून १९५८ में घासीराम वर्मा को अमेरीका से बुलावा आया। पत्नी रुकमणि के साथ घासीराम वर्मा अमेरीका पहुंचे।

डॉक्टर वर्मा ने अमेरीका में खुरांट इंस्टीट्यूट गणित-विज्ञान संस्थान से काम की शुरुआत की और १९६० में चार हजार रुपए (भारतीय मुद्रा) प्रतिमाह के वेतन पर हार्दम यूनिवर्सिटी में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति पाई। साल १९६४ में अमरिका के रोडे आइलैंड यूनिवर्सिटी में ११ हजार डॉलर के वेतन पर एसोसिएट प्रोफेसर बने। तब अमेरीका के विश्वविद्यालय में गणित पढ़ाने वाले घासीराम वर्मा पहले भारतीय थे।

डॉक्टर वर्मा ने नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन में कंसलटेंट के रूप में कार्य किया। वहां इंजीनियरिंग जैसे विषय पर रिसर्च भी किया। इसलिए उन्हें नेवी के प्रोजेक्ट में नौकरी भी मिली। डॉक्टर वर्मा वर्ष २००० में अमेरीका की नौकरी से सेवानिवृत्त हुए, इस दौरान जब वे वर्ष १९७१, १९७८, १९८५ तथा १९९३ में चार बार सेबेटिकल अवकाश मिलने पर भारत आए तो पिलानी बिट्स में भी पढ़ाया, लेकिन यहां पढ़ाने का एक रुपया नहीं लिया।

उन्होंने ६४ साल अमेरीका में गुजारा। वहां विधि में गणित के प्रोफेसर के रूप में अपनी सेवाएँ देते रहे। सेवानिवृत्ति के २२ साल बाद अब स्थायी रूप से झुंझुनूं रहने आ गए हैं।

आपके सुझावों का स्वागत है

– शिव कुमार लोहिया

सादर वंदे!

गत १३-१४ मई को पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में गुवाहाटी में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का २७वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन सफलता के साथ संपन्न हुआ। इसके लिए निवर्तमान अध्यक्ष आदरणीय श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया एवं उनकी टीम, पूर्वोत्तर प्रांत के अध्यक्ष आदरणीय श्री कैलाश जी काबरा एवं उनकी टीम बधाई के पात्र हैं। यह खुशी की बात है कि इस अधिवेशन में पहली बार सर्वाधिक प्रांतों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रधान अतिथि असम सरकार के यशस्वी मंत्री हरियाणा के भीवानी जिले के नकीपुर निवासी समाज-बंधु माननीय अशोक सिंहल पूरे देश के प्रतिनिधियों से प्रस्थान करने के पहले मुलाकात की। समाज के लिए गौरव की बात है कि सिंहल असम के देकियाजूली विधानसभा क्षेत्र में 'प्रगति पुरुष' के रूप में जाने जाते हैं। इनके पिता जी लगभग ५० वर्ष पहले व्यापार करने परिवार सहित असम में बस गए। अब माननीय अशोक सिंहल जी ने अपने प्रयासों से अपने निर्वाचन क्षेत्र को असम के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में से सबसे अधिक प्रगतिशील क्षेत्र बना दिया है। अति व्यस्तता के बावजूद भी श्री सिंहल ने राष्ट्रीय अधिवेशन को अपनी उपस्थिति एवं सारगर्भित वक्तव्य से सुशोभित किया। अपने भाषण में उन्होंने अत्यंत महत्वपूर्ण बिंदुओं पर समाज का ध्यान आकृष्ट किया। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि "समाज के सामने बड़ी चुनौती है कि हमारा परिचय खतरे में है। सम्मेलन की जिम्मेदारी है कि उस परिचय को कैसे बनाकर रखा जाए?" यह एक अत्यंत ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, इस जिम्मेदारी के प्रति हमें सजग होना होगा एवं इस दिशा में प्रयासों को और अधिक गतिशील करना होगा। हम उनके आभारी हैं। इस विषय में उचित कार्यवाही समाज-हित में अत्यावश्यक है। अधिवेशन के सभी सत्रों में सार्थक चर्चाएं हुईं। समाज-बंधुओं की भागीदारी उत्साहवर्धक थी। निवर्तमान अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया एवं उनकी टीम ने पिछले सत्र में उल्लेखनीय एवं प्रशंसनीय कार्य किया है, जो कि हम सबके लिए गर्व की बात है। समस्त सम्मेलन की ओर से मैं अपने हृदय की गहराइयों से उन्हें एवं उनकी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ। विगत सत्र का प्रारंभ कोरोना काल में हुआ था। इसके बावजूद श्री गाड़ोदिया ने सबके साथ संपर्क के माध्यम से गतिविधियों को विपरीत परिस्थितियों से ऊपर उठाकर गतिमान रखा। उनके सतत प्रयासों से प्रांतों एवं शाखाओं की सक्रियता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई।

अधिवेशन के पहले दिन विराम से पहले पूर्वोत्तर परिवार की महिलाओं एवं बच्चों ने काफी सूझबूझ, लगन एवं परिश्रम से एक बेहद आकर्षक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस प्रयास में संलग्न सभी कलाकारों एवं आयोजकों की मैं अभ्यर्थना करता हूँ। यह प्रयास हमें दर्शाता है कि समाज में कितनी प्रतिभाएँ छिपी रहती हैं। बस उन प्रतिभाओं को मंच मिलने की प्रतीक्षा रहती है। आशा है सभी प्रांत के पदाधिकारीगण इस प्रकार के प्रस्तुति से प्रेरणा लेंगे एवं हम सभी अपने इर्द-गिर्द समाज की प्रतिभाओं को आवश्यक अवसर प्रदान करने के विषय में सजग रहेंगे।

बंधुओं, हम २०२३-२५ सत्र की यात्रा प्रारंभ कर रहे हैं। मैंने अपने वक्तव्य के द्वारा अपनी सोच को आपके साथ साझा किया। अभिभाषण में दिया गया वक्तव्य समाज विकास के इस अंक में भी प्रकाशित किया जा रहा है। पिछले दशक में सम्मेलन के संगठन में मजबूती आई है। इस यात्रा को जारी रखना है। साथ ही हमें नए-नए अवसरों की तलाश कर उन्हें सफलता का जामा पहनाना है। इस संबंध में शीघ्र ही हम कार्य-सूची की घोषणा करेंगे। इस विषय में आपके सुझाव मेरे लिए अति महत्वपूर्ण हैं, उनका स्वागत है। अपने सुझाव, हमें आप ईमेल के द्वारा भी प्रेषित कर सकते हैं।

पिछले दशक में सम्मेलन के संगठन में मजबूती आई है। इस यात्रा को जारी रखना है। साथ ही हमें नए-नए अवसरों की तलाश कर उन्हें सफलता का जामा पहनाना है। इस संबंध में शीघ्र ही हम कार्य-सूची की घोषणा करेंगे। इस विषय में आपके सुझाव मेरे लिए अति महत्वपूर्ण हैं, उनका स्वागत है। अपने सुझाव, हमें आप ईमेल के द्वारा भी प्रेषित कर सकते हैं।

सत्र २०२३-२५ के लिए सम्मेलन के प्रवीण एवं जुझारू कार्यकर्ता श्री कैलाश पति तोदी ने राष्ट्रीय महामंत्री के दायित्व निर्वहन करने की स्वीकृति प्रदान की है। श्री तोदी सम्मेलन में संयुक्त महामंत्री, कोषाध्यक्ष के रूप में वर्षों से सक्रिय रहे हैं। विगत वर्षों में पद पर न रहते हुए भी सम्मेलन को उनके सक्रिय भागीदारी का लाभ मिलता रहा है। मैं उनका राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में स्वागत करता हूँ।

सम्मेलन के प्रांतीय पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की सजगता एवं सक्रियता सम्मेलन के उज्ज्वल भविष्य की ओर इंगित करती है। प्रारंभिक चर्चाओं से ऐसा आभास होता है कि हम महत्वपूर्ण निर्णयों की ओर बढ़ रहे हैं। सम्मेलन की प्रासंगिकता निर्विवाद है। इसे और अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए हम संकल्पित हैं।

अधिवेशन के अवसर पर '**संस्कार हमारी विरासत**' पर संगोष्ठी आयोजित की गई। मेरे लिए यह व्यक्तिगत रूप से प्रसन्नता की बात है कि मेरे पहल पर सन २०१५ में '**संस्कार, संस्कृति चेतना**' पर सम्मेलन ने कार्यक्रम प्रारंभ किया था और सफल भी हुआ था। बाद के वर्षों में कुछ शिथिलता आ गई। इस कार्यक्रम को सभी प्रांतों में प्रभावी करना है। समाज में बढ़ रहे कुछ विसंगतियों के विषय में भी अधिवेशन में चर्चा हुई एवं प्री-वेडिंग शूट एवं वैवाहिक कार्यक्रम में मद्यपान पर प्रस्ताव भी पारित किए गए। इस ओर अन्य विषयों पर चर्चा आगे भी जारी रहेगा। आप स्वस्थ रहें एवं प्रसन्न रहें इसी आशा एवं आकांक्षा के साथ।

जय समाज, जय राष्ट्र!

एक अनभिज्ञ का सफरनामा : उपलब्धि दायित्वबोध

– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष

सभी स्नेही सुधी-बंधुओं का सादर अभिनंदन!

आशा है आप सभी कुशल होंगे, सबका मंगल हो। सभी को अक्षय एवं अखंड आनंद, उत्तम स्वास्थ्य, सुख, संपन्नता, समृद्धि, वैभव, उद्यमिता, विकास, सहयोग, परिवार, मित्रमंडली, समरसता, विनम्रता, दया, करुणा, सौभाग्य, विद्या, ज्ञान एवं प्रभु कृपा प्राप्त हो।

दिनांक १३-१४ मई २०२३ को माँ कामाख्या के चरणों में ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे बसे गुवाहाटी शहर में पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आत्मीय आतिथ्य में २७ वां राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न हुआ। श्री शिव कुमार जी लोहिया को राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया तथा उन्होंने श्री कैलाश पति जी तोदी को राष्ट्रीय महामंत्री मनोनीत किया। दोनों को मेरी हार्दिक बधाई। मेरी मनोकामना है कि उनका कार्यकाल सफलतम रहे।

बंधुओं, मैंने २१-२२ नवंबर २०२० को राँची में संपन्न अधिवेशन में श्री सन्तोष जी सराफ से राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व ग्रहण किया। सक्रिय कार्यकर्ता श्री संजय जी हरलालका को राष्ट्रीय महामंत्री का दायित्व निर्वहन हेतु मनोनीत किया गया। उस समय पूरा देश कोरोना के वैश्विक संक्रमण से गुजर रहा था। आवश्यक बैठकें भी जूम के माध्यम से करनी पड़ती थी। उस विपरीत परिस्थिति में भी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय एवं प्रांतीय इकाइयों ने अपने-अपने स्तर से सेवा एवं सहायता के कई उल्लेखनीय कार्य किए।

दायित्व ग्रहण के करीब ८ माह बाद १३ अगस्त २०२१ को पहली बार मैं कोलकाता स्थित सम्मेलन के प्रधान कार्यालय जा पाया। इस कालखंड में सभी माननीय पूर्व अध्यक्षों के साथ मेरी नियमित रूप से सप्ताह में ५ दिन नियत समय पर जूम के माध्यम से बैठकें होती थीं। मेरे लिए यह कालखंड प्रशिक्षण जैसा था, मैंने बहुत कुछ सीखा समझा जो मेरे दायित्व निर्वहन में काम आया, इसके लिए सभी माननीयों का कृतज्ञ हूँ।

राँची एवं कोलकाता से कुछ जूम बैठकों एवं कुछ सेमिनार के बाद इस सत्र की पहली कार्यकारिणी बैठक १९ सितंबर २०२१ को पटना में हुई। तत्पश्चात दिल्ली, बैंगलोर, रायपुर, गुवाहाटी, कानपुर आदि जगहों पर कार्यकारिणी एवं अखिल भारतीय समिति की बैठकें आयोजित की गईं जिसमें प्रायः सभी प्रांतीय पदाधिकारियों की सहभागिता संतोषप्रद रही। इन बैठकों के अलावा उत्तराखंड, तेलंगाना, तमिलनाडु, बिहार, पूर्वोत्तर, उड़ीसा आदि प्रांतों के व्यापक दौरे भी हुए जिससे समाज के बंधुओं के विचार सुनने एवं अपनी बात कहने का सुनहरा अवसर मिला। राष्ट्रीय महामंत्री जी के साथ पूर्वोत्तर का सात दिवसीय दौरा जिसमें गुवाहाटी, बरपेटा, नौगाँव, गोलाघाट, जोरहाट, मोरान, डिब्रूगढ़ एवं दीमापुर में समाजबंधुओं के साथ व्यापक चर्चा का अवसर मिला जो स्मरणीय रहेगा। यह संपर्क समन्वय सम्मेलन के विस्तार में मददगार साबित हुआ।

शाखाओं तथा प्रांतों की सक्रियता संतोषजनक रही है फलस्वरूप सदस्यता में काफी वृद्धि हुई है। सम्मेलन के सभी प्रांतीय इकाइयों के समय पर नए चुनाव हुए हैं एवं प्रांतीय अध्यक्षों से बेहतर संवाद स्थापित करने में सफलता मिली। कई वर्षों से लंबित मध्यप्रदेश इकाई का भी पूर्णगठन हो गया।

मुझे इस बात की पीड़ा है कि कई वर्षों से लंबित पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का चुनाव नहीं हो पाया है। पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के तत्कालीन अध्यक्ष के त्यागपत्र के बाद संविधान के अनुसार एक तदर्थ समिति भी बनाई गई थी, पर कतिपय कारणों से उसके भी वांछित परिणाम नहीं आए, उसके बाद फिर एक तदर्थ समिति बनाई गई है, मैं आशा करता हूँ कि पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन में संविधान सम्मत प्रक्रिया से नए अध्यक्ष का चुनाव हो जाएगा।

पिछले कार्यकाल में कई नए प्रांतों में सम्मेलन का विस्तार हुआ। इस कड़ी को आगे बढ़ाने एवं प्रांतीय इकाइयों के विस्तार में कुछ हद तक सफलता भी मिली। मुझे संतोष है कि इस कार्यकाल की संध्याबेला में पूर्वोत्तर के अध्यक्ष श्री कैलाश जी काबरा के सक्रिय सहयोग से सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के रूप में एक नई प्रादेशिक इकाई का गठन संभव हो पाया, इसके लिए मैं पूर्वोत्तर के अध्यक्ष श्री कैलाश जी काबरा एवं गैंगटोक के श्री रमेश जी पेरीवाल का आभार व्यक्त करता हूँ।

हर अच्छे कार्य को और ज्यादा बेहतरीन करने की संभावना हमेशा बनी रहती है। मेरे कार्यकाल में भी कई कार्य जो हो जाने चाहिए थे, कई कारणों से नहीं हो पाए इसका मुझे अफसोस है, पर मुझे पूरा विश्वास है कि श्री लोहिया जी के नेतृत्व में अधूरे कार्य अवश्य पूरे होंगे। सम्मेलन भवन के लिए भूमि की उपलब्धता, आवश्यक धनराशि की स्वीकार्यता एवं पाँच वर्ष पूर्व शिलान्यास कार्यक्रम संपन्न होने के उपरांत भी निर्माण कार्य शुरु नहीं हो पाया, इसका अफसोस है। आशा है नई टीम इस कार्य को प्राथमिकता देगी। समयानुसार संविधान में संशोधन आवश्यक है एवं गुवाहाटी अधिवेशन में इस निमित्त प्रस्ताव भी पारित किया गया है, इसको भी प्राथमिकता देनी होगी। इन दिनों समाज में कुछ नई विसंगतियाँ तेजी से फैल रही हैं, उन पर भी खुले सत्र में लिए गए निर्णय के आधार पर अमल करना है। मेरे एवं मेरे सहयोगियों से जो कुछ हो पाया वो पर्याप्त तो नहीं है पर फिर भी जिन परिस्थितियों में काम करना पड़ा, मुझे प्रसन्नता तो नहीं, पर संतोष अवश्य है।

इस कार्यकाल में सम्मेलन के महामंत्री के रूप में संजय जी हरलालका का सान्निध्य मेरे बहुत काम आया। संजय जी केंद्रीय सम्मेलन से बहुत वर्षों से जुड़े हुए हैं, इस वजह से उन्हें कार्यालय के सभी गतिविधियों की विस्तृत जानकारी है, इसके अलावा वे परिश्रमी, जुझारू, लेखन-कला में दक्ष एवं कुशल वक्ता भी हैं। उनका भरपूर सहयोग मुझे मिला, आभार। निवर्तमान अध्यक्ष श्री संतोष ने पूरे कार्यकाल तक साथ देने का अपना आश्वासन बखूबी हरदम निभाया, मैं कृतार्थ हूँ। संयुक्त महामंत्री श्री गोपाल जी अग्रवाल, श्री सुदेश जी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री दामोदर जी बिदावतका एवं संगठन मंत्री श्री बसंत जी मित्तल के सहयोग हेतु आभार।

उपाध्यक्ष के रूप में कोलकाता से श्री भानीराम जी सुरेका, उत्तर पश्चिम से श्री पवन जी गोयनका, पूर्व से श्री पवन जी सुरेका, पूर्वोत्तर से डॉक्टर श्यामसुन्दर जी हरलालका, मध्य भारत के लिए श्री अशोक जी जालान एवं दक्षिण से श्री विजय जी लोहिया, सभी ने अपने दायित्वों का सुंदर तरीके से निर्वहन किया। इन सभी महानुभावों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ।

(शेषांश पेज नं. २५ पर)

राष्ट्रीय महामंत्री का प्रतिवेदन

संजय हरलालका
राष्ट्रीय महामंत्री

प्राक्कथन

सर्वप्रथम सम्मेलन के प्राणपुरुष स्व. ईश्वर दास जी जालान, संस्थापक अध्यक्ष स्व. रामदेव जी चोखानी का सादर स्मरण करता हूँ, जिन्होंने आज से ८८ वर्ष पूर्व १९३५ में अपनी दूरदर्शी दृष्टि एवं सोच का परिचय देकर जिस अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना की थी, आज उनके द्वारा स्थापित एवं सिंचित संस्था पूरे भारतवर्ष के २२ राज्यों में करीब ३० हजार प्रत्यक्ष सदस्यों एवं देश के १७ राज्यों में स्थापित प्रादेशिक इकाईयां यथा - बिहार, पूर्वोत्तर, उत्कल, पश्चिम बंगाल, झारखंड, मध्य प्रदेश, महराष्ट्र, दिल्ली, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, गुजरात, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, केरल, तेलंगाना तथा तमिलनाडु अपने प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में करीब ४०० शाखाओं के साथ बृहद स्तर पर सामाजिक उत्थान, सांगठनिक शक्ति, समाज-सुधार, समाजसेवा, संस्कार-संवर्धन, कुरीति उन्मूलन जैसे अनेक कार्यों में अपनी महती भूमिका का पालन कर रही है। समाज पर जब-जब किसी भी राज्य में कोई संकट आन खड़ा हुआ है या समाज के खिलाफ दुराग्रह फैलाने का प्रयास हुआ है, सम्मेलन ने बुलंद एवं सशक्त आवाज के साथ उसका मुकाबला किया है। सम्मेलन का मानना है कि मारवाड़ी समाज का प्रत्येक व्यक्ति, चाहे वह राजस्थानी हो, हरियाणवी, ओसवाल, जैन, खण्डेलवाल, ब्राह्मण, माहेश्वरी, बीकानेरी हो, सम्मेलन का अप्रत्यक्ष रूप से सदस्य है। कहते हैं कि –

'हीरा' परखने से ज्यादा महत्वपूर्ण होता है 'परपीड़ा' परखने वाला।
जिसे समाज के पुरखों एवं मनीषियों ने परखा है।

अभिनंदन-आभार

सम्मेलन का २६वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन नवंबर २०२० में झारखंड की राजधानी राँची में संपन्न हुआ था, जहाँ बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद जी गाड़ोदिया ने पदभार ग्रहण किया था। इसके साथ ही उन्होंने मुझ पर आस्था एवं विश्वास जताते हुए राष्ट्रीय महामंत्री मनोनीत करने की घोषणा की, जिसके लिए मैं उनका हृदय की आंतरिक गहराईयों से आभार व्यक्त करता हूँ।

मेरे लिए सौभाग्य की बात यह है कि २००८ में सक्रिय तौर पर शुरु हुए मेरे सम्मेलन के सफर में मुझे राष्ट्र, प्रांत एवं शाखाओं के वरिष्ठ से लेकर कनिष्ठ तक के कमोबेश सभी वरिष्ठों, अग्रजों एवं साथियों का भरपूर प्यार-साथ एवं सहयोग मिला। २००८ में दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने वाले आदरणीय **श्री नन्दलाल जी रूँगटा** ने अपनी टीम में मुझे बतौर राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री मनोनीत किया था। तब से लेकर वर्तमान सत्र तक प्रत्येक राष्ट्रीय अध्यक्ष के सान्निध्य में मुझे काम करने का अवसर प्राप्त हुआ। २०१० में राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय **श्री हरिप्रसाद जी कानोड़िया** ने पुनः राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री, २०१३ में राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री, २०१३ में राष्ट्रीय अध्यक्ष बने, मेरे अभिभावक **श्री रामावतार जी पोद्दार** ने राष्ट्रीय संगठन मंत्री तथा २०१६ में सामाजिक धरोहर **श्री प्रह्लाद राज जी अगरवाला** ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर मुझे पुनः राष्ट्रीय संगठन मंत्री की जम्मेवारी सौंपी। २०१८ में **श्री संतोष जी सराफ** के अध्यक्षीय कार्यकाल में एक बार फिर राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री के पद पर रहकर काम करने का मौका मिला। इस तरह २००८ से शुरु हुआ मेरा सम्मेलन का सफर राष्ट्रीय महामंत्री जैसे महत्वपूर्ण दायित्व तक पहुँचा, और अब इस सफर पर एक विराम।

साथ ही आभार व्यक्त करता हूँ इस सफर में साथ आने वाले, संबल प्रदान करने वाले, सुख-दुख में साथ देने वाले, सचाई की परख रखने वाले, कार्यकर्ताओ की हौसला अफजाई करने वाले, उनकी पीड़ा को अपनी पीड़ा समझने वाले, निजी स्वार्थ की जगह सम्मेलन-हित को सर्वोपरि स्थान देने वाले सच्चे समाज-चिंतकों एवं सम्मेलन-निष्ठों के प्रति, जिनके बलबूते पर मैं किंचित सा सहयोग सम्मेलन तथा समाज को अग्रगति के पथ पर ले जाने में दे पाया, जिसका मूल्यांकन करना आपके कर-कदमों में है।

शतों पर सुल्तान बनने से ज्यादा बेहतर है,
अपनी ही मौज में फकीर बने रहना।

अब वर्तमान सत्र के कार्यकलापों पर एक नजर–

संगठन विस्तार : वर्तमान सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष के आह्वान पर आपसी समन्वय के जरिए संगठन विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई, क्योंकि संगठन की शक्ति एवं सामाजिक एकता के बिना हमारा वर्चस्व न के बराबर है। प्रादेशिक शाखाओं ने भी इसमें अति सक्रिय भूमिका का पालन किया। कोरोना के कहर के बावजूद इस संयुक्त प्रयास का प्रत्यक्ष फल भी देखने को मिला। वर्तमान सत्र में ५४ विशिष्ट संरक्षक सदस्य, १९ संरक्षक सदस्य, १ विशिष्ट सदस्य, ३३४६ आजीवन, यानी कुल ३४२० सदस्य बने। सत्र के दौरान संगठन विस्तार के क्षेत्र में बिहार (१२६८ नए सदस्य), पूर्वोत्तर (९२२ नए सदस्य), झारखंड (७४४ नए सदस्य), कर्नाटक (१४१ नए सदस्य), तमिलनाडु (८१ नए सदस्य) ने अग्रणी भूमिका निभाई। दिल्ली, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र में भी सक्रियता बढ़ी है।

समितियों की बैठकें : सत्र २०२०-२३ में समयानुसार सर्वोच्च नीति निर्धारक अखिल भारतीय समिति की पाँच, राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की आठ, राष्ट्रीय स्थायी समिति की पांच तथा वर्ष २०२१ एवं २०२२ में वार्षिक साधारण सभाएँ आयोजित की गईं। इनमें उल्लेखनीय बात यह रही कि इस सत्र में प्रथम बार बिहार, झारखंड, दिल्ली, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, पूर्वोत्तर, उत्तर प्रदेश सहित पश्चिम बंगाल में बैठकों का आयोजन होने से प्रांतों में एक नई उर्जा का संचार हुआ। इससे प्रेरित होकर उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, गुजरात सहित अन्य प्रादेशिक इकाइयों ने भी केंद्र से उनके राज्यों में बैठक करने का आग्रह किया।

प्रादेशिक चुनाव एवं अधिवेशन :

सत्र के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष समय पर प्रांतीय इकाइयों का चुनाव करवाने के प्रति सजग रहे और लगातार प्रांतों से संपर्क में रहने के कारण विभिन्न प्रादेशिक शाखाओं का चुनाव समयानुकूल हुआ।

पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : ०३ जनवरी २०२१ को श्री ओम प्रकाश खंडेलवाल ने पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। तत्पश्चात मार्च २०२३ में हुए चुनाव में श्री कैलाश चंद काबरा अध्यक्ष घोषित किए गए और उन्होंने पदभार ग्रहण किया।

महाराष्ट्र प्रदेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : २१ फरवरी २०२१ को सर्वसम्मति से श्री राज पुरोहित महाराष्ट्र सम्मेलन के अध्यक्ष बने। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन गोयनका ने उपस्थित होकर उन्हें पद की शपथ दिलाई।

कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : १० अप्रैल २०२१ को सर्वसम्मति से श्री सुभाष अग्रवाल कर्नाटक सम्मेलन के पुनः अध्यक्ष चुने गए।

तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : १८ अप्रैल २०२१ को सर्वसम्मति से श्री रमेश बंग तेलंगाना सम्मेलन के पुनः अध्यक्ष बने।

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : ०५ दिसंबर २०२१ को श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया छत्तीसगढ़ सम्मेलन के सर्वसम्मति से पुनः अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : ०३ फरवरी २०२२ को श्री गोकुल चंद बजाज ने बतौर प्रादेशिक अध्यक्ष गुजरात की कमान संभाली।

आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : १० अप्रैल २०२२ को सर्वसम्मति से श्री चांदमल अग्रवाल पुनः अध्यक्ष चुने गए।

तमिलनाडु प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : ३० मई २०२२ को चेन्नई स्थित डी.जी. बैष्णव कॉलेज प्रांगण में हुई आमसभा में श्री विजय गोयल तमिलनाडु प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : १२ जून, २०२२ को श्री गोविंद अग्रवाल को पुनः निर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष चुना गया। राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

झारखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : २४ जुलाई २०२२ को रांची स्थित मारवाड़ी भवन में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की आम सभा में श्री बसंत कुमार मित्तल प्रांतीय अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किए गए।

केरल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : १६ अक्तूबर २०२२ को आयोजित वार्षिक साधारण सभा में प्रांतीय अध्यक्ष पद के लिए श्री श्याम सुंदर अग्रवाल को पुनर्निर्वाचित किया गया।

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : १६ अक्तूबर २०२२ को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र २०२२-२४ के लिए श्री लक्ष्मीपत भुतोड़िया ने पुनः अध्यक्ष पद की शपथ ली।

उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : नवंबर २०२२ में उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष पद के लिए श्री श्रीगोपाल तुलस्यान निर्वाचित हुए।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : २४ नवंबर २०२२ को बिहार सम्मेलन के अगले सत्र के लिए श्री युगल किशोर अग्रवाल प्रादेशिक अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : २५ दिसंबर २०२२ को उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की एक बैठक में श्री संतोष खेतान उत्तराखंड सम्मेलन के अगले सत्र के लिए पुनः निर्विरोध प्रादेशिक अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : दिसंबर २०२२ में मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की एक प्रादेशिक सभा में श्री विजय कुमार सकलेचा मध्य प्रदेश सम्मेलन के प्रादेशिक अध्यक्ष निर्वाचित हुए। लंबे अरसे से मध्य प्रदेश की इकाई भंग थी। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन गोयनका इस मौके पर उपस्थित थे।

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : कानूनी अड़चनों एवं अन्य कतिपय कारणों की वजह से पश्चिम बंग का चुनाव लंबे अरसे से लंबित था। अध्यक्ष श्री नन्दकिशोर अग्रवाल ने नए सिरे से चुनाव करवाने हेतु ०७ दिसंबर २०२२ को राष्ट्रीय अध्यक्ष को अपना इस्तीफा दे दिया था। तत्पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रादेशिक संविधान के दायरे तथा कानूनी परिधि में चुनाव करवाने हेतु अक्तूबर २०२२ में एक ७ सदस्यीय तदर्थ कमेटी का गठन किया। काफी चेष्टा एवं जद्दोजहद के बाद भी यह कमेटी तीन महीने के तय समय पर चुनाव नहीं करवा सकी। तत्पश्चात पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अप्रैल २०२३ के प्रारंभ में प्रदेश के पूर्व वरिष्ठ अध्यक्ष श्री विजय गुजरवासिया की चेयरमैनशीप में ७ सदस्यीय नई तदर्थ समिति का गठन किया है, लेकिन श्री गुजरवासिया ने चुनाव करवाने में कानूनी अड़चनों को बाधक बताया है। इस संबंध में विधि विशेषज्ञों की लिखित राय लेने के लिए उनसे आग्रह किया गया है।

इस तरह वर्तमान सत्र में सभी प्रादेशिक इकाइयों का समयानुसार चुनाव होना, एक बड़ी उपलब्धि कहा जा सकता है। कुदरत का नियम है–

मित्र और चित्र दिल से बनाएँगे,
तो उनके रंग जरूर निखर आएँगे।

राष्ट्रीय पदाधिकारियों के दौरे तथा कार्यक्रमों में भागीदारिता :

संगठन विस्तार, राष्ट्र-प्रांत समन्वय, सामाजिक उत्थान, संस्कार-संवर्धन पर जोर, सामाजिक एकता, जन संपर्क तथा अन्य सामयिक मुद्दों पर आपसी संवाद स्थापित करने हेतु इस सत्र में राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने निम्नवत दौरे किए :

– १० जनवरी २०२१ : राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका के नेतृत्व में सम्मेलन का एक प्रतिनिधिमंडल लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला से मिला तथा उनकी सुपुत्री के आईएएस की परीक्षा में सफलता अर्जित करने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया तथा पूरे सम्मेलन की तरफ से शुभकामनाएं ज्ञापित की।

– १४ फरवरी २०२१ : राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अशोक जालान ने छत्तीसगढ़ के प्रभारी के तौर पर रायपुर का संगठात्मक दौरा किया। इस दौरे के क्रम में छत्तीसगढ़ सम्मेलन के अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया एवं महामंत्री श्री अमर बंसल के साथ मिलकर सम्मेलन से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श किया।

– १९ फरवरी २०२१ : राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व कर्नाटक प्रांत के प्रभारी श्री विजय लोहिया ने कर्नाटक का दौरा किया। बेंगलुरु में श्री लोहिया ने कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल एवं अन्य प्रादेशिक पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान संगठात्मक विस्तार, कार्यक्रमों एवं भावी रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया।

– ७ मार्च २०२१ : राँची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने शिरकत की।

– जुलाई २०२१ : बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से आयोजित मारवाड़ी गीत-संगीत प्रतियोगिता में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व बिहार प्रांत के प्रभारी श्री पवन सुरेका ने शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

– १२ जुलाई २०२१ : राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व गुजरात प्रभारी श्री पवन कुमार गोयनका ने गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा सूरत में आयोजित पुस्तक विमोचन व सम्मान समारोह में उपस्थिति दर्ज कराई। साथ ही इस दौरान प्रादेशिक पदाधिकारियों के साथ संगठात्मक विस्तार, कार्यक्रमों एवं भावी रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया।

– ३० जुलाई २०२१ : राजभवन राँची में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया के नेतृत्व में महामहिम राज्यपाल श्री रमेश बैस से सम्मेलन के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। श्री गाड़ोदिया के साथ न्यायमूर्ति श्री रमेश मेरठिया (सेवानिवृत न्यायाधीश, झारखंड उच्च न्यायालय), राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत मित्तल, पूर्व प्रादेशिक अध्यक्ष श्री विनय सरावगी शामिल थे।

– ०५ सितंबर २०२१ : राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने झारखंड के हजारीबाग का दौरा किया। इस दौरान हजारीबाग जिला मारवाड़ी सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा सह-पारिवारिक मिलन समारोह में शिरकत की।

– २१ सितंबर २०२१ : राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं तेलंगाना प्रभारी श्री विजय कुमार लोहिया ने हैदराबाद में तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री रमेश कुमार बंग, महामंत्री श्री रामपाल अट्टल व प्रचार मंत्री श्री राम प्रकाश भंडारी के साथ बैठक की। बैठक में संगठन एवं सम्मेलन से जुड़े कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

– २५ सितंबर २०२१ : राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया के हाथों राँची में मानवता की सेवा में रत कोरोना योद्धाओं को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन राँची जिला मारवाड़ी सम्मेलन ने किया था।

– ०३ अक्तूबर २०२१ : राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत मित्तल ने उत्कल प्रदेश का दौरा किया। इस दौरान उत्कल के केसिंगा शाखा में प्रांत स्तर पर आयोजित बैठक में ३३ शाखाओं से ३६१ प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

– ११ दिसंबर २०२१ : राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया एवं पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विनय सरावगी ने भुवनेश्वर (ओडिशा) प्रवास के दौरान उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की भुवनेश्वर शाखा के अध्यक्ष श्री उमेश खंडेलवाल, कटक शाखा के उपाध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल तथा इन दोनों शाखाओं के पदाधिकारियों के साथ अनौपचारिक बैठक की।

– ०३ फरवरी २०२२ : कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन श्री प्रमोद अग्रवाल (आई.ए.एस) से राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय कुमार हरलालका ने राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री द्वय श्री गोपाल अग्रवाल तथा श्री सुदेश अग्रवाल के साथ कोलकाता स्थित उनके मुख्यालय में जाकर मुलाकात की और स्टार्टअपलेंस देश के ट ॉप ४० सी.ई.ओ. में उनके नामित होने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया द्वारा प्रेषित बधाई पत्र सौंपा एवं गत दीपावली प्रीति सम्मेलन समारोह में बतौर प्रमुख अतिथि पधारने पर उनकी तस्वीरों का एल्बम प्रदान किया।

– १२ फरवरी २०२२ : राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने उत्कल प्रवास के दौरान कटक शाखा द्वारा समाजहित मे किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। साथ ही कटक और आस-पास के उपस्थित पदाधिकारियों से सम्मेलन के संगठन एवं विभिन्न गतिविधियों के विषय में विस्तृत विचार-विमर्श किया।

– १६ मई २०२२ : राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने बिहार का दौरा किया। इस दौरान सामाजिक विमर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विषय था सम्मेलन की प्रासंगिकता और उपयोगिता। इस दौरान अध्यक्ष ने समाज की एकजुटता और संगठन की मजबूती पर बल दिया।

– ०४ जून २०२२ : दिल्ली दौरे के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया के नेतृत्व में शीर्ष प्रतिनिधिमंडल ने लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी से दिल्ली स्थित उनके निवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण श्री पवन कुमार गोयनका, श्री पवन सुरेका एवं श्री अशोक जालान, राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, निवर्तमान राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाश पति तोदी, सम्मेलन के दिल्ली

प्रदेश राष्ट्रीय श्री लक्ष्मीपत भुतोड़िया, कर्नाटक अध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल, गुजरात अध्यक्ष श्री गोकुल चंद बजाज, दिल्ली से श्री विनोद किला व राँची से श्री ओम प्रकाश प्रणव शामिल थे। राष्ट्रीय महामंत्री ने श्री बिरला को सम्मेलन की गतिविधियों से अवगत कराया तथा उन्हें सम्मेलन के कार्यकलापों की प्रकाशित सामग्री सौंपी। माननीय लोकसभा अध्यक्ष ने इस मौके पर सम्मेलन के प्रतिनिधियों से कहा कि सम्मेलन एवं समाज के प्रति मेरे दरवाजे हमेशा खुले रहेंगे कोई भी काम हो, दिन या रात, हमसे निःसंकोच संपर्क कर सकते हैं।

– ०६ जून २०२२ : राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा उत्तराखंड प्रभारी श्री पवन गोयनका ने उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का दो दिवसीय दौरा किया। दौरे में निवर्तमान राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष कैलाश पति तोदी व राँची से श्री ओम प्रकाश प्रणव शामिल थे। इस दौरान उत्तराखंड सम्मेलन के संस्थापक तथा पूर्व अध्यक्ष श्री रंजीत जालान, अध्यक्ष श्री संतोष खेतान, महामंत्री श्री संजय जाजोदिया व अन्य पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ सफल बैठक हुई। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष के आह्वान पर पाँच नई शाखाओं को खोलने सहित सदस्य संख्या तिगुनी करने का आश्वासन मिला।

– १२ जून २०२२ : उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संबलपुर में आयोजित अधिवेशन में राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाश पति तोदी के साथ भाग लिया।

– ०१ जुलाई २०२२ : ओडिशा प्रांत के कटक शाखा के अध्यक्ष श्री सुरेश कमानी के आग्रह पर रथयात्रा पर पुरी में आयोजित शिविर में भाग लेने राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका, पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाश पति तोदी तथा उत्कल प्रांत के अध्यक्ष श्री गोविंद अग्रवाल सड़क मार्ग से पुरी पहुँचे। मारवाड़ी युवा मंच द्वारा लगाए गए शिविर का भी निरीक्षण किया गया। मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कपिल लाखोटिया तथा प्रादेशिक अध्यक्ष श्री नरेश अग्रवाल ने स्वागत किया।

– जुलाई २०२२ : राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, महामंत्री श्री संजय हरलालका ने ६ दिवसीय पूर्वोत्तर दौरे की शुरुआत में नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ असम के राज्यपाल प्रोपेसर जगदीश मुखी से राजभवन में शिष्टाचार मूलक मुलाकात की। साथ ही असम में मारवाड़ी समाज व संस्कृति के अलावा विभिन्न सामाजिक विषयों पर सौहार्दपूर्ण वातावरण में महामहिम से चर्चा हुई।

इस दौरे के दौरान गुवाहाटी में समाज के लोगों द्वारा संचालित मारवाड़ी हॉस्पिटल तथा गौशाला का निरीक्षण किया।

– जुलाई २०२२ : पूर्वोत्तर दौरे के दौरान सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया व राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने गुवाहाटी, कामरूप, बरपेटा रोड, नगांव, गोलाघाट, जोरहाट (आमगुड़ी, शिवसागर, सिमलगुड़ी), डिब्रूगढ़ शाखा (बंदरदोवा, लखीमपुर, धेमाजी, शिलापथार, मोरान व तिनसुकिया शाखा) का दौरा किया। इस दौरान बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी शाखाओं के पदाधिकारियों से सम्मेलन के मूलभूत कर्तव्यों को सिर्फ कागजी पन्नों में न रखकर बखूबी कार्यों में रूपांतरित कर समाज के सभी वर्गों के इससे लाभान्वित होने पर विशेष जोर दिया। प्रादेशिक अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश खंडेलवाल की प्रत्यक्ष देख-रेख में आयोजित इस दौरे में प्रादेशिक महामंत्री श्री अशोक अग्रवाल, प्रादेशिक उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री अरुण अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष श्री मधुसूदन सिकरिया, श्री कैलाश चंद काबरा, श्री रमेश चाण्डक आदि शामिल थे।

– राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया के नेतृत्व में डिब्रूगढ़ में बदमाशों की धमकी से आतंकित होकर आत्महत्या करने वाले ३२ वर्षीय दिवंगत विनीत बगड़िया के घर जाकर उनके पिता से मुलाकात की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस घटना पर गहरा दुख प्रकट किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने असम के राज्यपाल प्रोफेसर जगदीश मुखी से मुलाकात के दौरान इस प्रसंग से दिवंगत के पिता को अवगत कराने की जानकारी दी।

इसी क्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने डिमापुर का दौरा किया। इस दौरान एक सभा का आयोजन कर राष्ट्रीय अध्यक्ष की उपस्थित में नई शाखा डिमापुर का शुभारंभ हुआ।

– अगस्त २०२२ : बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा पटना में स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित रंगारंग देशभक्तिपूर्ण कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने अपनी उपस्थित दर्ज कराई।

– ०१ सितंबर २०२२ : राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत कुमार मित्तल ने तेलंगाना प्रांत का दौरा किया। तेलंगाना अध्यक्ष श्री रमेश बंग ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के सम्मान में एक बैठक का आयोजन किया, जिसमें समाज के प्रतिष्ठित लोग उपस्थित थे।

– ०२ सितंबर २०२२ : राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत कुमार मित्तल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बिजय कुमार लोहिया ने तमिलनाडु प्रांत का दौरा किया। तमिलनाडु के अध्यक्ष श्री विजय गोयल, महामंत्री श्री मुरारी लाल सोंथलिया व अन्य पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

– ७-८ अक्तूबर २०२२ : राजस्थान फाउंडेशन (राजस्थान सरकार) द्वारा जयपुर में आयोजित इंवेस्ट राजस्थान एवं एन.आर.आर. कानक्लेव में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की तरफ से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन गोयनका एवं दिल्ली प्र. महामंत्री श्री ओम प्रकाश अग्रवाल ने भाग लिया। सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा एवं पूर्व महामंत्री श्री रतन शाह ने भी जूम के माध्यम से सहभागिता की एवं अपने विचार साझा किए। सम्मेलन की तरफ से श्री गोयनका ने राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत एव उद्योगमंत्री श्रीमती शकुंतला जी से मुलाकात कर सम्मेलन की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

– २० नवंबर २०२२ : जम्मू-कश्मीर में पोस्टिंग के दौरान मारे गए शहीद हेमंत कुमार लोहिया के बड़े भाई श्री प्रेम

कुमार लोहिया से गुवाहाटी स्थित उनके आवास पर सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की। शहीद लोहिया के बड़े भाई ने हत्या के कारणों की जाँच की माँग की। ३ अक्तूबर २०२२ को जम्मू-कश्मीर के डी.जी.पी. (जेल) में शहीद लोहिया की हत्या की गई थी।

– २० नवंबर २०२२ : राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राष्ट्रीय महामंत्री तथा प्रादेशिक पदाधिकारियों के साथ गुवाहाटी में असम सरकार में समाज के एकमात्र मंत्री श्री अशोक सिंहल से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। इस दौरान करीब एक घंटे तक मंत्री महोदय के साथ समाज के उत्थान पर चर्चा हुई।

– ३० नवंबर २०२२ : राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया के दिल्ली दौरे के दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रा पवन गोयनका, दिल्ली प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भुतोड़िया, प्रांतीय महामंत्री ओम प्रकाश अग्रवाल ने शिष्ट ाचार भेंट की।

– २ मार्च २०२३ : दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा दिल्ली में आयोजित होली-मिलन समारोह में राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका बतौर प्रधान अतिथि शामिल हुए।

– २५ मार्च २०२३ : पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के १६वें प्रांतीय अधिवेशन में नव-निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका शामिल हुए।

– १३ अप्रैल २०२३ : पश्चिम बंगाल के दमकल मंत्री श्री सुजीत बोस से राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने शिष्ट ाचार मुलाकात की तथा उन्हें स्थापना दिवस समारोह पर बतौर उद्घाटनकर्ता उपस्थित होने पर आभार जताते हुए समारोह का चित्रमय एल्बम सौंपा।

आज मुश्किल, कल थोड़ा बेहतर होगा,
उम्मीद मत छोड़िए, भविष्य जरूर बेहतर होगा।

स्थापना दिवस समारोह :

२५ दिसम्बर २०२० : ८६वाँ स्थापना दिवस समारोह वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से दिल्ली, कोलकाता एवं राँची से संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। समारोह का विधिवत उद्घाटन मुख्यमंत्री कार्यालय दिल्ली में सम्मेलन के केंद्रीय-प्रांतीय पदाधिकारियों के साथ दिल्ली विधानसभा के माननीय अध्यक्ष श्री राम निवास गोयल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

– २५ दिसंबर २०२१ : कोलकाता स्थित कलामंदिर में सम्मेलन का ८७वाँ स्थापना दिवस समारोह राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया के सभापतित्व में आयोजित किया गया। समारोह के उद्घाटनकर्ता एवं मुख्य अतिथि थे राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री आदर्श कुमार गोयल।

– २५ दिसंबर २०२२ : कोलकाता स्थित जी. डी. बिरला सभागार में सम्मेलन का ८८वाँ स्थापना दिवस समारोह राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया के सभापतित्व में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि पश्चिम बंग के दमकल मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री सुजीत बोस ने समारोह का उद्घाटन किया। समारोह के सम्मानीय अतिथि आकार चैरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्षा श्रीमती अमला रुइया प्रधान अतिथि के तौर पर उपस्थित थीं।

सम्मान :

अपने कार्यकलापों से समाज का नाम रौशन करने वाले समाज के विशिष्ट व्यक्तियों को उनकी विशेष उपलब्धियों हेतु सम्मेलन हमेशा से सम्मानित करता रहा है। वर्तमान सत्र में निम्नलिखित सम्मान प्रदान किए गए –

– ८६वें स्थापना दिवस समारोह (२५ दिसंबर २०२०), स्थान: दिल्ली, दिल्ली के माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल को 'मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान – २०१९'।

– ८७वें स्थापना दिवस समारोह (२५ दिसंबर २०२१) कोलकाता में : राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री आदर्श कुमार गोयल को 'मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान - २०२०'।

– ८८वें स्थापना दिवस समारोह (२५ दिसंबर २०२२), केलकाता आकार चैरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्षा श्रीमती अमला रुड़या को 'मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान - २०२१'।

साहित्य एवं समाजसेवा सम्मान (५ जून, २०२२) को दिल्ली में :- साहित्यकार श्री रामस्वरूप किसान को 'सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा साहित्य सम्मान'।

– श्रीमती दमयंती जाड़ावत 'चंचल' को 'केदारनाथ-भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान'।

किसी व्यक्ति का महान बनना सामान्य बात है,
लेकिन महान बनने के बाद सामान्य बने रहना बहुत बड़ी बात है

समारोह :

हरियाली तीज : १४ अगस्त २०२१ को संस्कार-संस्कृति चेतना उपसमिति के चेयरमैन श्री प्रह्लाद राय गोयनका के प्रयास से हरियाली तीज समारोह आयोजित किया गया, जिसका वर्चुअली लोगों ने लाभ उठाया। सुप्रसिद्ध गायिका श्रीमती मारुति मोहता ने मनभावन राजस्थानी गीतों की ससंगीत प्रस्तुति दी।

दीपावली प्रीति मिलन २०२१ : १० नवंबर २०२१ को ४०, आयरन साईड रोड में आयोजित किया गया। कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन श्री प्रमोद अग्रवाल समारोह के मुख्य अतिथि थे।

होली प्रीति मिलन २०२२ : २८ अक्तूबर २०२२ को कोलकाता में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया के सभापतित्व में होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि सेंचुरी प्लाईवुड के चेयरमैन श्री सज्जन भजनका, विशिष्ट अतिथि उद्योगपति व समाजसेवी श्री महावीर प्रसाद जालान, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री श्री प्रह्लाद राय अगरवाला उपस्थित थे।

अभिनंदन : २३ फरवरी २०२२ को सम्मेलन से संबद्ध प. बं. प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा केंद्रीय सभागार में आयोजित अभिनंदन समारोह में प्रदूषण एवं प्लास्टिक मुक्त वातावरण के लिए आम लोगों को जागरूक करने हेतु विश्व भ्रमण कर रहे नागपुर के श्री रोहन अग्रवाल का अभिनंदन किया गया।

पद्मश्री प्रह्लाद राय जी अगरवाला अभिनंदन समारोह : अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं सीकर नागरिक परिषद के संयुक्त तत्वावधान में २४ अप्रैल २०२२ को कोलकाता स्थित बालीगंज पार्क में सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष एवं रूपा समूह के चेयरमैन श्री प्रह्लाद राय जी अगरवाला का पद्मश्री से अलंकृत होने के उपलक्ष्य में सार्वजनिक अभिनंदन समारोह का आयोजन कर उनका सम्मान किया गया।

यदि पद और पैसा ही आपकी संपत्ति है तो
एक दिन इसका अंत है,
और यदि मान और सम्मान आपकी संपत्ति है तो
यह अनंत है।

गोष्ठियाँ व कार्यक्रम :

– ३१ मई २०२१ को कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, दादीधाम प्रचार समिति एवं मारवाड़ी युवा मंच बेंगलुरू के संयुक्त तत्वावधान में कोविड-१९ एवं ब्लैक फंगस, व्हाइट फंगस आदि से बचाव विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने अपने विचार रखे।

– ०५ जून २०२१ : सम्मेलन द्वारा कोरोना की दूसरी लहर : बचाव, इलाज एवं टीकाकरण विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया। ब्रिटेन के कई प्रतिष्ठित चिकित्सीय संस्थानों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकीं वर्तमान में धानी, मुंबई में क्लीनिकली एक्सीलेंस की हेड डॉ. स्मिता दास ने वीडियो संगोष्ठी को संबोधित करते हुए विस्तार से कोविड से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।

– ०५ जून २०२१ : जूम के माध्यम से आयोजित डॉ. श्याम सुंदर हरलालका लिखित पुस्तक असम की मारवाड़ी जाति का इतिहास के विमोचन समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

– ०४ जुलाई २०२१ : आयुर्वेदिक चिकित्सा-पद्धति की विशेषताएँ पर एक वेबिनार का आयोजन किया। सुप्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य डॉ. पीयूष द्विवेदी ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि आयुर्वेद मात्र एक चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि मनुष्य के व्यक्तित्व के हर तरह से विकास का माध्यम है। लगभग साढ़े तीन हजार साल से मानवता के विकास के लिए काम हो रहा है। अतः यह पूर्णयता वैज्ञानिक एवं तर्क संगत प्रणाली है।

– २१ फरवरी २०२२ : कोलकाता स्थित केंद्रीय कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर 'मायड़ भाषा : दशा और दिशा' विषयक संगोष्ठी का आयोजन सम्मेलन एवं राजस्थानी प्रचारिणी सभा के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

– ५ मार्च २०२२ : जूम के माध्यम से 'शिक्षित मारवाड़ी युवा, सफलताओं के नए क्षितिज' विषय पर संगोष्ठी आयोजित हुई। संगोष्ठी में सी.ए. की परीक्षा में प्रथम आने वाली सुश्री नंदिनी अग्रवाल (२०२१), सुश्री राधिका बेरीवाल (२०२२), सी.एस. में प्रथम श्री चिराग अग्रवाल एवं कॉस्ट एंड मैनेजमेंट एकाउंटेंसी में प्रथम श्री सर्वेश साबू का अभिनंदन किया गया।

– मई २०२२ : राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया के सभापतित्व में जयपुर से पधारे जाने-माने विख्यात डॉ. डी. के. टकनेत के सम्मान में एक अंतरंग विचार गोष्ठी की गई।

– ३१ मई २०२२ : 'मायड़ मांय बोलचाल जरूरी' विषय पर एक अंतरंग संगोष्ठी केंद्रीय कार्यालय के सभागार में किया गया। जोधपुर से तीन दिवसीय प्रवास पर कोलकाता पधारे राजस्थानी भाषा की पत्रिका 'माणक' के संपादक व वरिष्ठ पत्रकार श्री पदम मेहता का सम्मेलन की ओर से सम्मान किया गया। श्री मेहता ने कहा कि राजस्थानी भाषा में जो ज्ञान का भंडार है वह अन्य किसी भाषा में नहीं है। हम अपने बच्चों तक अपनी भाषा नहीं पहुँचा सके तो वह हमारा दोष है।

– १७ सितंबर २०२२ : 'मारवाड़ी समाज – वर्तमान परिप्रेक्ष्य' विषय पर वीडियो संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसके मुख्य वक्ता समाजसेवी, सलाहकार, कवि व लेखक दिल्ली के श्री वीरेंद्र मेहता थे। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज कम से कम लागत में ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमाता है। पर समाज में कई ऐसी प्रथा आ गई जिससे समाज पीछे जा रहा है। इसी में से एक है प्री वेडिंग शूटिंग। इसे बंद करने की जरूरत है।

संबंध को जोड़ना एक कला है...
लेकिन संबंध को निभाना एक साधना है।

कोरोना राहत सेवाकार्य :

– कोरोना काल में जरूरतमंदो को निःशुल्क भोजन उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से १७ सितंबर २०२० से शुरू की अन्नपूर्णा रसोई के तहत प्रतिदिन २५०-३०० लोगों को कोलकाता-हावड़ा के विभिन्न स्थानों पर दोपहर का भोजन उपलब्ध करवाया गया, यह सेवा अनवरत ३० जून २०२२ तक चली।

डायरेक्टरी का प्रकाशन : किसी भी सत्र में डायरेक्टरी का प्रकाशन एक महत्वपूर्ण कार्य होता है, जिसमें राष्ट्र-प्रांत की काफी जानकारियों का समावेश रहता है। प्रथम बार इस सत्र में डायरेक्ट री में प्रादेशिक सम्मेलनों के जिला, प्रमंडल तथा शाखाओं के अध्यक्ष तथा महामंत्री का नाम फोन नम्बर सहित देने का प्रयास किया गया है।

अपूरणीय क्षति :

पूर्व राष्ट्री कोषाद्यक्ष एवं फाईनेन्स कमेटी के चेयरमैन श्री आत्माराम सोन्थलिया की धर्मपत्नी श्रीमती बिमला देवी सोन्थलिया (७ मई २०२३)।

– २०२२ में बंगाल के सबसे बड़े पर्व दुर्गापूजा के बाद आयोजित विजया सम्मेलिनी में पश्चिम बंगाल सरकार के आमंत्रण पर सम्मेलन की ओर से पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ तथा राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने उपस्थिति दर्ज कराई।

राजस्थानी भाषा का प्रचार-प्रसार : वर्तमान सत्र में

सम्मेलन के इतिहास में पहली बार मायड़ भाषा को प्रोत्साहित करने पर अत्यधिक जोर दिया गया। इसके लिए सम्मेलन की बैठकों की सूचना हिंदी के साथ-साथ मारवाड़ी बोल-चाल की भाषा में सदस्यों को भेजी गई। बैठकों की कार्यवाही एवं संचालन भी अपनी मातृभाषा में ही किया गया, जिसे लोगों ने काफी सराहा।

– राजस्थानी भाषा से समाज के लोगों को अवगत कराने हेतु एस.आर. रूंगटा ग्रुप के सौजन्य से प्रकाशित **सीखो राजस्थानी-हिन्दी-अंग्रेजी पर्याय सहित** व्याकरण की करीब ३५ हजार पुस्तकें अभी तक पूरे देश में सदस्यों एवं समाजजनों को भेजी जा चुकी है और लगातार भेजने का क्रम जारी है।

रोजगार-सहायता : रोजगार सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक २३९ युवक-युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है।

उच्च शिक्षा कोष : सम्मेलन के ट्रस्ट 'मारवाड़ी सम्मेलन फाउंडेशन' द्वारा संचालित उच्च शिक्षा कोष से अब तक कुल तीन करोड़ ७० लाख ३७ हजार ८५० रुपये की राशि अनुदान के रूप में देश के विभिन्न भागों के छात्र-छात्राओं को दी जा चुकी है। इसमें से ४२ लाख १९ हजार रुपयों की राशि वित्तीय वर्ष (२०२१-२२) में, एवं वित्तीय वर्ष (२०२२-२३) में २२ लाख १६ हजार ८५० रुपयो प्रदान की गई।

अपूरणीय क्षति :

वर्तमान सत्र के दौरान सम्मेलन से जुड़े कतिपय विशिष्ट समाजबंधुओं का स्वर्गवास हो गया। उनमें हैं : सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य व समाजसेवी श्रवण तोदी (०७ फरवरी २०२१); राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका के पिताश्री, विशिष्ट समाजसेवी तथा सेवा संसार के संस्थापक श्री शंकरलाल हरलालका (५ मार्च २०२१); मारवाड़ी सम्मेलन फाउंडेशन के वरिष्ठतम न्यासियों में से एक स्व. सहदेव लाल देवड़ा की माताश्री धर्मपरायणा सुशीला देवड़ा (२१ मई २०२१); उद्योगपति, समाजसेवी श्री श्याम गोयनका (२४ मई २०२१); सुप्रसिद्ध समाजसेवी, अधिवक्ता एवं लेखक श्री इंद्र चंद संचेती (१० सितंबर २०२१); राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया के अनुज श्री हरिकिशन गाड़ोदिया (०६ नवंबर २०२१), बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य श्री राम दयाल मस्करा (१२ नवंबर २०२१); सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला (जनवरी २०२२); उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के जिला शाखा कटक के संस्थापक अध्यक्ष सूर्यकांत सांगानेरिया (०२ फरवरी २०२२), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामावतार पोद्दार की धर्मपत्नी श्रीमती शकुंतला देवी पोद्दार (अप्रैल २०२२)। इसके अलावा भी अन्य कई विशिष्ट लोगों को सम्मेलन ने खोया। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से मेरी सभी दिवंगत आत्माओं को हार्दिक श्रद्धांजलि!

श्रद्धांजलि सभा : सुविख्यात पत्रकार, लेखक गीतेश शर्मा का गत ०२ मई २०२१ को कोरोना संक्रमण के बाद निधन हो गया। ०६ मई २०२१ को सम्मेलन एवं सामाजिक साहित्यिक संस्था जन-संसार के संयुक्त तत्वावधान में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से किया गया। सभा की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार विश्वम्भर नेवर ने की।

– ०५ जनवरी २०२२ को सम्मेलन के केंद्रीय सभागार में निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला के परलोकगमन पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, पूर्व अध्यक्ष श्री नंदलाल रुंगटा, श्री राम अवतार पोद्दार, श्री संतोष सराफ सहित अन्यों ने श्रद्धांजलि-भावांजलि-पुष्पांजलि दी। राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने शोक प्रस्ताव का वाचन कर श्रीगोपाल जी के अनुज भ्राता श्री राजेंद्र कुमार झुनझुनवाला को सौंपा।

देखौ है हमनें यह आजमाकर, अक्सर धोखा देते हैं लोग करीब आकर,
कहती है दुनिया पर दिल नहीं मानता, कि आप भी चले गए हमें अपना बनाकर।

मेरे सभी वरिष्ठ, सम्मानीय, आदरणीय, साथियों एवं अनुज एवं मातृशक्ति,

मैने नवंबर २०२१ में बतौर राष्ट्रीय महामंत्री पदभार संभाला था। उसके बाद से अब तक संविधान के दायरे में रहकर पद की गरिमा के अनुरूप अपने कर्तव्यों के निर्वहन का यथासंभव प्रयास किया। अपने दायित्वों को निभाने के क्रम में निश्चित रूप से जाने-अनजाने में मुझसे काफी गलतियाँ हुई होंगी, जिसे मैं नतमस्तक होकर स्वीकार करने के साथ-साथ आप सबसे क्षमा प्रार्थी भी हूँ।

कहते हैं... क्षमा उन फूलों के समान है,
जो कुचले जाने के बाद भी खुशबू देना बंद नहीं करते।

मैं पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, सम्माननीय पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगणों, फाईनेंस कमेटी के चेयरमैन आदरणीय श्री आत्माराम जी सोंथलिया, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री एवं समाज विकास के संपादक श्री शिव कुमार लोहिया, पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी के प्रति कृतज्ञ हूँ, जिनका प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सकारात्मक मार्गदर्शन और सहयोग समय-समय पर प्राप्त होता रहा। राष्ट्रीय उपाध्यक्षों सर्वश्री भानीराम सुरेका (कोलकाता), विजय लोहिया (तमिलनाडु), पवन कुमार सुरेका (बिहार), अशोक कुमार जालान (उत्कल), डॉ. श्याम सुंदर हरलालका (गुवाहाटी), पवन कुमार गोयनका (दिल्ली), राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री गोपाल अग्रवाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका का जरूरत के मुताबिक साथ-सहयोग मिलता रहा।

केंद्रीय कार्यालय के स्थायी साथियों- राजेश चौहान, मंडल जी, राजेंद्र सिंह, अवधेश राय, सिकंदर सिंह, संतोष शर्मा ने भी गाहे-बगाहे नोंक-झोंक के बावजूद मेरे साथ काम किया।

महोदय,

मेरे सम्मेलन से दीर्घ जुड़ाव में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों के अलावा, पूर्व महामंत्री श्री रतन शाह तथा स्व. श्रीगोपाल झुनझुनवाला, श्री अनिल जाजोदिया, श्री अमित सरावगी, श्री दिनेश जैन, श्री पवन जालान का तो आशीर्वाद, साथ-सहयोग-संबल मिला ही, प्रांतों की अगर बात करूँ तो बिहार से श्री कमल नोपानी, श्री निर्मल झुनझुनवाला, श्री बिनोद तोदी, श्री महेश जालान, श्री युगल किशोर

अग्रवाल, श्रीमती सुषमा अग्रवाल, श्री राजेश बजाज, श्री योगेश तुलस्यान; झारखंड से श्री भागचन्द्र पोद्दार, श्री निर्मल काबरा, श्री राज कुमार केडिया, श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, श्री रतन बंका, श्री बसंत मित्तल, श्री पवन शर्मा, श्री उमेश शाह, श्री ओम प्रकाश प्रणव; उत्कल से श्री सुरेन्द्र लाठ, श्री गौरी शंकर अग्रवाल, श्री नकुल अग्रवाल, श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल, श्री मनोज जैन, श्री विजय केडिया, श्री जय दयाल अग्रवाल, श्री गोविन्द अग्रवाल, श्री दिनेश अग्रवाल, श्री जगदीश गोलपुरिया; पूर्वोत्तर से स्वय ओंकारमल अग्रवाल, श्री ओम प्रकाश खण्डेलवाल, श्री मधुसूदन सिकरिया, श्री कैलाश काबरा, श्री राजकुमार तिवारी, श्री नवल मोर, श्री अशोक अग्रवाल, श्री अरुण अग्रवाल, श्री रमेश कुमार चांडक, श्री दिनेश गुप्ता; उत्तर प्रदेश से श्री श्रीगोपाल तुलस्यान; मध्य प्रदेश से श्री गणेश नारायण पुरोहित, श्री कमलेश नाहटा; छत्तीसगढ़ से स्व. संतोष अग्रवाल, श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया, श्री अमर बंसल, श्री घनश्याम पोद्दार, डॉ. अरूण हरितवाल; दिल्ली से श्री राजकुमार मिश्रा, श्री लक्ष्मीपत जी भूतोड़िया, श्री सज्जन शर्मा, श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, श्री बिनोद किल्ला; उत्तराखंड से श्री रंजीत जालान, श्री संतोष खेतान, श्री संजय जाजोदिया, श्री रंजीत टिबड़ेवाल; महाराष्ट्र से श्री रमेश बंग, श्री जय प्रकाश मूँधड़ा, श्री राज पुरोहित, श्री वीरेन्द्र धोखा; गुजरात से श्री जय प्रकाश अग्रवाल, श्री सुरेश अग्रवाल, श्री गोकुल चन्द बजाज; कर्नाटक से श्री सुभाष अग्रवाल, श्री शिव कुमार टेकरीवाल, श्री ओम प्रकाश पोद्दार, आंध्र प्रदेश से श्री चांदमल अग्रवाल, श्री पोड्डेश्वर पुरोहित, श्री अनुज जोशी; तेलंगाना से श्री रमेश बंग, श्री रामपाल अट्टल; पश्चिम बंगाल से श्री विजय गुजरवासिया, श्री नन्द किशोर अग्रवाल, श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, स्व. रामगोपाल बागला, श्री शम्भू चौधरी सहित अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के साथियों, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की माताओं और बहनों तथा अनगिनत संख्या में शाखाओं के पदाधिकारियों, सदस्यों, वरिष्ठजनों, साथियों का सान्निध्य-प्यार-दुलार मिला, संपर्क हुआ।

मैं तहे दिल से नतमस्तक होकर सभी को प्रणाम करता हूँ। चूँकि इस दीर्घ सफर में साथ आए कुछ नाम छूटने स्वाभाविक हैं, अतः उनसे क्षमा प्रार्थी हूँ। साथ ही आप सहित सबसे करबद्ध होकर क्षमा माँगता हूँ कि इस 'सफर' में मुझसे जो भी भूलें हुई हों, आप उसके लिए मुझे क्षमादान देंगे।

अंत में यही कहना चाहूँगा कि समाज एक नई करवट ले रहा है, आने वाले समय में हमें काफी कठिनाइयों से जुझना है, राष्ट्रहित के साथ-साथ समाजहित का संचार हमारी रगों में समर्पित भाव से होता रहे, कदम से कदम मिलाकर हम सभी बाधाओं को पार करते हुए सम्मेलन एवं संगठन को अग्रगति के पथ पर ले जाने में सहायक की भूमिका का पालन करें, नई टीम का स्वागत करते हुए उनका साथ देकर उनकी हौसला आफजाई करें, यह विनम्र निवेदन रहेगा।

गुजरे हुए पलों को भुलाकर, आगे के सफर पर गौर करते हैं,
बस अगले मोड़ पर सुकून होगा, चल जिन्दगी... थोड़ा सा और चलते हैं।

बिखरा हुआ समाज और बिखरा हुआ परिवार कभी बादशाह नहीं बन सकता, लेकिन आपस में लड़कर दूसरों को बादशाह जरूर बना देता है।

जय राष्ट्र, जय समाज, जय सम्मेलन, जय संगठन!

बधाई!

एम.बी.ए. प्रवेश परीक्षा में बलांगीर की खुशबू जैन को मिली सफलता

शहर की खुशबू जैन ने एम.बी.ए. में दाखिला के लिए प्रवेश परीक्षा दिया था। इसमें उन्होंने दस आईआईएम शिक्षा संस्थान में दाखिला परीक्षा उत्तीर्ण कर एक रिकॉर्ड कायम करने का गौरव हासिल किया है। खुशबू बलांगीर शहर के विशिष्ट समाजसेवी स्व. हरिनारायण जैन की पौत्री, मारवाड़ी सम्मेलन अध्यक्ष ई. मनोज जैन व संतोष जैन की पुत्री हैं।

खुशबू आईआईएम तिरुचिरापल्ली, आईआईएम उदयपुर, आईआईएम राँची, आईआईएम रायपुर, आईआईएम काशीपुर, आईआईएम जम्मू, आईआईएम बोधगया, आईआईएम सिरमौर, आईआईएम संबलपुर व पुणे के विख्यात कॉलेज एसआईबीएम में दाखिला के लिए परीक्षा में उत्तीर्ण हुई हैं।

इस सफलता के लिए हम हार्दिक बधाई प्रेषित करते हैं।

बधाई!

उड़ीसा के बरगढ़ से रौनक गोलपुरिया ने प्लस-टू कॉमर्स में पश्चिम ओड़िशा में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर गौरव हासिल किया है। रौनक पिछले सत्र के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री जगदीश गोलपुरिया के कनिष्ठ पुत्र हैं।

इस सफलता के लिए हम उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं और हार्दिक बधाई प्रेषित करते हैं।

निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष का अभिभाषण

सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण, राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण, राष्ट्रीय महामंत्री, पूर्वोत्तर सम्मेलन के अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा, समारोह के स्वागताध्यक्ष, कक्ष में उपस्थित केंद्रीय-प्रांतीय अधिकारीगण, प्रदेशों से पधारे प्रतिनिधिगण, सदस्यों, कार्यकर्ताओं, मातृशक्ति एवं सज्जनों!

नीलाचल पहाड़ पर स्थित माँ कामाख्या देश के 52 शक्तिपीठों में सबसे प्रसिद्ध हैं। उन्हें कुब्जिका, काली और महात्रिपुर सुंदरी के रूप में जाना जाता है। मान्यता है कि यहाँ हर किसी की कामना सिद्ध होती है। इसी कारण इसे कामख्या मंदिर कहा जाता है। अपना वक्तव्य प्रारंभ करने से पहले मैं माता से करबद्ध प्रार्थना करता हूँ-

कामख्ये काम सम्पन्ने कामेश्वरि हर प्रिये
कामनाः देहि मे नित्य कामेश्वरी नमोस्तुते।

माँ कामाख्या की इस पावन भूमि पर आप सबों का मैं आत्मिक स्वागत एवं अभिनंदन करता हूँ। इस अधिवेशन की सफलता के लिए माँ कामाख्या से विनती करता हूँ कि माँ-

तुम नई स्फूर्ति इस तन को दो
तुम नई चेतना इस मन को दो
तुम नया ज्ञान जीवन को दो।

बंधुओं, आप सबों को जानकर यह आश्चर्य मिश्रित हर्ष होगा कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के गठन के चार महीने पहले डिब्रूगढ़ के समाज बंधुओं ने 18 अगस्त 1935 को असम मारवाड़ी चेम्बर ऑफ कॉमर्स की साधारण सभा में असम प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन का गठन किया था।

सर्वप्रथम मैं सम्मेलन के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहूँगा कि मुझ जैसे अकिंचन को आपने राष्ट्रीय अध्यक्ष के गरिमामय पद पर कार्य करने का सुअवसर प्रदान किया। मैं आपलोगों को आश्वस्त करना चाहूँगा कि आपलोगों के विश्वास एवं स्नेह पर मैं खरा उतरने के लिए हर संभव एक निष्ठ प्रयास करूँगा। इस प्रयास में आपकी सक्रिय सहयोगिता, मार्गदर्शन मेरे पाथेय रहेंगे। आपके साथ मैं एवं मेरे साथ आप चलेंगे तो निश्चय ही हमारी यात्रा सफल एवं सार्थक होगी।

आज हम सम्मेलन के 27वें अधिवेशन के अवसर पर एकत्रित हुए हैं। यहाँ अपने विचारों के मंथन एवं आपसी संवाद के माध्यम से निकला अमृत अगले दो वर्षों तक संजीवनी का कार्य करेगी। ये ही हमारी दशा एवं दिशा तय करेंगे। सम्मेलन का गठन जिन परिस्थितियों एवं जिन उद्देश्यों के लिए हुआ था, यह हमें विदित है। प्रथम में संगठन को व्यापक करने के लिए सम्मेलन ने संगठन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक विकास और राजनीतिक जागरण का पंचसूत्रीय कार्यक्रम अपनाया था। 1947 में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सम्मेलन ने समाज सुधार का बिगुल बजाया। समाज की आधी आबादी को शारीरिक एवं मानसिक गुलामी से जकड़ने वाली, उनके विकास को अवरुद्ध करने वाली पर्दाप्रथा के विरुद्ध एवं नारी शिक्षा के समर्थन में तुमुल आंदोलन छेड़ा गया। सारे देश में इस आंदोलन की प्रचंड लहर फैली। प्रदेश, जिला एवं शाखा स्तर पर जगह-जगह समाज बंधुओं ने इस कार्यक्रम को आंदोलन का स्वरूप प्रदान कर दिया। कलकत्ता एवं अन्य स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने सत्याग्रह भी किए, जिसकी गूँज देश के कोने-कोने में प्रतिध्वनित हुई। पर्दा के बंधन से निकलकर महिलाओं में शिक्षा की अभूतपूर्व चेतना जागी। इसी का परिणाम है कि आज हमारी बहन-बेटियाँ डॉक्टर, वकील, सी.ए., सी. एस., साहित्य लेखन, व्यापार, उद्योग, संगीत, नृत्य, नाटक, अभिनय, चित्रकारी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। देश के किसी भी कोने में जब-जब समाज-बंधुओं पर आफत-विपत आई, तब सम्मेलन ने हस्तक्षेप किया। हमें यह जानने की जरूरत है कि सम्मेलन का गौरवमय इतिहास है। इसकी स्वर्णिम उपलब्धियाँ हैं, इसके उद्देश्य व्यापक एवं सर्वजनहिताय है। इसका वर्तमान गतिमान है। इसका भविष्य उज्ज्वल है। हम कह सकते हैं–

सम्मेलन से बढ़कर धनी और कौन है
इसके हृदय में पीर है पूरे समाज की।

एक बात और जो सम्मेलन को विशिष्टता प्रदान करती है, वह है कि यह मारवाड़ी समाज जैसे सशक्त समाज का प्रतिनिधित्व करती है। हमारी संस्कृति पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। वीरांगनाओं की आन, शूरवीरों का मान, अतिथियों का सम्मान, राजपूतों की शान संजोये है हमारी संस्कृति। लोकनृत्य, लोक साहित्य, रंग-बिरंगे परिधान, तीज त्योहार, पारंपरिक पकवान, नयनाभिराम पर्यटन स्थल, आकर्षणीय आभूषण, बालू के टीले, दुर्ग-किले, लोकोक्तियाँ, मुहावरे, कहावते संजोये हमारी संस्कृति समाज का मान ऊँचा कर देती है।

संस्कार एवं संस्कृति

दुख की बात है कि हम हमारी विशेषताओं से दूर होते जा रहे हैं। अगर अनाज का अभाव होता है तो मानव मरता है। अगर संस्कार का अभाव होता है तो मानवता मरती है। अपने बच्चों के लिए धन संपत्ति छोड़ना साधारण बात है, किंतु संस्कार एवं संस्कृति के अभाव में यह धन उन्हें सुख प्रदान नहीं कर पाएगा। इस दिशा में हमें सचेत होना है। इसके अंतर्गत कार्य करने का अवसर एवं आवश्यकता दोनों है। हमारे बच्चे समाज के ध्वजावाहक हैं। हमारी बहन-बेटियाँ हमारी संस्कृति की संवाहक हैं। मिलजुल कर इस दिशा में नए सोच, नए जोश के साथ काम करना है। इसमें कोई शक नहीं कि इसके दूरगामी फल मिलेंगे।

समाज सुधार

समाज में आज हम देखते हैं कि धन का बोल-बाला है। सामाजिक क्रांति का उद्देश्य नेपथ्य में जा रहा है। गांधी जी बराबर कहते थे कि सामाजिक क्रांति राजनीतिक क्रांति की अपेक्षा कई गुणा अधिक जटिल और कठिन है। राजनीतिक क्रांति के लिए शासकों से लड़ना पड़ता है, पर सामाजिक क्रांति के लिए व्यक्ति को अपने आपसे लड़ना पड़ता है। जब तक व्यक्ति विरोध सहकर, संघर्ष करके आरोपों की परवाह न करके अपने विचारों के अनुरूप आचरण न कर सके, तब तक समाज में बदलाव नहीं आ सकता।

उसूलों पर आँच आए तो टकराना जरूरी है
जो जिंदा हो तो जिंदा नजर आना जरूरी है।

हमें यह याद रखना होगा कि समाज का बहुत बड़ा तबका निम्न मध्यम वर्ग एवं मेहनतकश लोग हैं। उनके लिए रोजी-रोटी आदि की समस्या का संपूर्ण हल आज भी नहीं है। उनकी स्थिति जनसाधारण की स्थिति से किसी भी प्रकार से बेहतर नहीं है, पर मारवाड़ी होने के कारण उन्हें लखपति समझ लिया जाता है।

इसमें कोई शक नहीं कि पिछले 20-30 वर्षों में समाज में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। परिवर्तन जीवन का अकाट्य नियम है। बदलते समय के साथ समाज को भी बदलना पड़ेगा। जो स्वयं को नहीं बदल पाएँगे, उन्हें परिवर्तन जीवन के क्रम से हटाकर फेंक देगा। हमें ध्यान रखना होगा कि हम परिवर्तन के दास नहीं बने और अपने दूरदृष्टि एवं पुरुषार्थ से परिवर्तन के घोड़े की सवारी करें। परिवर्तन एक निरंतर प्रक्रिया है। भूत, वर्तमान एवं भविष्य तीनों काल में परिवर्तन का रथ गतिमान रहता है। अतएव, हम अपने प्रयासों में शिथिलता नहीं ला सकते। चैतन्यता के साथ हमें इस रथ पर आरूढ़ होकर अपनी दिशा स्वयं निर्धारित करते रहना होगा। इसका कोई विकल्प नहीं है। समाज में आज नई-नई विसंगतियाँ, कुरीतियाँ पनप रही हैं। आडंबर, फिजूलखर्ची, बुजुर्गों का घटता सम्मान, मद्यपान का बढ़ता चलन, संस्कारों की अनदेखी, युवक-युवतियों के विवाहों के लिए बढ़ते उम्र, संबंधों में तनाव, तलाक के बढ़ते मामले, व्यापार में साख की अवनति आदि ऐसे मुद्दे हैं जो हमारे सामने मुँह बाये है। इन विषयों पर हमें मिलकर विचार करना होगा कि किस प्रकार हम इनका सामना करेंगे। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को **'आत्म दीपो भव'** बनकर इस अंधकार को दूर करना होगा क्योंकि कहा गया है -

यह अंधेरा इसलिए है खुद अंधेरे में हैं आप
आप अपने आप को दीपक बनाकर देखिए।

हमारा समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज

मैं, हमारे संस्थापकों एवं तत्पश्चात सभी पूर्वजों के मेधा एवं समर्पण के प्रति आत्मीय नमन व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने सम्मेलन रूपी मंच समाज को प्रदान किया। प्रसन्नता की बात है कि विगत दशक में सम्मेलन ने नए-नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। पूरब से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण में फैले पूरे समाज को एक सूत्र में पिरोने का सपना साकार होता दिख रहा है। सम्मेलन के संस्थापक अध्यक्ष ने कहा था कि संपूर्ण मारवाड़ी का सामाजिक संगठन हमारा उद्देश्य है। उन्होंने स्वीकारा था कि अभी तक विभिन्न शाखाओं के संगठन, शृंखला में न रहने के कारण देश के सार्वजनिक जीवन पर अपेक्षित प्रभाव नहीं रख पा रहे हैं। अतएव समाज के सभी अंगों के साथ एकता स्थापित करना हमारा उद्देश्य है।

ध्यान से हम विचार करें तो इस स्थिति में अपेक्षित सुधार करने की अनेकानेक संभावनाएँ हैं। इस दिशा में सशक्त एवं सार्थक कदम उठाने की आवश्यकता है। आपसी समन्वय एवं सामंजस्य के साथ घटकों के बीच में खड़ी दीवालों में हमें खिड़कियाँ लगानी पड़ेंगी। यह समाज एवं राष्ट्रहित दोनों में है। महात्मा गांधी ने कहा था - "आज जो जातियाँ हैं, उनको आहूतियों के रूप में उपयोग करिए, आप नई न बढ़ने दीजिए।" मैं इस मंच से समाज के सभी अंगों का आह्वान करता हूँ कि भाईचारे की भावना से इस दिशा में कदम बढ़ायें। इस सत्र में सम्मेलन का मंत्र होगा-

आपणो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज

अंदर से हम जो भी अपने को समझें, बाहर वालों के लिए हम सब मारवाड़ी हैं। इस विषय में कुछ शंकाएँ व्यक्त की जाती हैं। उनको मैं कहना चाहूँगा।

कौन कहता है आसमां में सुराख नहीं हो सकता,
एक पत्थर तो तबियत से उछालो यारो।

मंजिल ना मिले, यह तो मुकद्दर की बात है, हम कोशिश भी ना करें यह तो गलत बात है। यह कार्य दुष्कर एवं समय सापेक्ष है पर असंभव नहीं।

समाज सेवा

मैं आपको स्मरण करवाना चाहूँगा कि स्थापना के समय से ही सम्मेलन द्वारा अपनाए गए पंच सूत्री कार्यक्रम में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आर्थिक विकास जैसे बिंदु चुने गए थे। सम्मेलन एक वैचारिक संस्था है। विचारों के द्वारा समाज सुधार के कार्यक्रम भी समाज सेवा के उत्कृष्टतम उदाहरण हैं। अतएव समाज सुधार एवं समाज सेवा में कोई प्रतिद्वंद्विता नहीं है।

शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न स्तरों पर सम्मेलन उल्लेखनीय कार्य वर्षों से कर रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में बढ़ते खर्चों के

मद्देनजर समाज के कमजोर वर्गों को किसी भी मान्य तरीकों से सहयोग करना, समाज में सम्मेलन की ग्राह्यता को बढ़ावा देगा। साथ ही पर्यावरण संरक्षण एक ऐसा मुद्दा है जो मानव जाति के अस्तित्व को चुनौती देता नजर आ रहा है। भावी पीढ़ी को एक स्वस्थ पर्यावरण सौंपना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है, ताकि वे सुख के साथ अपना जीवन- यापन कर सके। सावधानी पूर्वक सोच-विचार कर हमें इन विषयों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी हैं, ताकि हम अपना परिचय एक जिम्मेदार समाज के रूप में प्रस्तुत कर सकें। मेरा यह आग्रह रहेगा, समाज सेवा के कार्यों को हम सोच-विचार कर अपनाएँ। सिर्फ उन्हीं कार्यों को सम्मेलन की प्रत्येक स्तर की इकाईयाँ अंजाम दें, ताकि हमारा कार्य राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी हो सके।

उपर्युक्त बिंदुओं के साथ सम्मेलन सदैव समरसता, समाज की प्रतिमा, राजनीतिक भागीदारी जैसे मुद्दों पर कार्य करता आ रहा है। इन मुद्दों पर सम्मेलन के दिशा-निर्देश स्पष्ट एवं पारदर्शी हैं। उनको मानते हुए हमें आगे बढ़ना है। समरसता के विषय में यह कहना चाहूँगा कि हमें समरसता, समाज के विभिन्न घटकों में भी स्थापित करना है। जिन प्रदेशों में हम बसे हैं वहाँ समरसता के तहत हम अपने संस्कार और संस्कृति का पालन करते हुए स्थानीय नागरिकों से सद्भावना एवं सहयोग की भावना के साथ एकात्मता स्थापित करें।

संचार क्रांति, सोशल मिडिया एवं डिजिटल के युग में सम्मेलन को उपलब्ध अवसरों को अपनाना होगा। इन प्रयासों से हम अंदरुनी एवं बाहरी जगत से सूचनाओं का द्रुत एवं प्रभावी वितरण कर सकेंगे।

देवियों एवं सज्जनों, विभिन्न पदों पर अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए मैंने सम्मेलन के गुरुतर महत्व को समझा है। इसके प्रति समाज में उपस्थित एक डोर से जुड़े तारों के संबंधों को महसूस किया है। सम्मेलन की प्रासंगिकता व्यापक है। मैं समझता हूँ कि सम्मेलन के प्रति हममें एक लगाव की भावना उपस्थित है। सम्मेलन का प्रतिनिधित्व करते हुए देश केविभिन्न भागों में मैंने समाज-बंधुओं का स्नेह एवं आशीर्वाद प्राप्त किया है। मुझे पूरा विश्वास है कि आगामी दो वर्ष का कालखंड मेरे जीवन के सार्थकतम कालखंडों में से एक होगा। सर्वत्र मैंने समाज के भाई-बहनों में स्नेह, सम्मान, सहयोग की भावना का उद्रेक पाया है। मैं उनसे बहुत उत्साहित हूँ। सम्मेलन के प्रति सर्वत्र लोगों का जुड़ाव बढ़ रहा है, यह एक हर्ष का विषय है। मुझे आशा है कि आप सबों का साथ एवं सहयोग, हमारी यात्रा को सुखद एवं फलदायी बनाएगी। नव जागृति के साथ भाई-बहनों के उत्साह, उमंग को सही दिशा में मोड़कर सम्मेलन को हम नई ऊँचाई प्रदान करने का प्रयास करेंगे।

सम्मेलन के प्रत्येक कार्यकर्ताओं को विशेष रूप से अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करना चाहूँगा। कार्यकर्ताओं को स्नेह एवं आदर देकर उन्हें प्रोत्साहन देना होगा। नए कार्यकर्ताओं के जुड़ने से ही सम्मेलन में प्रवाह एवं गति कायम रह पाएगी। कोई पिछड़ न जाए, कोई बिछुड़ न जाए इसका हमें सदैव ध्यान रखना होगा। मेरी बातों को आपने धैर्यपूर्वक सुना, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। धन्यवाद

जय सम्मेलन, जय समाज, जय राष्ट्र!

बधाई!

सुश्री हर्षा भुतोड़िया, सुपुत्री जय प्रकाश–जिनेंद्रा भूतोड़िया पायलट की ट्रेनिंग पूरी करके फ्लोरिडा से कोलकाता हाल ही में लौटी हैं। कोलकाता निवासी सुश्री हर्षा सुजानगढ़, राजस्थान की प्रवासी हैं। हर्षा ने दिल्ली के कप्तान साहिल खुराना एविएशन अकादमी से प्रशिक्षण की शुरुआत की और तदुपरांत फ्लोरिडा जाकर अपना प्रशिक्षण पूर्ण किया। कोलकाता आगमन पर उसने सबसे पहले अपने दादा बिमल सिंह जी और दादी श्रीमती इंदिरा देवी से आशीर्वाद लिया।

हर्षा ने अपने परिवार को धन्यवाद दिया, जिन्होंने इस पूरे प्रशिक्षण में उसका साथ दिया और सभी से आह्वाहन भी किया कि लड़कियों के परों को छतों तक सीमित न रखें और उन्हें उड़ने के लिए पूरा आसमान दें। हर्षा और भूतोड़िया परिवार को हार्दिक बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ।

हार्दिक बधाई और शुभकामना!

सम्मेलन के आरा नगर शाखा के आजीवन सदस्य श्री श्रवण जालान जी की पुत्रवधू और मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष सी.ए. सचिन जालान जी की पत्नी श्रीमती सृष्टि जालान ने एम.बी.ए. और एम. कॉम. दोनों ही प्रतिष्ठित स्नातकोत्तर परीक्षाओं में विश्वविद्यालय में प्रथम अंक लाया और दो स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इस प्रकार श्रीमती सृष्टि जालान ने संपूर्ण मारवाड़ी समाज एवं विशेष रूप से महिलाओं का सम्मान बढ़ाया है, हमारे समाज को गर्व है, ऐसी बहू-बेटियों पर।

आज मारवाड़ी समाज की पहचान खतरे में : श्री अशोक सिंघल

श्री शिव कुमार लोहिया ने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यभार संभाला

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन के पहले सत्र 'निर्वाचनी समिति की बैठक' में अखिल भारतीय समिति की बैठक में प्रस्तावित चार प्रस्ताव **१. संविधान संशोधन, २. मायड़ भाषा का प्रचार-प्रसार, ३. प्री-बेडिंग फोटोशूट, सड़कों पर नृत्य और ड्रेस कोड का विरोध, ४. विवाह समारोह में मद्यपान निषेध** सर्वसम्मति से पास किया गया। दूसरे सत्र में **'संस्कार हमारी विरासत'** विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस सत्र में विषय का प्रवर्तन करते हुए स्वागताध्यक्ष **श्री अशोक धानुका** ने कहा कि बच्चों को हम बचपन से ही संस्कारित करें तभी हम उनके अंदर अच्छे से संस्कारों का बीजारोपण कर पाएंगे और बच्चे संस्कारित होंगे। बच्चों को बचपन में ही श्लोक, हनुमान चालीसा, राम चरित

मानस का पाठ करवाने की व्यवस्था हमें करना चाहिए। प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री कैलाश चंद काबरा** ने कहा कि संस्कार भाव से विचार की तरफ संचरण करती है, जिसके कारण जीवन में बदलाव घटित होता है। श्री काबरा जोर देकर कहते हैं कि हमें अपने बच्चों की १२ वीं तक की पढ़ाई अपने साथ रखकर करवानी चाहिए, जिससे हम उनमें संस्कार रोपित कर सकें।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष **श्री युगल किशोर अग्रवाल** ने कहा कि जहाँ हम एक तरफ उन्नति की ओर जा रहे हैं वहीं दूसरी तरफ अवनति की ओर जा रहे हैं। उन्होंने समाज के लोगों से निवेदन करते हुए कहा कि रात का भोजन हम अपने पूरे परिवार के साथ बैठकर खाएं, इससे बड़ा बदलाव हमें देखने को मिलेगा। तमिलनाडु प्रांत के अध्यक्ष **श्री विजय कुमार गोयल** ने अपना वक्तव्य रखते हुए कहा कि संस्कार हमें माँ से मिलता है। माँ यदि संस्कारी होगी तो बच्चा संस्कारी स्वयं हो जाएगा। इसका बीज गर्भ में ही बच्चे पर पड़ जाता है, इसके कई उदाहरण हमारे महाकाव्यों और पुराणों में मिलते हैं। उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

अध्यक्ष **श्री गोविंद अग्रवाल** ने कहा कि संस्कारों का ह्रास बड़ी तेजी से हो रहा है। हमें एक लम्बी लड़ाई के लिए तैयार होने की आवश्यकता है, हमें पहले संस्कारों के गिरावट को रोकना होगा। गुवाहाटी की साहित्यकार **श्रीमती निशा नंदनी**

गुप्ता ने कहा कि समान रूप से जीने की कला संस्कृति है। हमारे आज के बच्चे वैज्ञानिक तथ्यों में विश्वास करने वाली पीढ़ी है। हमारे संस्कार पूर्ण रूप से वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित हैं। बच्चे हमारी नकल करते हैं तो बदलने की जरूरत हमें है, बच्चे स्वयं सुधर जाएंगे। आगे के वक्ता **श्री चांदमल अग्रवाल, श्री संतोष खेतान, श्री अशोक मुधड़ा, श्री ओमप्रकाश खण्डेलवाल, श्री रंजित कुमार जालान, श्री कमल बिहानी, श्री सीताराम अग्रवाल, श्री महेश जालान, श्री संजय जाजोदिया** ने भी अपना वक्तव्य रखा।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री शिव कुमार लोहिया** जी ने कहा कि संस्कार हमारे आचरण और विचार का मामला है। हम यहाँ समस्याओं की बात कर रहे हैं, समाधान की बात करें तो हम सही दिशा में आगे बढ़ पाएंगे। मनु कहते हैं – **जन्मना जायते शूद्रः कर्मणा द्विज उच्यते**। अर्थात जन्म से सभी शूद्र होते हैं और कर्म से ही वे ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र बनते हैं। हमें भौतिक विकास के साथ ही साथ आध्यात्मिक विकास भी करना होगा तब बात बनेगी। निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने

कहा कि हमें अपने नैतिक गिरावट पर विचार करने की आवश्यकता है। हमारे संस्कार और संस्कृति हमें हमेशा अपने बुजुर्गों से मिला है। हमारे बच्चे बुजुर्ग से दूर होते जा रहे हैं। बदलते परिवेश में हम यदि अपने संस्कारों और नैतिक मूल्यों को बचाना चाहते हैं तो हमें अपने बच्चों को बुजुर्गों के शरण में रखना होगा। हमें ऐसे विषयों पर ज्यादा से ज्यादा गोष्ठियों का आयोजन करना

चाहिए और आगे भविष्य में हम ऐसी गोष्ठियां करेंगे। सम्मेलन के

राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाडोदिया** ने विषय को समाहित करते हुए कहा कि आचरण सर्वकालिक होता है, शुरुआत हमें अपने आचरण से करना चाहिए। ऐसे विषय पर चर्चा से युवाओं में हमारे संस्कार और संस्कृति के प्रति चेतना जागृत होगी। इस पहल से समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, निर्वाचित राष्ट्री. अध्यक्ष श्री शिवकुमार लोहिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने विशिष्ट कार्यकर्ता, सहयोगी, पूर्व प्रांतीय पदाधिकारी, प्रांतीय अध्यक्ष एवं महामंत्रियों, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री, पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष को ममेंटो देकर सम्मान किया।

इस पूरे सत्र का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने किया। अंत में पूर्वोत्तर के महामंत्री **श्री विनोद कुमार लोहिया** ने सभी पदाधिकारियों और अतिथियों के प्रति पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से कृतज्ञता व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया। अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसका सभी उपस्थित लोगों ने भरपूर आनंद लिया।

दो दिवसीय अधिवेशन के दूसरे दिन (१४ मई २०२३) के कार्यक्रम की शुरुआत गुवाहाटी के एम. एस. रोड स्थित महावीर धर्मस्थल में सम्मेलन का झण्डात्तोलन, राष्ट्रगान कर सम्मेलन के प्राणपुरुष श्रद्धेय ईश्वर दास जालान तथा दिवंगत पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों के चित्र पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया और उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उद्घाटन समारोह की शुरुआत की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** व सभी गणमान्य मंचाशीन व्यक्तियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर समरोह का शुभारंभ किया। सभी अतिथियों का स्वागत अभिनंदन करने के

पश्चात प्रादेशिक महिला मंच द्वारा सुमधुर स्वागत-गीत प्रस्तुत किया गया, जिसने सभी को आनंद से भर दिया। प्रांतीय अध्यक्ष **श्री कैलाश चंद काबरा** ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कहा कि

राष्ट्रीय अधिवेशन के गुवाहाटी में आयोजित होने से पूर्वोत्तर में जन-जागरुकता, सांगठनिक विकास और सेवामूलक कार्यों के विकास के लिए नए उर्जा का संचार का हममें हुआ है। स्वागताध्यक्ष **श्री अशोक धानुका** ने सभी का स्वागत करते हुए समाज में व्याप्त नवीन विसंगतियों पर समाज-जनों से विचार मंथन कर उन मुद्दों के समाधान का रास्ता निकालने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। **राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गाड़ोदिया** ने अपने सत्र की समाप्ति पर सदन को संबोधित करते हुए सभी के रचनात्मक सहयोग के प्रति आभार व्यक्ति किया और कहा कि हमारे सम्मेलन ने समाज में व्याप्त पुरातन परिपाटियों व अंधविश्वास के प्रति जनजागरुकता के माध्यम से उन्मूलन में महती भूमिका का निर्वहन किया है। आगे भी हमें समाज में बड़ी तेजी से व्याप्त हो रही विसंगतियों पर अपनी पूरी क्षमता के साथ कुठाराघात करना होगा और हम इस दिशा में कार्य करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में असम सरकार के आवास और शहरी मामलों के मंत्री, **माननीय अशोक सिंहल** की उपस्थिति से मंच गौरवान्वित हुआ। **श्री अशोक**

सिंहल की उपस्थिति में सम्मेलन का **'भंवरमल सिंघी समाज सेवा पुरस्कार'** रांची के प्रवीण समाजसेवी **श्री पदम चंद जैन**

को तिलक, माला, श्रीफल, शाल, पगड़ी, मानपत्र, चेक राष्ट्रीय, प्रादेशिक एवं शाखा पदाधिकारियों द्वारा प्रदान करते हुए अभिनंदन किया गया। **श्री अशोक सिंहल** ने राष्ट्रीय सम्मेलन की **निर्देशिका** (२०२०-२३) एवं पूर्वोत्तर प्रादेशिक सम्मेलन द्वारा २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन के उपलक्ष्य में प्रकाशित स्मारिका **'मंथन'** का विमोचन किया। **श्री अशोक सिंहल** ने अपना वक्तव्य रखते हुए कहा कि हमारे पूर्वजों ने आज की अपेक्षा कम संपन्नता रहते हुए जो समाजसेवा मूलक कार्य किया, आज हम ज्यादा संपन्न रहत हुए उसका दशांश भी नहीं कर रहे हैं। हम उनके द्वारा बनवाए गए धर्मशाला, स्कूल, अस्पताल, की रख-रखाव भी नहीं कर पा रहे हैं। यह बहुत सोचनीय स्थिति है। हमें इसपर गंभीरतापूर्वक विचार कर इस दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने समाज की सम्पन्नता एवं क्षमता में उत्तरोत्तर वृद्धि होते हुए भी ठोस अवदान की कमी पर समाज को संज्ञान करबाया। सामाजिक दायित्वों का हमारे पूर्वजों ने जिस प्रकार निर्वहन किया उससे हमें प्रेरणा लेते हुए अपने सामाजिक अवदान हेतु आगे आने की आवश्यकता है। उन्होंने सेवामूलक कार्यों से युवाओं को जोड़ने का आह्वान किया और कहा कि हमें अपनी शक्ति, ताकत की पहचान कर नए दिशा में आगे बढ़ कर कार्य करना होगा, तभी हम अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित पहचान को कायम रख पाएंगे।

नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री शिव कुमार लोहिया** को पदभार हस्तांतरित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने पुष्पहार पहनाकर दायित्व सौंपा तथा निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पद की ग्रहण किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री शिव कुमार लोहिया** ने पदभार ग्रहण करने पर अपनी जिम्मेदारी के निर्वहन में सभी के सहयोग की कामना रखते हुए निष्ठा से कार्य संचालित करने के प्रति आश्वस्त किया। **श्री लोहिया** ने अपने अभिभाषण में कहा कि "परिवर्तन जीवन का अकाठ्य नियम है। बदलने समय के साथ समाज को भी बदलना पड़ेगा। जो स्वयं को नहीं बदल पाएंगे, उन्हें परिवर्तन जीवन के क्रम से हटाकर फेंक देगा। हमें ध्यान रखना होगा कि हम परिवर्तन के दास नहींबने और अपने दूरदृष्टि एवं पुरुषार्थ से परिवर्तन के घोड़े की सबारी करें। परिवर्तन एक निरंतर प्रक्रिया है। भूत, वर्तमान एवं भविष्य तीनों काल में परिवर्तन का रथ गतिमान रहता है। चैतन्यता के साथ हमें इस रथ पर आरुढ़ होकर अपनी दिशा स्वयं निर्धारित करते रहना होगा। इसका कोई विकल्प नहीं है। समाज में आज नई-नई बिसंगतियां, कुरीतियाँ पनप रही हैं, ऐसे मुद्दे हैं जो हमारे सामने मुँह वाये है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को 'आत्म दीपो भव' बनकर इस अंधकार को दूर करना होगा।" उद्बोधन के बाद **श्री लोहिया ने राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में कैलाशपति तोदी के मनोनयन की घोषणा करते हुए उन्हें मंचाशीन करवाया। श्री तोदी** लंबे समय से सम्मेलन में सक्रिय रूप से जुड़े हैं तथा कई महत्वपूर्ण पदों का निर्वहन कर चुके हैं। **श्री शिव कुमार लोहिया** के प्रति आभार व्यक्ति करते हुए **श्री तोदी** ने कहा कि समाज की ओर से उन्हें जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी, वे उसका पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे।

इस अवसर पर निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने भी अपना संबोधन दिया। अपने वक्तव्य में भी सराफ ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री से निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** एवं राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय हरलालका** के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी और उनसे निवेदन किया कि नव-नियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री का पूर्ण सहयोग और अभिभाविकी दृष्टि राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री के कार्यों पर बनाए रखें। उन्होंने एक मारवाड़ी हेल्पलाइन बनाने की आवश्यकता की ओर सबका ध्यान आकृष्ट करवाया। पूर्वोत्तर प्रांतीय सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री कैलाश चंद काबरा** एवं गुवाहाटी शाखा के पदाधिकारियों को अधिवेशन के सफल आयोजन पर बधाई दी।

'खुला सत्र' एवं 'समापन समारोह' में अधिवेशन के पहले दिन संपन्न हुए 'विषय निर्वाचनी सभा से अनुमोदित चारों प्रस्तावों **(१. संविधान संशोधन, २. मायड़ भाषा का प्राचार-प्रसार, ३. प्री-वेडिंग फोटोशूट, सड़कों पर नृत्य और ड्रेस कोड का विरोध ४. विवाह समारोह में मद्यपान निषेध)** को रखा गया, जिसे सर्वसम्मति से पारित करते हुए सभी से अनुपालन करने एवं करवाने की व्यवस्था लेने का अनुरोध किया गया। वहीं 'खुला सत्र'

२७वें राष्ट्रीय अधिवेशन की झलकियाँ

कर्ता **मारवाड़ी सम्मेलन**, गुवाहाटी शाखा के **सुशील गोयल, प्रदीप भुवालका, शंकर बिड़ला, महेंद्र मित्तल, माखनलाल अग्रवाल, विवेक सांगानेरिया, सूरज सिंघानिया, पवन साबू, सुरेंद्र लढ्ढा, प्रभाश पोद्दार, गौतम शर्मा, विकास जैन, नरेंद्र सोनी, संजीव धूत, प्रवीण डागा, विजय चोपड़ा, गौरव सिवोटीया** तथा कामरूप शाखा के **श्री मनोज जैन काला, श्री पवन जाजोदिया, सी.ए. रतन अग्रवाल** एवं मारवाड़ी सम्मेलन, **कामरूप एवं महिला शाखा की बहनों** का आयोजन को सफल बनाने में रचनात्मक योगदान की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

में आए पॉचवें प्रस्ताव 'समाज सेवा' को भी ध्वनीमत से पास किया गया। इसके अलावा अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे।

समापन समारोह का संचालन स्वागतमंत्री **श्री सुशील गोयल** तथा प्रांत की ओर से धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रांतीय महामंत्री **विनोद कुमार लोहिया** एवं प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) रमेश कुमार चांडक ने सभी अतिथियों का और आतिथ्य में सहयोग-

(शेषांश...पेज ९ से)

कार्यों के सही ढंग से संचालन हेतु विभिन्न उप समितियों का गठन किया गया। सभी ने निष्ठा पूर्वक दायित्व निर्वहन किया। श्री शिव कुमार जी लोहिया, श्री आनंद जी अग्रवाल, श्री साँवर मल जी धनानिया, श्री दिनेश जी जैन, श्री कैलाशपति तोदी, श्री प्रह्लाद राय जी गोयनका, श्री पवन जी जालान, श्री नंदलाल जी सिंघानिया, श्री केदारनाथ गुप्ता, श्री जीवराजका, श्री विजय जी गुजरवासिया, श्री रामप्रसाद जी सराफ का भी सक्रिय सहयोग हेतु आभार।

सम्मेलन के आदरणीय पूर्व अध्यक्षगण श्री सीताराम जी शर्मा, श्री नंदलाल जी रुंगटा, डॉक्टर हरिप्रसाद जी कनोड़िया, श्री राम अवतार जी पोद्दार, पद्मश्री प्रह्लाद राय जी अग्रवाल एवं श्री संतोष जी सराफ के साथ-साथ आदरणीय आत्माराम जी सोंथलिया का बहुत आभारी हूँ, जिन्होंने हमेशा मेरा मार्गदर्शन किया। इन सबका वरदहस्त सदा मेरे ऊपर रहा तथा मुझे हमेशा उत्साहित व प्रेरित करता रहा। वरिष्ठ मार्गदर्शक श्री जुगल किशोर जी सराफ, श्री जगदीश प्रसाद जी चौधरी एवं श्री रतन जी शाह, न्यायमूर्ति रमेश जी मेरठिया का विशेष आभारी हूँ, जिन्होंने हर पल मुझे मार्गदर्शन किया।

कोई अकेला व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता, पूरी टीम वर्क से काम होता है, तब ही सफलता मिलती है। मेरा सौभाग्य रहा कि मुझे मेरे सभी साथियों का भरपूर सहयोग मिला। सम्मेलन के सभी कर्मचारियों ने भी निष्ठा एवं लगन से सहयोग किया, जिससे सभी कार्य समय पर संपादित हो सके, सभी का हृदय से आभार।

मुझे सम्मेलन की प्रांतीय इकाइयों का भरपूर सहयोग मिला, मैं प्रायः सभी प्रांतीय अध्यक्षों के बराबर संपर्क में रहता था, जिससे काम करने में बहुत सुविधा हुई। प्रांतीय दौरों के दरमियान किए गए आत्मीय आतिथ्य एवं सम्मान से मैं अभिभूत हूँ।

इस कार्यकाल में कुछ अच्छा हो सका उसका श्रेय आप सब सुधी-जनों को है एवं इसके बावजूद भी जो नहीं हो सका उसमें मेरे प्रयास में कमी रही होगी।

आप सभी को पुनः नमन करते हुए आभार व्यक्त करता हूँ, आशा है आप सबका प्यार, स्नेह, आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन व्यक्तिगत जीवन में भी मिलता रहेगा। मैंने इस कालखंड में जो सीखा, मेरे लिए वह मेरे भविष्य में सहयोगी रहेगा, मैं अपनी अधिकतम योग्यता के अनुसार हमेशा समाज एवं सम्मेलन की सेवा के लिए उपलब्ध रहूँगा।

इस कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि मुझे दायित्वबोध का आभास नित्य-प्रतिदिन होता रहा। यह दायित्वबोध मुझे हरदम कार्य करने के लिए प्रेरित करता रहा। यह प्रेरणा आप सभी की देन है जिसके लिये मैं सदा आप सबका ऋणी रहूंगा।

विश्वास किया जो आपने, सबका है आभार,
साथ मिला जो टीम का, उनका भी आभार।
उनका भी आभार, साथ दिया जिन सब ने,
उसी वजह से सैकड़ों लोग बने हैं, मेरे अपने।
टीम वर्क से काम हुआ है, कमी रही होगी फिर भी,
आखिर हम सब हैं आदमी, क्षमा करेंगे आप सभी।
सभी आदरणीय आशीष देवें, नई टीम को अपना,
सेवा और संस्कारों का पूरा होवे सपना।
आप सबका पुनः अभिनंदन एवं आभार।

जय समाज, जय राष्ट्र।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के 'खुला सत्र' (१४ मई २०२३) में पारित प्रस्तावों का सारांश

प्रस्ताव-१
संविधान संशोधन
प्रस्तावना

सम्मेलन के राष्ट्रीय संविधान में अनेक संशोधन हेतु प्रांतों एवं सदस्यों से कई स्तर पर कई सुझाव आ रहे हैं। कई वरिष्ठ सदस्यों ने भी विगत दिनों में संविधान में परिवर्तन की आवश्यकता जताई है। समय-समय पर सर्वसम्मति से आवश्यकतानुसार संविधान में संशोधन कर बदलाव होते भी रहे हैं। एकल सदस्यता, विभिन्न श्रेणियों की सदस्यता, उसकी राशि, राष्ट्र-प्रांत की इसमें भागीदारी एवं हिस्सा सभी इसी संशोधन के हिस्से हैं।

प्रस्ताव

आज की यह सभा प्रस्ताव पारित करती है कि आगामी सत्र में होने वाली प्रथम अखिल भारतीय समिति की बैठक से अनुमति लेकर संविधान संशोधन उपसमिति का गठन किया जाए, यह कमेटी सभी प्रांतों एवं वरिष्ठों से जरूरत अनुसार संविधान संशोधन पर पत्र लिखकर प्रस्ताव मांगेगी। तत्पश्चात आए हुए प्रस्तावों पर वर्गीकरण एवं विश्लेषण कर सभी प्रांतों के अध्यक्षों-महामंत्रियों, राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों तथा प्रत्येक प्रांतों से दो आमंत्रित प्रतिनिधियों के साथ एक वृहद बैठक आहूत कर गहन विचार-विमर्श के पश्चात ६ माह के भीतर संविधान संशोधन को अंतिम रूप प्रदान करेगी तथा फिर इसे अखिल भारतीय समिति की बैठक में रखकर पारित करवा कर लागू किया जाएगा।

प्रस्तावक – अखिल भारतीय समिति
१९ मार्च २०२३, कानपुर, उत्तर प्रदेश
अनुमोदक – श्री कमल नोपानी (बिहार)
श्री बिमल अग्रवाल (असम)

प्रस्ताव-२
मायड़ भाषा का प्रचार-प्रसार
प्रस्तावना

मायड़ भाषा राजस्थानी री पैचान धीमें-धीमें खतम होती जा री है। ळारळै कैंई बरसां म धरां मांय हिंदी के सागै-सागै अंग्रेजी को रो प्रचलन बढ्यो है। संविधान री अनुसूची मांय राजस्थानी भासा न शामिल करण स ज्यादा जरूरी ईंकी पैंचान बणायो रखनो जरूरी है। जै भासा ही लोप होगी तो संविधान री आठवीं अनुसूची म शामिल होण रो कै प्रयोजन रै जावेगो।

प्रस्ताव

आज की इस सभा में हम यह प्रस्ताव पारित करते है कि मायड़ भाषा की पहचान हर हाल में बनाए रखेंगे। घरों में अपनी भाषा में बोलने का संकल्प लेंगे, सम्मेलन की सभी कार्यवाही यथा संभव राजस्थानी भाषा में करेंगे। राजस्थान सरकार पर भी दबाव डाला जाएगा कि वह भी अपनी सभी कार्यवाही राजस्थानी में करे तथा साथ ही साथ सम्मेलन की सभी शाखाएं राजस्थानी को प्रोत्साहन देने हेतु अपने यहां राजस्थानी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, नाटकों का मंचन, राजस्थानी साहित्य का प्रकाशन तथा राजस्थानी साहित्यकारों का सम्मान करेंगे और राजस्थानी कवि सम्मेलन करवाएंगे।

प्रस्तावक – अखिल भारतीय समिति
१९ मार्च २०२३, कानपुर, उत्तर प्रदेश
अनुमोदक – श्री ओमप्रकाश खण्डेलवाल (गुवाहाटी)
श्री राजकुमार केडिया (राँची)

प्रस्ताव-३
प्री-वेडिंग फोटोशूट, सड़कों पर नृत्य, ड्रेस कोड का विरोध
प्रस्तावना

शादी-विवाह के अवसर पर समाज में कुछ कुरीतियां पनपती जा रही है, जैसे प्री-वेडिंग फोटोशूट, सड़कों पर नृत्य, ड्रेस कोड आदि। विवाह के पूर्व ही लड़का-लड़की फोटोग्राफर एवं परिवार के किसी सदस्य के साथ बाहर जाकर विभिन्न पोजों में फोटोसूट करवाते हैं। कई पोज तो ऐसे होते हैं जैसे दोनों विवाहित हों और बाद में उस विडियो को सपरिवार मित्रों के साथ देखा जाता है। कई जगहों पर तो विवाह स्थल पर ही प्रदर्शित किया जाता है, जो बहुत ही शर्मिंदगी वाला होता है। बड़े बुजुर्गो को आँखे नीची करनी पड़ती है या वे उठकर चले जाते है। वैसे ही सड़कों पर नृत्य, महिलाओं को शोभा नही देता। समारोह में आज ड्रेस कोड का प्रचलन बढ़ रहा है। यानी अतिथि को आप निर्देश दे रहे हैं कि यह ड्रेस पहनकर ही आप समारोह में भाग ले सकते हैं। यह अतिथि सत्कार हुआ या अतिथि का तिरस्कार।

प्रस्ताव

यह सभा प्रस्ताव पारित करती है कि प्री-वेडिंग फोटोशूट का सार्वजनिक प्रदर्शन, बारात के समय सड़कों पर परिवार की महिलाओं-बेटियों द्वारा नृत्य एवं समारोह में ड्रेस कोड से परहेज करना चाहिए। ये हमारी संस्कृति और सभ्यता के खिलाफ है।

इसके लिए शाखा स्तर पर महिलाओं एवं युवाओं के साथ विचार-विमर्श, गोष्ठियां कर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

प्रस्तावक – अखिल भारतीय समिति
१९ मार्च २०२३, कानपुर, उत्तर प्रदेश
अनुमोदक – श्री निर्मल काबरा

प्रस्ताव-४
विवाह समारोह में मद्यपान निषेध
प्रस्तावना

सनातन वैदिक संस्कृति में मानव के जन्म से लेकर मृत्यु तक अनेक संस्कार होते हैं, उनमें विवाह संस्कार एक महत्वपूर्ण संस्कार है, जिसे धार्मिक अनुष्ठान के रूप में न लेकर आमोद का अवसर मानने लगे हैं। न कोई समय की प्रतिबद्धता रहती है न कोई खानपान की मर्यादा। मुख्य अनुष्ठान गौण हो गया है। और तो और मद्यपान का प्रचलन भी विवाह-शादियों में होने लगा है।

प्रस्ताव

आज की सभा यह प्रस्ताव पारित करती है कि विवाह स्थल पर मद्यपान निषेध होना चाहिए तथा ऐसे विवाह समारोहों में समाज-जन जाने से परहेज करें।

प्रस्तावक – अखिल भारतीय समिति
१९ मार्च २०२३, कानपुर, उत्तर प्रदेश
अनुमोदक – श्री विनोद कुमार तोदी (बिहार)
श्रीमती सुषमा अग्रवाल (बिहार)

प्रस्ताव-५
समाज सुधार
प्रस्तावना

समाज सुधार सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य रहा है। समाज-सुधार एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। सम्मेलन के प्रयास एवं समय की आवश्यकतानुसार बहुत सी बुराईयों का निवारण हो चुका है। समाज-सुधार के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा कार्यों पर भी बहुत काम करने की आवश्यकता है।

प्रस्ताव

सम्मेलन सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य जागरूकता, सहायता, रोजगार तथा अन्य सेवामूलक कार्य करेगा।

प्रस्तावक – श्री विजय कुमार गोयल (तमिलनाडु)
१४ मार्च २०२३, गुवाहाटी, असम
अनुमोदक – श्री अशोक कुमार जालान (संबलपुर, ओड़िसा)

सम्मेलन के सदस्य बनें एवं बनाएं

पश्चिम बंगाल के माननीय दमकल मंत्री श्री सुजीत बोस को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की डायरेक्टरी तथा कार्यकलापों की जानकारी प्रदान करते निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका।

प्रादेशिक समाचार : झारखंड

शहर में पड़ रही भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप को देखते हुए पूर्वी सिंहभूम मारवाड़ी सम्मेलन कदमा शाखा ने आज सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए, कदमा बस स्टैंड स्थित शीतला मंदिर के पास आने-जाने वाले करीबन ३००० राहगीरों के बीच शीतल पेय जल, तरबूज और शरबत का वितरण किया गया।

पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन प्री वेडिंग सूट आउट की फोटोग्राफी और वीडियो विवाह समारोह स्थल पर प्रदर्शन करने पर सामाजिक प्रतिंबंध के समर्थन में कदमा शाखा द्वारा हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया।

इस कार्यकर्म में जिला अध्यक्ष श्री मुकेश मित्तल, महामंत्री श्री विवेक चौधरी, पूर्व जिला अध्यक्ष श्री उमेश जी साहा और श्री अशोक जी मोदी, कदमा शाखा के अध्यक्ष पवन अग्रवाल, सचिव बिनोद डंगबाजिया, कोषाध्यक्ष बीनोद अग्रवाल, कदमा शाखा के पूर्व अध्यक्ष संतोष अग्रवाल, विस्तूपुर शाखा के अध्यक्ष श्री सुनील सोंथालिया , मनोज अग्रवाल (ASL), श्री किशन संघी, श्री अरुण सोंथालिया, श्री मयूर संघी, कदमा शाखा अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष महावीर गुप्ता, अजय हरुपका, संजय हरुपका, विजय गोयल, दीपू डंगबाजिया, सांवर शर्मा, महीवीर अग्रवाल सोनारी, बिमल गुप्ता, महावीर अग्रवाल अधिवक्ता सहित तमाज बंधुगण ने हस्ताक्षर बोर्ड पे हस्ताक्षर करके समाज के उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्थन दिया।

जीवन परिचय

श्री कैलाश पति तोदी

राष्ट्रीय महामंत्री
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

श्री कैलाश पति तोदी का जन्म २ जून १९६३ में पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में अवस्थित बांधाघाट में हुआ। श्री तोदी के पिता का नाम स्वर्गीय श्याम सुंदर तोदी और मां का नाम स्वर्गीय शकुंतला तोदी है। आप मूलरूप से राजस्थान के सीकर जिला के गाड़ोदा गाँव के निवासी हैं। श्री तोदी पाँच भाई-बहनों में सबसे छोटे हैं।

आपने प्रारंभिक शिक्षा (कक्षा-४) बांधाघाट के 'श्री शंकर पाठशाला' से पाई। कक्षा-८ तक की पढ़ाई 'सलकिया आदर्श विद्यालय', माध्यमिक की पढ़ाई 'सलकिया विक्रम विद्यालय', उच्च माध्यमिक की शिक्षा कोलकाता के प्रतिष्ठित स्कूल 'श्री जैन विद्यालय' से पूरी की। बी. कॉम. (ऑनर्स) आपने कलकत्ता विश्वविद्यालय से संबद्ध 'उमेश चंद्र कॉलेज' से किया। तत्पश्चात चार्टर्ड अकाउंटेंट आपने 'द इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया' से की। अभी आप इन्सॉल्वेंसी प्रोफेशनल का कार्य भी कर रहे हैं। श्री तोदी कई कंपनियों में बतौर स्वतंत्र निदेशक भी हैं।

श्री तोदी का विवाह २० नवंबर १९८९ में मधु जी के साथ हुआ। श्रीमती मधु, स्वर्गीय रघुनाथ प्रसाद पसारी की पुत्री हैं, जिनका पैतृक गाँव नवलगढ़ राजस्थान के झुंझुनु जिला में है। श्री तोदी दंपत्ति के दो पुत्र/पुत्रवधुएं - उमंग-शालू (चार्टर्ड अकाउंटेंट) तथा तरंग (रियल एस्टेट व्यवसाय) और उन्नति (फैशन डिजाइनर) हैं।

पिछले तीन दशकों से आप समाजसेवा मूलक कार्यों में तन, मन, धन से अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। लायंस क्लब ऑफ कलकत्ता, होस्ट के आप जिला मंत्रिमंडल, लायंस सदस्य रहे। बड़ाबाजार के अध्यक्ष रहते हुए 'ड्रग जागरुकता रैली' का आपने सफल आयोजन किया, जिसमें एक हजार से ज्यादा लोगों ने भाग लिया। रोटरी क्लब ऑफ कलकत्ता, बेलूर शाखा के आप वर्तमान में सदस्य रहते हुए अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

आप डायरेक्ट टैक्स प्रोफेशनल एसोसिएशन, एसोसिएशन ऑफ कॉर्पोरेट एडवाइजर्स एंड इग्जक्यूटिव्स, व्यूज एक्सचेंज एसोसिएशन, आल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रक्टिसनर्स और एकाउंट ंट्स लाइब्रेरी के आजीवन सदस्य हैं।

आप लगभग ३० वर्ष से इनकम टैक्स और कंपनी लॉ के क्षेत्र में सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं।

मारवाड़ी युवा मंच, हावड़ा शाखा के आप संस्थापक सदस्य, अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष रहे। पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी युवा मंच के आप प्रदेश संयोजक, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी युवा मंच के आप राष्ट्रीय कार्यकारी समिति सदस्य, राष्ट्रीय संयोजक, राष्ट्रीय स्थायी समिति में आमंत्रित, राष्ट्रीय मंच के सदस्य भी रहें।

आप युवा मंच में राष्ट्रीय संयोजक रहते हुए, पूरे भारतवर्ष के ५० युवा मंच शाखाओं के द्वारा तीन महीने के छोटे से समय में आपने ५००० जरूरतमंद लोगों को कृत्रिम अंग वितरित करने का अद्वितीय कार्य किया। जिसका उदाहरण दूसरा नहीं दिखता है।

सम्मेलन के अपने प्रारंभिक काल में श्री नंदलाल जी रुंगटा के अध्यक्षीय कार्यकाल में कई सामाजिक विषयों पर संगोष्ठियों का आपने सफल आयोजन किया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन में राष्ट्रीय संयुक्त सचिव (२०११-२०१३, २०१३-१५), राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष (२०१६-१८, २०१८-२०) और अभी आप (२०२३-२५) कार्यकाल के लिए राष्ट्रीय महामंत्री के पद पर मनोनीत हुए हैं।

श्री कैलाश पति तोदी ने यह साबित करके दिखाया कि अगर आप अपने लक्ष्य के प्रति ईमानदारी, दृढ़ संकल्प, कठिन परिश्रम और मेहनत से कार्य करते हैं तो आपको निश्चित ही अपने लक्ष्य तक पहुँचने से कोई भी नहीं रोक सकता। आपका जीवन हर एक व्यक्ति के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

प्रादेशिक समाचार : पश्चिम बंग

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन तदर्थ समिति का गठन

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नंद किशोर जी अग्रवाल ने अपने पद से दिनांक ७ सितंबर २०२२ को इस्तीफा दे दिया था। तत्पश्चात चुनाव करवाने के लिए संविधान के अनुसार दिनांक १७ अक्तूबर २०२२ को तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष ने एक तदर्थ समिति का गठन किया था। इस समिति का चुनाव करवाने से पहले कार्यकाल समाप्त हो गया। तदुपरांत ४ अप्रैल २०२३ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद जी गाड़ोदिया ने पूर्व प्रादेशिक अध्यक्ष श्री बिजय कुमार गुजरवासिया के चेयरमैनशिव में नई तदर्थ समिति का गठन किया। नई तदर्थ समिति के संयोजक श्री विजय डोकानिया, सदस्यगण में डॉ. सांवर धनानिया, श्री विश्वनाथ भुवालका, सीए श्री केदारनाथ गुप्ता, एडवोकेट श्री नारायण प्रसाद अग्रवाल, श्री पवन कुमार जालान थे। जिसमें से एडवोकेट श्री नारायण प्रसाद अग्रवाल ने सदस्यता से दिनांक १८ अप्रैल २०२३ को इस्तीफा दे दिया। तदर्थ समिति के दिनांक २६ मई २०२३ की बैठक में उनके पदत्याग को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया।

बिजय कुमार गुजरवासिया
चेयरमैन, तदर्थ समिति
पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

इसकी जानकारी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया जी को तदर्थ समिति के चेयरमैन श्री बिजय कुमार गुजरवासिया जी ने दी।

Andhra Paper Limited
Serving you with pride..

HIGH QUALITY PAPERS WITH NICHE APPLICATIONS

Andhra Cupstock

Andhra Carry Bag

Andhra Pharma Print

Andhra Thermal Base Paper

Andhra Colour Poster Paper

Andhra Plain Kraft NS

Andhra Truprint Ultra HB

Andhra Reflection White

Andhra Millenium Copier

www.andhrapaper.com

Yours Tastefully
Anmol
हर पल अनमोल
हर घर अनमोल
www.anmolindustries.com | Follow us on:

With the Best Compliments from :

Devotion is a dimension
that will allow you to sail
across even if you do not
know the way.

SADHGURU

isha
FOUNDATION

DINODIA WELFARE TRUST

4A, NEW ROAD, 1ST FLOOR, ALIPORE
KOLKATA - 700 027

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments
- Radiology

- MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
- Ultrasonography | - Colour Doppler Study

- Cardiology

- ECG | - Echo-Cardiography
- Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
- Treadmill Test (TMT)

- Wide Range of Pathology
- Pulmonary Function Test
- UGI Endoscopy / Colonoscopy
- Physiotherapy
- EEC / EMG / NCV
- General & Cosmetic Dentistry
- Elder Care Service
- Sleep Study (PSG)
- EYE / ENT Care Clinic
- Gynae and Obstetric Care Clinic
- Haematolgy Clinic
- Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep
- Health Check-up Packages
- Online Reporting
- Report Delivery

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

समाज-गौरव गरिमा लोहिया

२०२२ की संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में इस बार समाज के युवाओं ने सफलता का परचम लहराया है। प्रथम ५० टॉपर्स में से ११ समाज के युवा हैं। समाज के लिए यह गौरव की बात है कि सम्मेलन के सदस्य श्री नारायण लोहिया की पौत्री सुश्री गरिमा लोहिया ने अखिल भारतीय स्तर पर दूसरा स्थान पाया है। सम्मेलन परिवार की तरफ से एवं पूरे समाज की तरफ से गरिमा को बहुत-बहुत बधाइयाँ एवं उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ। इस अवसर पर सम्मेलन के बक्सर शाखा पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने गरिमा के घर जाकर उसका सम्मान किया। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भी नारायण जी लोहिया से दूरभाष पर संपर्क करके गरिमा को अपनी बधाई और शुभकामनाएँ दी है।

गरिमा ने विद्यालय की शिक्षा बक्सर के ही उडस्टाक स्कूल से प्राप्त की। तत्पश्चात दिल्ली के किरोड़ीमल कॉलेज से उन्होंने अकाउंटेंसी में स्नातक किया। स्नातक की परीक्षा पास कर वह बक्सर लौट आईं और वहां से उन्होंने सिविल सर्विस की परीक्षा की तैयारी प्रारंभ की। गरिमा की सफलता में उनकी माता सुनीता देवी का एक बहुत बड़ा अवदान है। उनके पिताजी का स्वर्गवास सन २०१५ में हो गया था।

सम्मेलन के बक्सर शाखा के पदाधिकारी श्री रोहताश कुमार गोयल (अध्यक्ष), श्री पप्पू सराफ (कार्यकारी अध्यक्ष), श्री सुमित माहेश्वरी (शाखा मंत्री), श्री पंकज मानसिंहका एवं श्री अनिल मानसिंहका एवं अन्य सुश्री गरिमा लोहिया का सम्मान करते हुए।

सुश्री गरिमा लोहिया ने बताया कि पिता चाहते थे कि बेटी आई.ए.एस. बनें, लेकिन २०१५ में उनका निधन हो गया। पिता के न रहने के बाद यह सपना टूट जाता, लेकिन मेरी माँ ने हार नहीं मानी। आज मेरी सफलता मेरी माँ की वजह से मिली है।

सवाल : अपनी पढ़ाई के बारे में बताएं...

जवाब : मैं बहुत भाग्यशाली रही कि मैं बक्सर के बहुत छोटे से स्कूल से पढ़ी-लिखी, पर मुझे बहुत अच्छी पढ़ाई मिली। अगर, मेरा आधार मजबूत नहीं होता तो मैं यहाँ तक नहीं पहुँच पाती। घर में रह कर पढ़ने का बहुत फायदा मिलता है। समय कम खराब होता है हर चीज में, और निरंतर प्रेरणा मिलती रहती है। हमें स्वयं से निर्णय करना चाहिए कि हमें घर में रहकर पढ़ाई करने में ज्यादा सहुलियत मिल रहा है या बाहर रहकर।

सवाल : समय का चयन कैसे करें?

जवाब : अपने अनुकूल समय का चयन कर अपनी पढ़ाई को करें। जैसे मैं रात ९ बजे से सुबह ९ बजे तक अपनी पढ़ाई करती थी। उस समय कोई आपको फोन नहीं करता, मैसेज नहीं करता, कॉल नहीं करता है, जिससे पढ़ाई में व्यवधान नहीं पड़ता।

सवाल : कितने घंटे पढ़ाई करनी चाहिए?

जवाब : आप १६ घंटे पढ़कर भी २ घंटे की पढ़ाई कर पाते है, आप २ घंटे पढ़कर भी १६ घंटे की पढ़ाई कर सकते हैं। आप अपना खुद विश्लेषण करिए, जितने कम समय में जितना ज्यादा पढ़ पाएं ये आपकी सफलता है।

सवाल : यूपीएससी में कामयाबी के लिए प्रेरणा कहां से मिली?

जवाब : मेरे जीवन में सबसी बड़ी प्रेरणा मेरी माँ हैं। वह चाहती थीं कि मैं आई.ए.एस बनूँ। वह परीक्षा की तैयारी के दौरान पूरी रात मेरे साथ जगती थीं। इसके बाद सुबह मुझे नाश्ता कराने के बाद ही सुलाती थीं। यूपीएससी में इतनी बेहतर रैंक आने का श्रेय मेरी मा को ही जाता है।

सवाल : यूपीएससी परीक्षा में कामयाबी के आकांक्षी पाँच महत्वपूर्ण काम क्या करें?

जवाब : उम्मीदवार अपने संसाधनों को पक्का कर लें। प्रत्येक विषय के लिए आधारभूत न्यूनतम संसाधन इकट्ठा कर लें, जिसे आपको ढूँढ़ने की जरूरत न पड़े। अपने दिनभर की समय सारणी बनाएँ। क्यों न आप दो घंटा पढ़ें, लेकिन रोज पढ़ें। इसे अपना रूटीन बना लेना चाहिए। अपना कंफर्ट जोन चुन लें कि आपको जिस दिन लो फील हो रहा हो तो उस दिन आपको किस मित्र, किस पारिवारिक सदस्य से प्रेरित होने के लिए बात करना है। आप ऐसे व्यक्ति के साथ संपर्क में रहे जो आपको प्रेरित करता हो। अपने आपकी परीक्षा करते रहना चाहिए। इस परीक्षा में पीछे हट जाने की बहुत संभावना रहती है। परीक्षा की माँग कुछ है और आप कुछ और पढ़ रहे हैं। इसलिए हमेशा अपने आपको समय-समय पर परिक्षण करते रहना चाहिए और एक अच्छा मेंटर आपके जीवन में जरूर रहना ही चाहिए।

सवाल : यूपीएससी परीक्षा में कामयाबी के आकांक्षी को पांच महत्वपूर्ण चीजें क्या नहीं करनी चाहिए?

जवाब : जो नहीं करना है, वह है पुस्तकें बटोरना। मैं यह भी पढ़ लूँ, मैं वह भी पढ़ लूँ, ऑनलाइन पर मौजूद सभी संसाधनों को पढ़ लूँ, सभी यूट्यूब चैनलों को फॉलो कर लूँ यह कतई नहीं करना चाहिए। ऐसा नहीं करना है कि एक दिन १६ घंटा पढ़ लिया, अपने को ड्रेन कर लिया और अगले दिन कुछ भी नहीं पढ़ें, ऐसा नहीं करना चाहिए। परीक्षा को परीक्षा की तरह लेना चाहिए, इसको अपने जीवन का सब कुछ नहीं बनाना है।

मारवाड़ी समाज अपनी अपार शक्ति और ताकत को पहचाने : श्री अशोक सिंहल

लोग इस समाज को क्यों जानते हैं, और किसलिए जानते हैं? लोग इस समाज को मेहनत के लिए जानते है, लोग इस समाज को ईमानदारी के लिए जानते हैं, और लोग इस समाज को समाज के काम में, लोकहित के काम में, आगे रहने वाले समाज के रूप में जानते हैं। आज समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौती है कि हमारा जो परिचय है वो खतरे में है। हमारा अपना परिचय खतरे में है। सम्मेलन की जिम्मेवारी है कि उस परिचय को कैसे बनाए रखा जाए।

मैंने कई मंचों पर इन बातों को कहा है कि हमारे पूर्वजों ने जितने काम किए मठ, मंदिर, स्कूल, अस्पताल बनाए। आज का समाज उनसे कई गुना संपन्न है, लेकिन उसकी मरम्मत तक नहीं करवा पा रहा है, यह दुख का विषय है। ये कोई चर्चा या आलोचना का विषय नहीं है। संपन्नता हमेशा ईर्ष्या का कारण बनती है। कोई भी व्यक्ति संपन्न होता है, आर्थिक रूप से हो, राजनीतिक रूप से हो, या अन्य किसी कारणों से तो जब उसका Elevation होता है, जब वह ऊपर जाता है तो वह ईर्ष्या का पात्र बन जाता है। तो यह समाज भी अपनी संपन्नता के कारण ईर्ष्या का पात्र है। हमारे आचरण में, व्यवहार में, सोच में जो विनम्रता, ईमानदारी और समाज को देने की प्रवृत्ति थी, उससे बहुत हद तक हम बचे रहे। आज जो विकृति हमारे यहाँ आई है, वह पिछले ३५-४० सालों में हमारे अंदर आई है।

हमारे पूर्वज पहले जो अर्जन करते थे उसका एक अंश परिवार के लिए और एक अंश समाज के लिए खर्च करते थे। आज व्यक्ति कमाता है तो केवल अपने लिए कमाता है, और खर्च करता है तो सिर्फ अपने लिए करता है। फिर समाज रह कहा जाता है? फिर समाज नाम की इकाई का न तो धर्म रह जाता है, न कोई उद्देश्य रह जाता है। आप सब लोगों को एक बार बैठकर गंभीरता से चिंता करना चाहिए, चिंतन करना चाहिए कि आप लोग क्लब के रूप में इस समाज को चलाना चाहते हैं, इस संस्था को चलाना चाहते हैं या वास्तव में कोई ठोस काम आप इस समाज को इस संस्था के माध्यम से, देश के हित में करना चाहते हैं। बहुत सी संस्थाएँ हैं, राष्ट्रीय सम्मेलन होता है, एक साल में उसकी रिपोर्ट पढ़ी जाती है। पर उससे समाज का क्या फायदा हुआ? इसका विश्लेषण आपको करना चाहिए कि पिछले एक साल में हमारे काम से हमारे समाज को, आने वाले समय के लिए हमें क्या लाभ मिला? इसके बारे में चर्चा कीजिए और कुछ ऐसे काम शुरु कीजिए, क्योंकि आने वाला समय बड़ी तेजी से बदला है, और तेजी से बदलते समय में आपको अगर अपना Relevance रखना है, आपको अगर इस संस्था को जिंदा रखना है तो आपको कुछ कार्यक्रम लेकर आना पड़ेगा। क्योंकि युवा पीढ़ी जो है, वह एक अलग System में आगे बढ़ी है। पढ़ी-

गुवाहाटी : अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन को सम्बोधित करते शहरी विकास एवं आवासीय और सिंचाई मंत्री, असम सरकार श्री अशोक सिंहल।

लिखी है, समझती है, और उनके लिए जिसने देखा नहीं, वह समझता नहीं। हमने एक अलग दौर देखा है, ये अलग दौर चल रहा है। ऐसे में समाज को नीति तैयार करना होगा। मारवाड़ी समाज का देश भर में विशाल नेटवर्क है। ऐसे में मारवाड़ी समाज को अपनी ताकत को पहचानना होगा। सारे भारत के प्रतिनिधि इस राष्ट्रीय अधिवेशन में बैठे हैं, राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा कोई कार्यक्रम चलाना होगा जिससे पूरे भारत में मारवाड़ी समाज की एक छवि बने और हमारी युवा पीढ़ी उससे जुड़े। वरना, युवा पीढ़ी को इन सब चीजों में कोई दिलचस्पी नहीं है।

मारवाड़ी समाज ने केवल व्यवसाय के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मगर विडंबना है कि आज का समाज आडंबर और दिखावे के चलते अपने अच्छे कामों पर भी पर्दा डालते जा रहा है। यह पूरे समाज के सामने सोचने का विषय है। इसका हल आज निकले यह जरूरी नहीं, लेकिन इस पर आत्ममंथन करना बेहद जरूरी है और चिंतन से ही निष्कर्ष निकलकर आएगा। अन्यथा इसी तरह सम्मेलन होते रहेंगे, अध्यक्ष बनते रहेंगे, अध्यक्ष आते रहेंगे, जाते रहेंगे।

आज की विचारधारा पूरी उलटी हो गई है, जो करना है सिर्फ अपने लिए ही करना है और यही कारण है कि समाज और परिवारों के विघटन की स्थिति आ चुकी है। ऐसी संपन्नता का क्या फायदा जो समाज एवं परिवार में विघटन पैदा करे। ऐसे में अपनी संपन्नता को ध्यान में रखते हुए समाज के प्रति अपने जिम्मेदारियों एवं योगदान के लिए सभी को सोचना होगा। श्री सिंहल ने सभी से आह्वान करते हुए कहा कि मारवाड़ी समाज अपनी अपार शक्ति और ताकत को पहचाने, जिससे समाज को नई दिशा मिल सके, जो देश एवं राष्ट्र-हित के लिए भी मील का पत्थर साबित हो।

बिहार प्रांतीय महामंत्री का प्रतिवेदन

– सदानंद अग्रवाल
महामंत्री, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

दिनांक ११ एवं १२ मार्च २०२३ को ३१वाँ प्रादेशिक अधिवेशन मधेपुरा में आयोजित हुआ। इस अधिवेशन में लगभग दो किलो मीटर लंबी सामाजिक सद्भावना रैली का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग दो हजार से पचीस सौ तक महिलाएँ, बच्चों एवं पुरुषों ने भाग लिया। अधिवेशन का आयोजन बहुत ही उत्कृष्ट पूर्ण ढंग से मधेपुरा शाखा द्वारा किया गया। इस अधिवेशन का उद्घाटन श्रीमती शीला मंडल माननीय मंत्री बिहार सरकार, श्री ललन कुमार सर्राफ (विधान पार्षद) श्री संजय सरावगी, सदस्य, विधान सभा, श्री शिव कुमार लोहिया नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं उपस्थित पूर्व अध्यक्षों के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। अधिवेशन के दौरान सुपौल निवासी श्री युगल किशोर अग्रवाल द्वारा अध्यक्ष पद का दायित्व ग्रहण किया गया, जिसके उपरांत उन्होंने अपने मुख्य पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की।

अधिवेशन की आयोजन समिति मधेपुरा शाखा के सभी सदस्यों एवं समाज बंधुओं के प्रति मैं इस उत्कृष्ठ यादगार अधिवेशन आयोजित करने के लिए धन्यवाद देता हूँ।

अध्यक्ष महोदय द्वारा दायित्व ग्रहण करने के बाद १९ मार्च २०२३ को ५ पूर्व अध्यक्षों के साथ कानपुर में अखिल भारतीय समिति एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भाग लिया गया, जिसमें नव-निर्वाचित अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया को पुष्प गुच्छ, शॉल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

२० मार्च २०२३ को कार्यकारिणी हेतु घोषित पदाधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन कर भविष्य के कार्यक्रमों की रूप-रेखा एवं कार्यकारिणी के गठन पर गहनतापूर्वक विचार किया गया।

शाखाओं का चुनाव : मधेपुरा, सिघेश्वर स्थान, सहरसा, सुपौल, खगड़िया, फारबिसगंज, बेतिया, पूर्णियाँ, दरभंगा, सीतामढ़ी, विथान, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, मुंगेर एवं लोकहीं शाखा का चुनाव संपन्न होने की सूचना प्राप्त हुई है, जिनमें मधेपुरा, सहरसा एवं सीतामढ़ी से लिखित सूचना मिली है। शेष शाखाओं से अनुरोध है कि चुनाव की लिखित सूचना भिजवाने की कृपा करेंगे।

सदस्यता अभियान : अधिवेशन के बाद से अद्यतन दरभंगा से संरक्षक–१, आजीवन-३, सहरसा-१५, जयनगर-३, पूर्णियाँ-२, तथा सीतामढ़ी, बिहारीगंज, सोनवर्षा राज से एक–एक आजीवन सदस्य बनाए गऐ हैं।

आभार : बिहार सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष २९ अप्रैल को दानवीर एवं शूरवीर भामासाह जी की जयंती राज्यकीय समारोह के रूप में मनाने की स्वीकृति प्रदान कर समाज का गौरव बढ़ाया है। मैं अपनी और बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की तरफ से माननीय मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करता हूँ।

राष्ट्रीय अधिवेशन : दिनांक १९ मार्च २०२३ को कानपुर में संपन्न बैठक में श्री शिव कुमार लोहिया जी राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं तथा दिनांक १३-१४ मई २०२३ को पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में तेरापंथ धर्मस्थल, गुवाहाटी में राष्ट्रीय अधिवेशन होने जा रहा है। जानकारी देते हुए अनुरोध किया कि अधिकाधिक संख्या में भाग लें।

बधाई !

बिथान बाजार निवासी श्री प्रदीप कुमार टिबड़ेवाल जी के सुपुत्र शिवम कुमार ने 'देश की सबसे बड़ी और प्रतिष्ठित परीक्षा यूपीएससी में ३०९वीं रैंक प्राप्त कर पूरे राज्य और समाज का मान बढ़ाया है!" बहुत-बहुत बधाई और उज्ज्वल भविष्य की अशेष शुभकामनाएँ!!

शुभकामना !
समाज की गौरव हैं बेटियाँ

सम्मेलन की पटना सिटी शाखा के आजीवन सदस्य श्री विमल बरमेचा जी की पुत्री सुश्री मनीषा बरमेचा को एम.बी.बी.एस. की परीक्षा बैच में प्रथम रैंक के साथ उत्तीर्ण कर डॉक्टर का सम्मान जनक पद प्राप्त करने के लिए हार्दिक बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ!

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

प्रादेशिक गतिविधियों का लेखा-जोखा (सत्र २०२०-२३)

महेश जालान
निवर्तमान अध्यक्ष
बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन पूरे सत्र के दौरान अपने राष्ट्रीय अभिभावकों के अनुभवी मार्गदर्शन में सजग प्रादेशिक पदाधिकारियों और सक्रिय शाखा समितियों के सहयोग से निरंतर सक्रिय रहा। समाज के समस्त भाइयों-बहनों, युवाओं-बुजुर्गों, मित्रों-शुभचिंतकों का बहुत बड़े स्तर पर आशीर्वाद समर्थन प्राप्त हुआ। यह तो नहीं कहा जा सकता कि कोई बहुत बड़ी या ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली गई, लेकिन इतना जरूर है कि छोटी-छोटी कोशिशें लगातार जारी रहीं।

प्रदेश की कुल १६२ शाखाओं की शत-प्रतिशत संगठन यात्रा ३२ चरणों में, कोरोना की बंदिशों के बावजूद पूरी कर ली गई। परिणामस्वरूप १३ नई शाखाएँ खोली गई और लगभग १५०० नए आजीवन सदस्य बनाए गए। सम्मेलन का सोसाइटी अधिनियम में रजिस्ट्रेशन कराया गया और इनकम टैक्स का पैन कार्ड लिया गया। संभवतः बिहार पूरे देश में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की एकमात्र पंजीकृत इकाई है।

राष्ट्रीय कार्यक्रम अन्नपूर्णा की रसोई से प्रेरित होकर अनेक शाखाओं ने नियमित रूप से खिचड़ी एवं अन्य बने हुए खाद्य पदार्थ और राशन का वितरण किया। कोरोना त्रासदी के समय तो इस सेवा ने बिहार में जीवन रेखा का काम किया। बिहार के अनेक शहरों में आम नागरिकों को ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराए गए। ७८ शाखाओं के द्वारा लगभग ७०० सिलेंडरों के माध्यम से यह सेवा निरंतर जारी है। आम-आवाम को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थान पर चापाकल, प्याऊ, स्थाई वाटर कूलर और प्यूरीफायर लगाया गया। इसपर शाखाओं को अनुदान भी दिया गया।

किसी भी धर्म, वर्ग, जाति समाज के विकलांग व्यक्तियों को उनकी आवश्यकतानुसार फिजियोथेरेपी, ऑपरेशन और कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण की सुविधा पूर्णतया निःशुल्क प्रदान की गई। महिलाओं के माध्यमिक विद्यालयों और कॉलेजों में सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीनें लगाई गई।

स्थानीय पर्व त्योहारों के अतिरिक्त राष्ट्रीय स्थापना दिवस, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, पर्यावरण दिवस, स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस, महिला दिवस, शिक्षक दिवस आदि अवसरों पर विभिन्न रचनात्मक एवं उपयोगी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

राजस्थानी लोक कला और संस्कृति के संरक्षण-संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार के लिए समय-समय पर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। गणगौर, सिंधारा, आखा तीज, दशहरा, अग्रसेन जयंती, महेश नवमी, होली-दीपावली मिलन समारोह, गणेश लक्ष्मी पूजन, भारतीय नव वर्षोत्सव आदि का पारंपरिक रूप से समय-समय पर आयोजन किया गया। मारवाड़ी पर्व-त्योहारों से संबंधित पुस्तिका नेगचार वितरित की गई। पटना में चिकित्सा कराने वाले आजीवन सदस्यों एवं उनके परिजनों को कुछ प्रतिष्ठित अस्पतालों में बिल में रियायत और अन्य सुविधाओं प्राथमिकता दिलाई गई। साथ ही आवश्यकतानुसार चिकित्सक, एंबुलेंस एवं रक्त इत्यादि की व्यवस्था कराई गई।

मिशन 'बागबान' के अंतर्गत मारवाड़ी समाज के ८० वर्ष से अधिक आयु के अभिभावकों को उनके सार्वजनिक योगदान के लिए पूरे प्रदेश में उनके आवास-कार्यालय पर जाकर सम्मानित किया गया। मारवाड़ी समाज के छात्र-छात्राओं को माध्यमिक से लेकर उच्च स्तरीय एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में विशिष्ट सफलता अर्जित करने पर सरस्वती सम्मान प्रदान किया गया। समाज के विभिन्न घटकों यथा अग्रवाल, जैन, माहेश्वरी के संगठनों के साथ अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें उनके धर्म, पंथ, इतिहास और रीति-रिवाजों की जानकारी मिली। उनके विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।

समाज के लोगों के साथ जब भी किसी प्रकार की घटना-दुर्घटना, आपराधिक वारदात या डराने-धमकाने का प्रयास हुआ, सम्मेलन के द्वारा सरकार एवं प्रशासन पर दबाव बनाकर समुचित कार्रवाई कराने का प्रयास किया गया। समाज सुधार कार्यक्रम के द्वारा शादी-विवाह एवं अन्य मांगलिक अवसरों पर आमंत्रण केवल ई-कार्ड के द्वारा देने और किसी परिजन के मृत्यु के उपरांत होने वाले भोज को पूरी तरह बंद करने के लिए जन-चेतना जागृत की गई, जिसके बहुत अच्छे परिणाम सामने आए।

बिहार सम्मेलन का यह मानना रहा है कि संगठन को जीवंत और समाज के लिए उपयोगी बनाए रखने के लिए निरंतर छोटे-बड़े प्रकल्प-प्रयास करते रहना चाहिए।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017
समाज से सादर निवेदन
वैवाहिक अवसर पर मद्यपान
करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक
दोनों रूप से उचित नहीं है।
प्री-वेडिंग शूट
हमारी सभ्यता एवं संस्कृति
के खिलाफ है।
समाजहित में इनसे परहेज करें।
निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी युवा मंच ने की संयुक्त बैठक

हर्ष है कि युवा मंच प्रगति कर रहा है – गाड़ोदिया
समाज की शक्ति बनें युवा – शिव कुमार लोहिया

हमें इस बात का हर्ष है कि युवा मंच प्रगति कर रहा है। हम युवा मंच के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है। यह बातें अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने कहीं। वही सम्मेलन के निर्वाचित अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने कहा कि मैं इस सभा में एक विशेष ऊर्जा महसूस कर रहा हूं। श्री लोहिया ने कहा कि युवा साथी राष्ट्र की शक्ति के साथ-साथ, समाज की शक्ति बन कर समाज को सशक्त करने की दिशा में अपना योगदान दें। इस मौके पर युवा मंच की ओर से श्री गाड़ोदिया एवं श्री लोहिया का परंपरागत स्वागत किया गया।

गौरतलब है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री एवं पूर्व अध्यक्षों की संयुक्त बैठक शुक्रवार, २१ अप्रैल २०२३ को हिंदुस्तान क्लब, कोलकाता के क्रिस्टल हॉल में हुई। बैठक में देश व समाज से जुड़े कई विषयों व मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। जिसमें आपसी सामंजस्य बढ़ाने पर, समाज में वैवाहिक समारोह में मद्यपान, प्री-वेडिंग शूटिंग, बिखरते संयुक्त परिवार एवं घरों में बुजुर्गों के घटते सम्मान पर चिंता व्यक्त करते हुये समाधान हेतु सामूहिक प्रयास करने पर चर्चा हुई। साथ ही प्रांतीय स्तर पर जनगणना करने पर भी चर्चा हुई। इस तरह की बैठक निश्चित अंतराल पर करते रहने पर भी सहमति बनी। शाखा, प्रान्त एवं राष्ट्रीय स्तर पर समय-समय पर सामूहिक गोष्ठियां एवं समारोह करने के लिए विचार-विमर्श हुआ। जिसमें यथा सम्भव मारवाड़ी भाषा के उपयोग एवं नई पौध को मारवाड़ी भाषा से रूबरू कराने पर भी चर्चा हुई।

बैठक में सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वय श्री नंदलाल रुंगटा, श्री संतोष सराफ, युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र भट्टर, महामंत्री श्री सुंन्दर प्रकाश, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रमोद शाह, श्री बलराम सुल्तानिया, श्री रवि अग्रवाल, श्री कपिल लाखोटिया एवं समन्वयक श्री कैलाशपति तोदी उपस्थित थे।

प्रादेशिक समाचार : दिल्ली

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के एक प्रतिनिधि मण्डल ने माहेश्वरी समाज, दिल्ली के प्रतिनिधियों के साथ आज लोकसा अध्यक्ष श्री ओम बिरला एवं केंद्रीय कानून मंत्री श्री अर्जुनराम मेघवाल के साथ भेंट कर समाज उत्थान के विभिन्न विषयों पर चर्चा की एवं मेघवाल जी को भारत के कानून मंत्री बनने पर समाज की और से बधाई एवं शॉल- बुके से सम्मानित किया।

प्रतिनिधि मण्डल में श्री लक्ष्मी पत भुतोड़िया, प्रां अध्यक्ष, श्री मन्ना लाल बैद, प्रां उपाध्यक्ष, श्री सज्जन शर्मा, प्रां उपाध्यक्ष, श्री पवन शर्मा, अध्यक्ष, सेंट्रल दिल्ली, श्री जगदीश बागड़ी, प्रधान, माहेश्वरी समाज, दिल्ली, श्री बिमल मुँधरा, महामंत्री, माहेश्वरी समाज, दिल्ली एवं सहायक पुलिस आयुक्त श्री रिछपाल सिंह की उपस्थिति रही।

प्रादेशिक समाचार : बिहार

पटना सिटी शाखा द्वारा आयोजित पदस्थापना सह मिलन समारोह

जहा तुम वहां हम इसी भाव के साथ मारवाड़ी समाज समाज सेवा में अग्रणी भूमिका निभाता है।

जहां तुम वहां हम इसी भाव के साथ मारवाड़ी समाज समाज सेवा में अग्रणी भूमिका निभाता है आज पूरे भारतवर्ष में मारवाड़ी समाज दानवीरो के नाम से जाना जाता है मारवाड़ी समाज राजस्थान के आकर देश के कई प्रदेशों में अपनी सेवाओं के लिए समर्पित है मारवाड़ी समाज निस्वार्थ भाव से काम करने के लिए हमेशा तत्पर रहता है उक्त बातें बिहार सरकार के पूर्व मंत्री पटना साहिब के विधायक नंदकिशोर यादव ने बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन पटना सिटी शाखा द्वारा आयोजित पदस्थापना सह मिलन समारोह में कहीं आज श्री गुरु गोविंद सिंह प्रतिष्ठित भामाशाह ट स्ट भवन में सम्मेलन कि सिटी शाखा द्वारा आयोजित समारोह में दरभंगा नगर के विधायक संजय सरावगी पटना की महापौर सीता साहू बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान प्रादेशिक अध्यक्ष महेश जालान ने सामूहिक दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया समारोह की अध्यक्षता ईश्वर लाल गोयनका ने किया मंच संचालन डॉक्टर सुशील पोद्दार ने किया।

इस अवसर पर सत्र २०२३-२५ के लिए नवनिर्वाचित शाखा अध्यक्ष शिवप्रसाद मोदी एवं सचिव संजीव देवड़ा सहित २१ कार्यकारिणी के सदस्यों को महेश जालान ने शपथ ग्रहण करवाया सभी अतिथियों को राजस्थानी साफा चुनरी और दुशाला देखकर सम्मानित किया गया इस अवसर पर पटना सिटी की विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों के अध्यक्षों को एवं स्थानीय पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष और सचिव ने अपने संबोधन में आने वाले २ सालों में कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला कार्यक्रम को सफल बनाने में पुरुषोत्तम लाल पोद्दार हनुमान प्रसाद डीडवानिया डॉक्टर त्रिलोकी प्रसाद गोलवारा प्रभात भरतिया संतोष मेहता गोविंद कानोडिया शशि शेखर रस्तोगी राजेश चौधरी राजू सुलतानिया कन्हैयालाल डोकानिया सुभाष पोद्दार राजकुमार गोयनका संतोष मोदी नारायण साह ललित अग्रवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

शाखा जयनगर, बिहार मारवाड़ी सम्मेलन ने लगाया प्याऊ

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन शाखा जयनगर ने चन्द्रकांता देवी के पुण्यस्मृति पर २७ अप्रैल को शीतल पेय जल का शुभारंभ रमेश चन्द्र सोंथलिया, रंजीत घिड़ीया, हनुमान मोर, कमल अग्रवाल, दीपक सुरेका ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर शाखा जयनगर के सचिव दीपक सुरेका ने कहा कि अपना समाज सेवा धर्म को आगे बढ़ाते हुए एक और स्थायी प्याऊ लगाकर मानव धर्म का निर्वहन किया है। उन्होंने कहा कि प्यासे को पानी पिलाना सराहनीय और पुण्य कार्य है। राहगीरों को नि:शुल्क शुद्ध व शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के लिए यह मशीन लगाया है। वहीं वार्ड पार्षद हनुमान मोर ने कहा हमारे लिए जल ही जीवन है। प्यासे को पानी पिलाना बड़े पुण्य का काम है। पर्याप्त मात्रा में जल-ग्रहण करने से भोजन ठीक से पचता है और शरीर का संतुलित विकास होता है। भीषण गर्मी को लेकर शीतल पेयजल की व्यवस्था सराहनीय व अनुकरणीय पहल है। इससे आम लोगों विशेषकर गरीब, ग्रामीणों एवं दूर दराज से आने वालों को काफी लाभ होगा। बता दे कि बढ़ती गर्मी के मद्देनजर अपनी सभी शाखाओं में स्थायी व अस्थायी शीतल पेयजल की व्यवस्था के लिए यह घोषणा बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित प्रादेशिक अध्यक्ष युगल किशोर अग्रवाल ने पटना में आयोजित प्रथम कार्यकारिणी की बैठक में की थी।

प्रादेशिक समाचार : कर्नाटक

राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत मित्तल का सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं झारखंड राज्य के प्रांतीय अध्यक्ष श्री बसंत मित्तल जी के बैंगलोर आगमन पर कर्नाटक प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन ने बैंगलोर के सेंचुरी क्लब में रविवार सात मई को एक बैठक आहूत कर उनका सम्मान किया। कर्नाटक के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल जी ने आये हुए सदस्यों का स्वागत किया एवं श्री बसन्त मित्तल जी को शॉल पहनाकर उनका स्वागत किया। महामंत्री श्री शिवकुमार टेकड़ीवाल जी ने मोमेंटो प्रदान किया। बसंत मित्तल जी ने शाखा विस्तार का सुझाव दिया जिसे रमाकांतजी सराफ एवं श्री सीतारामजी अग्रवाल ने स्वीकार करते हुए कहा कि इस पर ध्यान देकर २३-२५ सत्र में कर्नाटक में नई शाखाएँ खोल कर शाखा विस्तार किया जायेगा। श्री बिनोद जी जगनानी एवं श्री प्रकाशजी चौधरी ने अपने विचार रखे। सचिव श्री शिवकुमार टेकड़ीवालजी ने सबका आभार प्रकट किया।

प्रादेशिक समाचार : कर्नाटक

श्री रमाकान्त सर्राफ नए अध्यक्ष निर्वाचित

कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के चुनाव पदाधिकारी रमेशजी भाऊवाला की सहमती से सेंचुरी क्लब में आज २२ मई २०२३ को बुलाई गई। सर्वप्रथम अध्यक्ष सुभाष जी अग्रवाल ने आए हुए सदस्यों का स्वागत किया। आपसी विचार-विमर्श कर सर्व-सम्मति से **श्री रमाकांत जी सर्राफ** को अध्यक्ष, **श्री सीताराम जी अग्रवाल** को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, **श्री शिवकुमार टेकड़ीवाल** को महामंत्री नियुक्त किया गया। जिला अध्यक्ष अरुण जी खेमका एवं कोषाध्यक्ष प्रिंस जी जैन ने नए पदाधिकारियों को बधाई दी। अध्यक्ष सुभाष जी अग्रवाल एवं सचिव शिवकुमार टेकड़ीवाल ने रमाकान्त जी एवं सीताराम जी का शॉल व पंचांग देकर सम्मान किया। सचिव शिवकुमार टेकड़ीवाल ने आए हुए सभी सदस्यों का आभार प्रकटकिया और कहा की चुनाव पदाधिकारी रमेश जी भाऊवाला की समझ-बुझ से प्रदेश का चुनाव बहुत ही सफलता पूर्वक संपन्न हुआ, इसके लिए वो विशेष बधाई के पात्र हैं।

प्रादेशिक समाचार : पूर्वोत्तर

पूप्रमास ने किया समाज के कुशाग्र विद्यार्थियों को सम्मानित

पिछले दिनों १२वी कक्षा के इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट बोर्ड (आईएससी) के घोषित परिणामों में समाज के बच्चों ने राष्ट्रीय स्तर पर श्रेष्ठता सिद्ध कर समाज का ही नहीं बल्कि समूचे पूर्वोत्तर का गौरव बढ़ाया है। समाज की अग्रीणी संस्था पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन (पूप्रमास) के अंतर्गत बंधुत्व विकास समिति की ओर से समाज का नाम गौरावान्वित करने वाले इन मेधावी विद्यार्थियों के घरों में जाकर अभिनंदन कर उनके उज्ज्वल भविष्य और उन्नति के लिए शुभेच्छाएं दी गई। सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा व बंधुत्व विकास समिति के संयोजक प्रदीप भुवालका के नेतृत्व में भंगागड़ निवासी समीर-मनीषा अग्रवाल की सुपुत्री रिया अग्रवाल का अभिनंदन किया, जिसने कला संकाय में भारत में प्रथम स्थान अर्जित किया है। इसी क्रम में मालीगांव निवासी संदीप-सोनी केडिया की सुपुत्री याशिका केडिया ने कला संकाय में भारत में द्वितीय स्थान अर्जित किया है। वहीं भंगागड़ निवासी शलेष-शितल बाहेती की सुपुत्री सुश्री निश्का बाहेती ने वाणिज्य संकाय में भारत में तृतीय स्थान हासिल किया है। इधर उलुबाड़ी निवासी डॉ. दिनेश-मधू अग्रवाल के सुपुत्र मास्टर सूर्यांश अग्रवाल ने विज्ञान संकाय में असम में प्रथम तथा भारत में पंचम स्थान हासिल किया है। समाज के बच्चों की इन असाधारण उपलब्धियों पर उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पूप्रमास ने सभी के घर पहुंचकर उनका अभिनंदन किया। सम्मेलन की ओर से प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) रमेश कुमार चांडक, प्रांतीय संयुक्त मंत्री मनोज जैन काला, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मंडल–च) सुशील गोयल, जनसेवा एवं बंधुत्व विकास समिति के संयोजक प्रदीप भुवालका एवं प्रांतीय मिडिया सेल संयोजक विवेक सांगानेरिया ने बच्चों का फुलाम गमछा एवं मोमेंटो प्रदान कर अभिनंदन किया।

प्रादेशिक समाचार : झारखंड

मारवाड़ी सम्मेलन आदित्यपुर शाखा ने बांटा चना व शर्बत

शहर में पड़ रही भीषण गर्मी और चिलचिलानी धूप को देखते हुए पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन के आदित्यपुर शाखा द्वारा अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए गुरुवार को आरआईटी मोड़, आदित्यपुर के पास लगभग २००० राहगीरों के बीच चना, शीतल पेय जल एवं शर्बत का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम अनिल अग्रवाल (गैलेक्सी हाइड्रोलिक्स) के सौजन्य से आयोजित हुआ। साथ ही पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन प्री वेडिंग शुट आउट की फोटोग्राफी और वीडियो विवाह समारोह स्थल पर प्रदर्शन करने पर सामाजिक प्रतिबंध के समर्थन में कार्यक्रम स्थल पर हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष मुकेश मित्तल, महामंत्री विवेक चैधरी, एशिया अध्यक्ष संतोष खेतान, कोषाध्यक्ष मोहित शाह, विमल अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, संतुलाल खंडेलवाल, मनोज अग्रवाल, रामोतार अग्रवाल, मनीष पारिख, अजय अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, संदीप अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने पर श्री शिव कुमार लोहिया को प्राप्त बधाई संदेश

सीकर नागरिक परिषद (कोलकाता)

"सीकर भवन"

दिनांक: 17/05/2023

सेवा में,
श्री शिव कुमार जी लोहिया
नेशनल प्रेसीडेंट
171/1, जे.एम.मुखर्जी रोड
हावड़ा - 711106

माननीय महोदय,
सादर प्रणाम। आशा हैं आप सपरिवार स्वस्थानंद होंगे।
आपको **अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन** अध्यक्ष पद के लिये मनोनित किये जाने पर सीकर नागरिक परिषद (कोलकाता) परिवार की ओर आपको बहुत-बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं।
पूर्ण विश्वास हैं आपके अध्यक्षीय काल में सम्मेलन कई नये आयाम और कीर्तिमान स्थापित करेगा।
पुनः एक बार आपको कोटि-कोटि बधाई एवं शुभकामनाएं।

सधन्यवाद

भवदीय
(रवि शंकर सीकरिया)
सचिव

Date: 22.03.2023

TO,
MR. SHIV KUMAR LOHIA
PRESIDENT
ALL INDIA MARWARI FEDARATION

Dear MR. SHIV KUMAR LOHIA,

I, as Chairman of the Cygnus Group of Companies, hereby extend my heartiest congratulations to you on being elected as President, of All India Marwari Federation.

This is a significant accomplishment and a testament to your hard work and dedication. You have put in a tremendous amount of effort over the years, and it has certainly paid off. I am sure that you will be a great leader and will handle the responsibilities of the role with great integrity and enthusiasm.

You have the vision, the drive and the commitment to make a positive change and I am confident that you will be successful in your role.

Once again, congratulations on your appointment as President, of All India Marwari Federation. I wish you every success in your new role.

Thanking you,
With warm regards,

Krishna Kumar Singhania
Chairman - Cygnus Group of Companies
Mobile No: 9831029166/9899129166

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

(संबद्ध: अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन)
PASCHIM BANGA PRADESHIK MARWARI SAMMELAN
(Regd. Under West Bengal Societies Act 1961 S/1L/22423)
Regd. Office : 39A, Jorapukur Square Lane, 3rd Floor, Suit No.5, Kolkata-700006
(Back side of Girish Park & C. R. Avenue) Ph. 033-4004-7282, Email : pbpmsammelan@gmail.com,
Bijay Kumar Gujarwasia, Chairman, Tadarth Committee Bijay Dokania, Convenor, Tadarth Committee
Members : Sanwar Dhanania, Bishwanath Shuwalka, Kedarnath Gupta, Narayan Pd. Agarwala, Pawan Kr. Jalan

दिनांक १५ मई २०२३

श्री शिव कुमार लोहिया
अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
४१, शेक्सपियर सरणी, ४ तल्ला
डकवैक हाउस
कोलकाता-७०००१७

आदरणीय लोहियाजी,

आपके अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने पर मेरी एवं पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के तदर्थ समिति के सभी सदस्यों तथा सम्मेलन के सभी माननीय सदस्यों की ओर से आपको बहुत-बहुत बधाई देते हैं।

हम कामना करते हैं कि आपके नेतृत्व में आने वाले भविष्य में मारवाड़ी समाज तथा अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एक नये कीर्तिमान को स्थापित करेगा।

सादर सहित,

शुभेच्छु

(विजय गुजरवासिया)
चेयरमैन, तदर्थ समिति
पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

आज समाज विकास अंक प्राप्त हुआ, धन्यवाद!

यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि आपका अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में निर्वाचन हुआ है। मेरी तरफ से बहुत-बहुत बधाई स्वीकार करें। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके नेतृत्व में सम्मेलन नित नई ऊँचाईयाँ व सफलता के सोपान हासिल करेगा।

२७वें राष्ट्रीय अधिवेशन में आपका अभिभाषण प्रभावी था, जिसमें समाज के अधिकांश ज्वलंत विषयों का उल्लेख किया गया है।

आपको यह जानकर अति प्रसन्नता होगी कि मेरी आगामी कॉफी टेबल बुक 'मारवाड़ी विरासत' की पांडुलिपि लगभग तैयार है जो अब डिजाईनिंग के लिए दी जा रही है। मेरी हार्दिक इच्छा है कि डिजाईनिंग से पूर्व आप समय निकाल कर इसका अध्ययन कर सकें और अपने बहुमूल्य सुझाव दे सकें तो यह समाज हित में होगा।

पुनः शुभकामनाओं सहित!

आपका ही
डॉ. डी. के. टकनेत
इतिहासकार एवं ख्यातिप्राप्त लेखक

राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने पर श्री शिव कुमार लोहिया को प्राप्त बधाई संदेश

Congratulations ji really great hope marwari sammelan will reach new high under your leadership.

Pawan Tibrewal
General Secretary
Calcutta Pinjrapole Society

बहुत बहुत शुभकामनाएँ! अति सुंदर विचार। आप जैसे सोच एवं नेतृत्व के साथ निश्रित ही हम अपने समाज को और सुदृढ़ कर पाएंगे।
परिचय नये प्रारूप मे आदर्श, प्रेरणा श्रोत एवं ज्ञान का श्रोत। सच में अनीखा प्रयास।

सुंदर प्रकाश
राष्ट्रीय महामंत्री
अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच

बहुत बहुत बधाई!
मुझे आशा ही नही पुर्ण विश्वास है आपके नेतृत्व में अखिल भारतीय मारवाड़ी समाज और संगठित होगा।

महेंद्र अग्रवाल
समाजसेवी

Heartiest congratulations to our shiv kumar lohiajee duly unanimous elected as president of our All India Marwari Federation. My total support. With regards - Gopal Agarwal

Kailash Ji Kabra,
President
Purvottar Pradeshiya Marwari Sammelan

लोहिया जी को बहुत-बहुत बधाई एवं नए कार्यकाल के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएँ।

पुरुषोत्तम सिंहानिया
अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

आदरणीय श्री शिव कुमार लोहिया जी को राष्ट्रीय अध्यक्ष के पदभार ग्रहण करने पर बहुत बहुत बधाई।

सम्मानित श्री गोबर्धन जी गाड़ोदिया जी, श्री संजय हरलालका जी एवं समस्त पदाधिकारियों को सफल कार्यकाल के लिए बहुत बहुत बधाई।

निर्मल झुनझुनवाला
पूर्व अध्यक्ष
बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

श्री गोवर्धन जी और श्री संजय हरलालका जी को उनके कार्यकाल में किए गए कार्य के लिए कोटी कोटी नमन।

आदरणीय श्री शिव कुमार लोहिया जी को राष्ट्रीय अध्यक्ष के पदभार ग्रहण करने पर बहुत बहुत बधाई!

गोवर्धन जी गाड़ोदिया और संजय बाबू न एक बहुत ही सफल कार्यकाल के लिए धन्यवाद।

मुरारी लाल सोंथलिया
महामंत्री, तमिलनाडु प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

अखिल भारत वर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर बहुत बहुत बधाई स्वीकार करें।

अनिल जाजोदिया
पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

आदरणीय श्री लोहिया जी अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर बहुत-बहुत हार्दिक बधाइयां एवं भविष्य की शुभकामनाए। आपके नेतृत्व में सम्मेलन नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगा यह मेरी शुभकामनाएँ है पुनः बहुत-बहुत हार्दिक शुभकामनाएँ।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की वर्ष २०२३-२५ की पूरी टीम को बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से हार्दिक अभिनंदन एवं ढेर सारी बधाई।

युगल किशोर अग्रवाल
अध्यक्ष, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार जी लोहिया को नई पारी की शुरुआत पर अनेकानेक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

पूर्व अध्यक्ष आदरणीय भाई श्री गोवर्धन प्रसाद जी गाडोदिया को सम्मेलन को नई ऊंचाईयाँ देने एवं सफलता के नए मानदंड स्थापित करने हेतु हार्दिक बधाई एवं मुझे एक बार पुनः राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी देकर विश्वास व्यक्त करने हेतु हार्दिक आभार एवं धन्यवाद।

पूर्व महामंत्री भाई श्री संजय हरलालका के शानदार पारी के लिए हार्दिक बधाई।

भाई श्री कैलाश पति तोदी को राष्ट्रीय महामंत्री की नियुक्ति ओर अनेकानेक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

पवन गोयनका
निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष (सत्र २०२३-२५) श्री शिव कुमार लोहिया जी को राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद की शपथ एवं सम्मान के लिए बहुत-बहुत बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं पूरे झारखंड प्रांत की तरफ से।

श्री कैलाशपति तोदी जी बड़े भाई को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का राष्ट्रीय महामंत्री मनोनीत होने पर झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की तरफ से बहुत-बहुत बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं धन्यवाद।

बसंत कुमार मित्तल
अध्यक्ष, झारखंड प्रदेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने पर श्री शिव कुमार लोहिया को प्राप्त बधाई संदेश

प्रिय लोहिया जी,

अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई, कृपया नेपाल की ओर से हमारी शुभकामनाएँ स्वीकार करें।

राजेंद्र खेतान
पूर्व सांसद व अध्यक्ष, अग्रवाल सेवा केंद्र, काठमांडू

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का शानदार-यादगार २७वाँ अधिवेशन "संस्कार : हमारी विरासत" १३ और १४ मई को गुवाहाटी में पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य और गुवाहाटी शाखा के सौजन्य से अपार सफलता के साथ संपन्न हुआ। अत्यंत सुरुचिपूर्ण व्यवस्थाओं के लिए संपूर्ण आयोजन समिति सदस्यों, कार्यकर्ताओं और सहयोगी समाजबंधुओं के प्रति हार्दिक आभार।

पदासीन राष्ट्रीय अध्यक्ष (सत्र २०२३-२५) श्री शिवकुमार जी लोहिया और नवनियुक्त राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति जी तोदी और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार जी गोयनका को हार्दिक बधाई और एक सार्थक-सक्रिय-सफल कार्यकाल हेतु पूर्व सहयोग के आश्वासन के साथ अशेष शुभकामनाएँ।

पूरे सत्र २०२०-२३ में बेहतरीन सम्पर्क, समन्वय और संवाद के साथ संगठन को नई ऊंचाइयों पर प्रतिष्ठापित करने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद जी गाड़ोदिया और उनकी पूरी टीम के प्रति हार्दिक आभार।

समाज की जय हो! हर बंधु की विजय हो!!

महेश जालान
निवर्तमान अध्यक्ष, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

श्री गोवर्धन जी गाड़ोदिया श्री संजय जी हरलालका तथा पूरी टीम को उत्कृष्ट सफल एवं अविस्मरणीय कार्यकाल के लिये बहुत बधाई एवं साधुवाद। श्री शिव कुमार जी लोहिया तथा कैलाशपति जी तोदी को नव दायित्व ग्रहण करने के लिये हार्दिक वधाई एवं सफलता के लिए शुभकामनाएं।

रतन लाल बंका
राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति, सदस्य (२०२०-२३)
राँची, झारखंड

जय दादी की,

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष सम्मानीय शिवकुमारजी लोहिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमान कैलाशपति तोदी को कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी सम्मेलन बैंगलोर के सभी सदस्यों की तरफ से हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल के लिए बहुत-बहुत शुभकामना।

निर्वत्वान अध्यक्ष आदरणीय गोवर्धनजी गाड़ोदिया एवं महासचिव संजयजी हरलालका का एक सफल कार्यकाल के लिए बहुत बहुत आभार।

आभार! बधाइयाँ!! शुभकामनाएँ!!!

शिव कुमार टेकरिवाल
महामंत्री, कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

To
Shri Shiv Kumar Ji Lohia
President, (2023-25) AIMS

Sir,

The Odisha State Unit of All India Marwadi Sammelan i.e. Utkal Pradeshik Marwadi Sammelan warmly welcomes you and conveys its cordial felicitations upon your taking office as the President of All India Marwadi Sammelan today dated 14.05.2023 in its 27th Plenary at Guwahati for 2023-25. You are a Social worker of name and fame. Your long association with Marwadi Sammelan and contributions for its growth remarkable. This organization will take further strides in the field of service to society with added vigor and enthusiasm under your able leadership and guidance. This memento is being presented to you on behalf of UPMS in appreciation of your exemplary services in social work and for the growth of Marwadi Sammelan.We wish you a wonderful tenure of 2023-25 and assure our best cooperation to your august office. We will seek your kind advice as and when needed. We are at your call to extend any cooperation on any exigency.

Dr Govind Agrawa
PRESIDENT
Utkal Pradeshik Marwari Sammelan

Shri Dinesh Kumar Agrawal
VICE-PRESIDENT
Utkal Pradeshik Marwari Sammelan

Shri Jay Dayal Agrawal
SECRETARY
Utkal Pradeshik Marwari Sammelan

Through your esteemed magazine I would like to congratulate Shri Shiv Kumar Lohia as the President of All India Marwari Federation and wish him all the best in performing his duties as the head of the organization.

Through your esteemed magazine I would like to congratulate Shri Kailash Chandra Kabara as the President of Purbottar Pradesia Marwari Sammelan.

Thanks & Regards

Regards
S. L. Singhania
Prominent Social Worker

आलेख

बढ़ती औपचारिकता, घटती आस्था

– डॉ. श्यामसुन्दर हरलालका
अधिवक्ता, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन

मानव सभ्यता के क्रम विकास की यात्रा का अवलोकन करने पर समाज में द्रुतगति से आये बदलाव परिलक्षित होते हैं। परिवर्तनशीलता प्रकृति का अटूट सत्य है जिसे हम नकार नहीं सकते। समाज की मानसिकता व विचारों में बदलाव स्वाभाविक प्रक्रिया है। समाज चिंतन में परिवर्तनशीलता के मुख्य कारणों में सामाजिक, आर्थिक विकास, व्यक्तिगत स्वतंत्रता, आध्यात्मिक आदर्शों व मानविकता के प्रति संवेदनशीलता में ह्रास माना जा रहा है।

गत एक शताब्दी में समाज का रुख भौतिकवाद, भोगवाद के प्रति तेजी से बढ़ा और गत कुछ दशकों में एक चरम स्थिति पर पहुँच गया है। अब मानव मूल्यों को बलीबेदी पर निर्मित हुआ आधुनिक युग के इंसानों का चिंतन जिसमें संवेदनशीलता रहित औपचारिकता ने स्थान ले लिया है।

एक समय था जब किसी गाँव में किसी भी व्यक्ति की मृत्यु होने पर सम्पूर्ण गाँव शोक मनाता था। सभी उस परिवार के दुःख में दुखी होते थे। बारह दिनों तक सुबह से शाम तक संतप्त परिवार को ढाँढ़स बधाने के लिये बिरादरी के सभी लोग आते और सहायता की भी याचना करते। अब समयाभाव व अन्य कारणों से बैठक दो या तीन घंटे में सिमट गई है। बारह दिन के स्थान पर तीन दिनों की औपचारिकता भर रह गई है। कुछ स्थानों में तो सिर्फ तिये के दिन एक बड़ी शोक सभा का आयोजन करके श्रद्धांजलि के पुष्प अर्पित कर देने के उपरांत कोई औपचारिकता अधूरी नहीं रहती है।

शव यात्रा के अंतिम संस्कार में गमगीन स्थिति में ईश्वर से आत्मा की सद्गति के लिए मन ही मन प्रार्थना करना और कुछ पल बैराज्ञ में गुजारना स्वाभाविक था। अब यह एक औपचारिकता भर रह गई है। संबंध, रिश्ते, नातेदारी या प्रभावशाली व्यक्ति की अंतिम यात्रा में अपनी उपस्थिति उनकी नजर में दर्ज करना या कुछ लोगों से मिलने का अवसर समझकर निभाया जा रहा है। कलकत्ता जैसे बड़े शहरों में अंतिम यात्रा से आकर स्नानादि से पवित्र होने को भी आवश्यकता भागदौड़ की जीवनशैली में समाप्ति की ओर है। अफसोस की बैठकों में गम का माहौल सिर्फ एक औपचारिकता तक सीमित है। ऐसी बैठकों में चाय, पान, जर्दा आदि को मुनहार करना एवं विस्तार से समाज के अन्य विषयों पर चर्चा करना व कुछ समय गुजरने के बाद हाजरी लगाने की औपचारिकता तक सीमित है। समय दूर नहीं जब अफसोस के लिये आनेवालों के लिये एक रजिस्टर रखकर हस्ताक्षर करने की औपचारिकता ही काफी समझी जायेगी।

महिलाओं के प्रति समाज में बहुत आदर-सम्मान प्रदर्शित किया जाता है। सभी लोग बड़ी सहृदयता व शिष्टाचार का प्रदर्शन करते है। अवसर मिलते ही अपनों ने ही नारी जाति को भोग्या समझकर आक्रमक होकर अनैतिक कार्य करने के प्रयास में सभी शिष्टाचार, सम्मान, तहजीब को तिलांजलि देने का प्रमाण है, बढ़ते यौन अपराध, बलात्कार, कर्मक्षेत्र में यौन शोषण के प्रयास, घरों में नारी हिंसा आदि। यह सम्मान और शिष्टाचार एक सिर्फ औपचारिकता का निर्वाहन है कारण उसमें हमें कोई विश्वास ही नहीं है। पति-पत्नी को अपनी बातों के भंवरजाल, ऊपरी दिखावा, शिष्टाचार आदि की बागडौर में लपेटकर लगातार यह विश्वास दिलाने में सफल रहता है कि उसका किसी से भी अनैतिक या अवैध संबंध नहीं है और जो इस कला में असफल रहते हैं वे तलाक की कतार में खड़े दिखाई देते हैं। रिश्ते-नातों की मर्यादा बीते हुए जमाने को बाते लगने लगी है। जीवन के सभी क्षेत्रों में दिखावा, शिष्टाचार की औपचारिकता तो बढ़ती गई मगर आस्था, विश्वास, श्रद्धा घटती गई। धर्म प्रचार, प्रसार भक्तों की कतार, कथाओं की भरमार, मंदिरों में श्रद्धालूओं का जमघट, ज्यों-ज्यों बढ़ता गया आस्था और नैतिकता में त्यों-त्यों गिरावट आती गई। आज अनैतिकता, भ्रष्टाचार, भाई भतिजावाद, भोगवाद, हिंसा, ईर्ष्या, कामुकता, लोभ, दिखावा द्रूतगति से बढ़ रहा है उसी प्रकार समर्पणता, प्यार, मर्यादा, आस्था, जीवन मूल्यों में गिरावट आ रही है। जीवन मे बनावटीपन इतना अधिक आ गया है कि सभी अवसरों पर यह जताने का प्रयास करते हैं कि हम एक दूसरे के शुभचिंतक, हितैशी, शुभाकांक्षी हैं, जबकि स्थिति विपरीत है। दूसरे व्यक्ति की प्रशंसा दिल की गहराई से कम होठों से ज्यादा होती है। कभी-कभी इतनी अधिक होती है कि चापलुसी, खुदगर्जी प्रकट होने लगती है। आजकल अधिकतर व्यक्ति चुगलखोर, चापलुश, खुदगर्ज व्यक्ति को ही पसंद करते हैं। किसी ने सच ही कहा है कि काम थोड़ा, शोर ज्यादा हो रहा है, होठ हंसते हैं पर मन बेचारा रो रहा है, जिन्दगी में नकल इतनी आ गई, असलियत खुद आदमी खो रहा है।

With Best Compliments From

M/s. RITESH TRADEFIN LTD.

LENIN SARANI, DURGAPUR (W.B.)
(Manufacturer of Sponge Iron & Structural Steel)
Mobile : 9832150448 / 9434003562
Email : mbispat_rtf@rediffmail.com

MAHESH FLEXI
GOLD LOAN
INSTANT LOAN AGAINST GOLD ORNAMENTS
MAHESH
GRUHA YOJANA
HOUSING LOAN
Attractive Rate of Interest
* Conditions apply
ANDHRA PRADESH MAHESH CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
Educational Loans
Hassle Free Sanctions
Vehicle Loans
Loan/OD against Property
Attractive Rate of Interest
Easy Credit for Trade & Industry
* Conditions apply
SALIENT FEATURES
• Bharat BillPay Service for Online Payment of Utility Bills.
• Internet Banking facility and BHIM MaheshPay Services.
• IMPS – Merchant Payment Service – for online payment of Electricity, Telephone bills and booking flight, bus and hotel bookings.
• Direct RTGS / NEFT Facility.
• RuPay Debit Card facility – Access to more than 2.58 lakh ATMs of NFS Member Bank's and merchant establishments in the Country.
• Point of Sale Services (PoS). Prepaid Payment Instruments (PPIs)
• e-Tax payment - Income Tax, Professional Tax, & Excise.
• Bancassurance for Life Insurance & General Insurance solutions.
• Mutual Fund Business in tie-up with Nippon Life India Asset Management Ltd.
• Basic Savings Bank Deposit Accounts (under "Financial Inclusion").
• Tax Savings Deposit under Section 80C of Income Tax Act.
• Missed Call Service & Statement of Account through e-mail facility.
• Loans & Advances to Traders, Businessmen, SSIs, Personal Loans, Consumer Loans,
• Professional Loans, Educational Loans, Housing Loans, Gold Loans & Loans against NSCs, KVPs etc.
• Toll Free Banking Facility for Account Balance, Account Statement, Cheque Book Request and Loan Enquiry.
• MSE Loans under CGTMSE scheme up to Rs.30.00 Lakhs, without collateral security. Housing Loans up to Rs.140.00 Lakhs.
• Educational Loans upto Rs.50.00 Lakh for higher studies in Abroad and Rs. 20.00 Lakh in India.
FUTURE PLANS
• Artificial Intelligence (AI) Enabled BOT Solution
• Tab Banking & Loan Orgination System (LOS).
BOARD OF DIRECTORS
Ramesh Kumar Bung
Chairman
Purshotamdas Mandhana
Sr. Vice - Chairman
Laxminarayan Rathi
Vice - Chairman
DIRECTORS
Smt. Anita Soni
Arunkumar Bhangadia
Badrivishal Mundada
Bhagwan Pansari
Govind Narayan Rathi
Prem Kumar Bajaj
Ramprakash Bhandari
V.K. Khandelwal
M. D. & CEO
PROFESSIONAL DIRECTORS
ANDHRA PRADESH MAHESH CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
(Multi-State Scheduled Bank)
ESTD. 1978
H.O. : 8-2-680/1&2, Road No.12, Banjara Hills, Hyderabad - 500 034 (T.S.) INDIA
Tel.: 040 - 2461 5296, 2461 5299, 2343 7100 – 103 / 2343 7105, Fax : 040 - 2461 6427
45 BRANCH Network
NET Banking
RTGS / NEFT Facility
Point of Sale Services
Mutual Fund Services
Easy Credit for Trade & Industry
FOREIGN EXCHANGE FACILITY
Life Insurance Services
100% CBS BRANCHES Anywhere Banking
E-mail: info@apmaheshbank.com
Website: www.apmaheshbank.com

With Best Compliments From

M/s. Madgul Parks Pvt. Ltd.

20, BALLYGUNGE CIRCULAR ROAD
KOLKATA – 700 019
PHONE: 033-4019 4019
Email: info@rungtagroup.in

देख जवानी लांग न जावै, बूढ़ा राजस्थान री

– पद्मश्री डॉ. अर्जुनसिंह शेखावत
अध्यक्ष
राजस्थानी भाषा संघर्ष समिति पाली

पूरी धड़ री कद हुवै, चहरे बिना पिछाणा
राजस्थानी राख्या रहसी राजस्थान

किसी भी प्रदेश की पहचान 'मायड़ भाषा' से होती है, चूँकि भाषा के साथ हमारा इतिहास, साहित्य तथा संस्कृति गूंथी हुई है। मायड़ भाषा समाप्त हुई तो यह सब स्वतः समाप्त हो जाएगा। भाषा हमारी पहचान है। भाषा हमारी अमूर्त धरोहर है। विरासत है। भारत को अंग्रेजों ने शस्त्रों से नहीं जीता भाषा से जीता। लार्ड क्लाइव की भाषा नीति काम आई।

व्यतीत अतीत : १९४४ में स्वतंत्रता के पूर्व दिनाजपुर अब बांग्लादेश में रामदेव चौरवाणी ने राजस्थानी हेतु सम्मेलन किया, जिसमें ठाकुर रामसिंह तंवर ने प्रेरक, प्रभावशाली भाषण दिया कि बांग्ला से राजस्थानी अधिक समृद्ध है। उन दिनों १९१४ में टैगोर की गीतांजलि पर नोबल पुरस्कार मिला था। उन्होंने राजस्थानी को बांग्ला से श्रेष्ठ बताया फिर जब संविधान बना तब राजस्थानी (मारवाड़ी) ८ वीं सूची में थी, परंतु गांधी, नेहरु ने जयनारायण व्यास को बुलाकर समझाया कि राजस्थानी को हिंदी में जोड़ दें तो संख्या बढ़ जाएगी और हिंदी राष्ट्रभाषा बन जाएगी; वरना दक्षिण की कोई राष्ट्रभाषा बन जाएगी राजस्थानी को बाद में मिला लेंगे। वह आज तक नहीं मिला सके। यह भी कहते हैं कि व्यास जी को मुख्यमंत्री बनाने का लालच भी दिया उन्होंने, स्वीकृति दे दी यह हमारा दुर्भाग्य था। हम स्वतंत्र हुए पर नहीं हुए, क्योंकि अपनी मातृभाषा में बोलने की आजादी नहीं। यह गूंगा राजस्थान। यह ऐतिहासिक भूल।

थोथे आश्वासन : डॉ. लक्ष्मीमल सिंघवी को उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने राज्य सभा में मान्यता हेतु विश्वास दिलाया था। जसवंत सिंह जसोल ने राजस्थान के समस्त सांसदों से लिखवाकर दिया था। दिनांक २५.०८.१९०३ को विधान सभा से सर्वसम्मति से संकल्प प्रस्ताव पास कर मान्यता हेतु केंद्र को भेजा था, परंतु बीस साल से केंद्र के ठंडे बस्ते में है। इस अवधि में राजस्थान सरकार ने भारत सरकार को ग्यारह स्मरण पत्र दिए पर आश्चर्य कोई उत्तर नहीं।

राजस्थानी का महत्व : जिस भाषा को मुगलों ने १५२६ से १७०७ तक २०० साल तक और अंग्रेजों ने १७०७ से १९४७ तक दो सौ साल तक, कुल ४०० साल के शासन काल में राजस्थानी समाप्त नही कर सके, लाख कोशिश करने पर भी सफल नहीं हो सके। उसे हमारी ही जनतंत्र सरकार समाप्त कर रही है; स्वतंत्रता के ७२ साल से उपेक्षा कर रही है।

विश्व जनगणना में : युनेस्को की जनगणना अनुसार दुनिया में ७००० भाषाएँ है; जिसमें आदिवासियों एवं घुमंतु जातियों की भाषाएँ शामिल नहीं हैं और ३०० भाषाओं का गला घोट दिया या आत्महत्या करने को मजबूर किया गया, यही स्थिति आज हमारी राजस्थानी भाषा की हो रही है। मायड़ भाषा आत्मा व हृदय की भाषा है इसलिए स्वप्न, मातृभाषा में ही आते हैं, अन्य भाषा में नहीं चूँकि वे दिमाग व मस्तिष्क तक ही पहुँचती है। एक विद्वान २६ भाषाएँ जानता था पर अपनी मातृभाषा नहीं बताता था। एक दिन जब वह गहरी नींद में सोया था तब दूसरे विद्वान ने उसके पाँव में पिन चुभा दी तो वह गालियाँ देता हुआ बकवाद करने लगा, बस यही उसकी मातृभाषा थी, वह अचेतन अवस्था में आत्मा-हृदय से निकली थी।

शब्दकोश : राजस्थानी भाषा विश्व की प्राचीनतम एवं समृद्ध भाषाओं में है। इसका शब्दकोश दुनिया का सबसे बड़ा है जो आठ खंडों में है, जिसमें तीन लाख दस हजार शब्द है, इसे सीताराम लालस ने लिखा है। किसी समय यह काठियावाड़ से प्रयाग तक बोली जाती थी, आज दस करोड़ भाषा भासी हैं।

व्याकरण : १४ वीं सदी में जर्मन भाषा शास्त्री के. लिंग ने राजस्थानी (डिंगल) का व्याकरण लिखा, इसी प्रकार इटली के भाषाविद तोस्सीतीरी ने १९१६ में सुनीति कुमार चटर्जी ने १९४७ में शिकागो के बहल में राजस्थानी का व्याकरण १९९० में लिखा। इसकी प्राचीन लिपि मुड़िया थी, जिसमें व्यापारी (महाजन) बड़ी चौपड़ों में लिखते थे। राजस्थानी में तीन हजार पुस्तकें प्रकाशित हैं तथा दो लाख अप्रकाशित प्राचीन पांडुलिपियाँ हैं। अनेकों विदेशी इन पर शोध करने आते रहते हैं। इसका प्राचीन नाम मरुभाषा, डिंगल आदि है, भी था। राजस्थानी भाषा का भारत में ७वाँ और दुनिया में १३वाँ स्थान है।

भाषा व बोली में अंतर : कई लोग भाषा व बोली को एक ही मानते हैं। एक राजनेता ने कहा कौन सी राजस्थानी, मारवाड़ी, मेवाड़ी, मेवती या हाड़ौती आदि, राजनेता नहीं जानते की भाषा की क्या परिभाषा है। बोली तो बारह कोस पर बदल जाती है। 'बारा कोस बोली पलटे' यह कहावत है और भाषा की परिभाषा है कि जिसका साहित्य हो, व्याकरण हो, शब्दकोश हो, लिपि हो वह भाषा कहलाती है। भारत में २३४ भाषाएँ और ७०० बोलियाँ हैं।

मायड़ भाषा के प्रभाव : मायड़ भाषा के कारण न्याय, चिकित्सा, शिक्षा आदि प्रभावित है, उदाहरणार्थ जैसलमेर की ओर ऊंट के टोडिये को सलवार कहते हैं। उसे कोई चुरा ले गया। कोर्ट तक केस पहुँच गया, बंगाली न्यायमूर्ति व दक्षिण का वकील था दोनों सलवार का अर्थ औरतों के पहिनने की सलवार समझ रहे थे; **गाँव को देवासी की भाषा-शब्द नहीं समझ पाए और यह केस हार गया।** केवल भाषा न समझने के कारण इस प्रकार न्याय प्रभावित हो रहा है। इसी प्रकार चिकित्सा भी प्रभावित है यथा एक शहर के डॉक्टर का स्थानांतरण गांव में हो गया। एक बीमार आया बोला डाकसा म्हारे अडीठ व्हैईग्यो गबीड़ कांई है? दूजो रोगी आयो कि म्हारे सुणपा चाले सुणपा कांई है सालीका चालै एक डोकरी बोली म्हारे इण बहुरो पग भारी है, उस्टियां व्है है दवा दो। डाकसा कम्पोडर कयो तारपिन रो तेल दे दो, पग रै मालिस करजो सोजो उतर जाईं चिकित्सक पग हलको व्है जाई भाषा ई नी समझो, तो इलाज कांई। करेला इस प्रकार चिकित्सा भी भाषा के कारण प्रभावित है।

भाषा व जनगणना : भारत सरकार १९६३ की जनगणना के

आलेख

समाज के प्रति हमारा दायित्व

– रमेश कुमार बंग
अध्यक्ष, तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

एक सर्वमान्य बात है कि व्यक्ति से समाज बनता है और समाज राष्ट्र का अभिन्न अंग है। यह कहा जा सकता है कि कोई भी मनुष्य अपने आप में सम्पूर्ण नहीं माना जाता जब तक वह किसी समाज का घटक न बनें। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सामाजिक, औद्योगिक व तकनीकि क्षेत्र में बहुत क्रांतिकारी परिवर्तन आये हैं। जिस समाज में सामूहिक चिंतन के साथ समयोचित निर्णय लेने की क्षमता हो तथा सकरात्मक भाव से रचनात्मक कार्य करने का उत्साह हो वह समाज सदैव विकासोन्मुख रहेगा।

मारवाड़ी समाज की विशेषता है बदलते समय के साथ समयोचित जरुरतों को समझते हुए सदैव अपने आपको उसी अनुरूप बदलने में कभी कोई संकोच नहीं किया। राजस्थान से प्रवासित होकर हमारे पूर्वज जहाँ भी गये, वहाँ पर अपने सांस्कृतिक मूल्यों एवं सनातन परंपराओं को साथ ले गये, देश के किसी भी कोने में रहे वहाँ के स्थानीय लोगों के साथ समरस होते हुए मारवाड़ की संस्कृति का सदैव संरक्षण किया है।

यह एक कड़वा सच है कि अक्सर हम सुनते हैं और देखते हैं कि समाज में या संगठन में कुछ अव्यवहारिक और गलत हो रहा है, परन्तु हमें क्या लेना-देना की भावना के साथ हमारा मौन दर्शक बने रहना इस गलत काम को प्रोत्साहित करता है। हमें यह समझना होगा कि हम किसी व्यक्ति विशेष का विरोध नहीं कर रहे हैं अपितु उसके गलत और अव्यावहारिक निर्णय का विरोध कर रहे हैं। जब तक हम साहस के साथ अपने इस दायित्व का निर्वहन नहीं करेंगे, समाज के विकास के साथ समाज के हर घटक को संगठन या समाज के साथ जोड़ने की हमारी कल्पना कभी साकार नहीं होगी।

यह एक बड़ी विडम्बना सी है कि आधुनिक परिवर्तन के नाम पर हम अपनी सनातन परंपराओं से विमुख होते जा रहे हैं। समाज में अपनी श्रेष्ठता तभी सार्थक और सिद्ध होगी जब हम सनातन परम्पराओं के वैज्ञानिक और शास्त्र सम्मत महत्व को स्वीकार कर केवल आधुनिकता के नाम पर भौंडे प्रदर्शनों से दूर रहते हुये सबको साथ लेकर चलने का प्रयास करेंगे। एक बहुत प्यारा गीत है : ज्योत से ज्योत जगाते चलो, प्रेम की गंगा बहाते चलो। समाज के प्रति हो, परिवार के प्रति हो, चाहे राष्ट्र के प्रति हो, अपने सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्व निर्वहन में इस गीत के भाव सुमन सबके लिये प्रेरणादायी है।

समाज में नयी चेतना तथा नया उत्साह का भाव जागृत हो तथा हम परस्पर सहयोग से समाज के सर्वांगीण विकास के लिये साथ-साथ चलें यह हमारा संकल्प होना चाहिये। समाज सेवा के लिये जुड़ने का तात्पर्य है परस्पर विश्वास, संवाद, सहभागिता, सहिष्णुता, रचनात्मक सहयोग। हमारी शारीरीक, मानसिक व बौद्धिक रूप से परस्पर समन्वय, विश्वास के साथ की गयी सहभागिता के बल पर सकारात्मक संदेश देते हुये नव सृजन का स्वर्णिम इतिहास लिख पायेंगे।

आंकड़ों के अनुसार सिंधी भाषा-भाषी १३,७१,९३२ थे। इस प्रकार नेपाली के १०,२१,१०२ और राजस्थानी के १,००,००,००० एक करोड़ (सर्वाधिक) अब दस करोड़ हैं। फिर भी इन भाषाओं को आठवीं सूची में जोड़ दिया है, पर राजस्थानी को नहीं जोड़ा, बल्कि १९६१ की जनगणना से नाम ही हटा दिया और हिंदी में जोड़ दिया गया। क्या यह सरकार की हठधर्मिता नहीं है? बोलियों की दृष्टि से राजस्थानी की मारवाड़ी, मेवाड़ी, मालवी, हाड़ौती आदि ७३ बोलियाँ हैं; इसी प्रकार हिंदी की ४५, मराठी की ६५, तेलूगु में ३६, तमिल में २२, कन्नड़ में ३२, कोंकणी में वैज्ञानिकों के मतानुसार जिस भाषा की जितनी अधिक बोलियाँ होगी उतनी ही वह भाषा समृद्ध होगी, वहा राजस्थानी की सर्वाधिक बोलियाँ हैं। स्कॉटलैंड, आयरलैंड, वेल्स आदि में वहां की सभी भाषाओं को मान्यता दे रखी है। इसी प्रकार भारत की सभी जनभाषाओं को मान्यता देनी चाहिए। राजस्थानी प्राचीन है एवं समृद्ध भाषा है।

साहित्य : राजस्थानी में तीन हजार ग्रंथ प्रकाशित हैं तथा दो लाख अप्रकाशित पांडुलिपियाँ हैं। सैकड़ों विदेशी इन पर शोध करने आते रहते हैं। एक समय था जब राजस्थानी काठियावाड़ से प्रयाग तक बोली जाती थी। इसका प्राचीन नाम डिंगल व मरुभाषा आदि थे, इतनी समृद्ध को कुछ लोग भाषा ही नहीं मानते। कुछ राजनेता लाशों की अंगारों पर अपनी रोटियाँ सेंक रहे हैं। यह नहीं जानते कि राजस्थानी सबकी माँ है। राजस्थानी का भारत में सातवाँ और दुनिया में १३ वाँ स्थान है।

विभिन्न संस्थानों द्वारा मान्यता : सरकार मायड़ भाषा को मान्यता नहीं दे रही है, परंतु फिर भी अनेक महत्वपूर्ण संस्थाओं ने तो इसे मान्यता दे दी है यथा विश्वविद्यालय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, NCERT, दूरदर्शन, आकाशवाणी, अकादमियां, पद्म पुरस्कार (केंद्र), राजस्थान एसोसिएशन ऑफ नदर्न इण्डिया एवं मानव आयोग ने पूछा है कि मान्यता क्यों नहीं दी जा रही है? इस हेतु भारत सरकार को नोटिस दिया है। उच्चतम न्यायालय भी गवाह है कि बयान एवं वकील की बहस राजस्थानी में करने की छूट दी है। अमेरिका के व्हाइट हाउस के प्रेसीडेंसी अपॉइंट मेंट की प्रक्रिया में राजस्थानी को अंतर-राष्ट्रीय भाषाओं में शामिल कर लिया है। जापान सरकार ने राजस्थनी में अनुवाद पुरस्कार एक लाख का रवीन्द्रनाथ टैगोर पुरस्कार नाम से अभी चार साल से दे रही है। फिर भी केंद्रीय सरकार के कान पर जूं नहीं रेंग रही।

सरकार लाभ उठा रही है : राजस्थानी में लोक-नृत्य लोक-कला व लोकगीत परोस कर विदेशी सैलानियों को रिझा कर करोड़ों सरकार कमा रही है, परंतु मान्यता का प्रश्न आता है तो मौन धारण कर लेती है, फिर मायड़ ने मान क्यूं कोनी?

आलेख

फॉरवर्ड-वीर न बनें

– बसंत कुमार मित्तल
राष्ट्रीय संगठन महामंत्री, अ. भा. मा. स.

आजकल सोशल मीडिया के कारण फेक न्यूज की समस्या बढ़ गई है। सोशल मीडिया ने समाचार और जानकारियों को आसान ढंग से पहुँचने वाला माध्यम बनाया है। यह खबरों को जल्दी से साझा करने की संभावना बढ़ाता है। फेक न्यूज वास्तविकता से पूरी तरह से असंगत होती है। इनमें झूठ से युक्त जानकारी दी जाती है।

कुछ लोग फॉरवर्ड-वीर होते हैं। बिना पढ़े, समझे किसी भी पोस्ट को सभी व्हाट्सअप ग्रुप तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मे डाल देते हैं। ऐसे फॉरवर्ड-वीर समाज के लिए नुकसान दायक हैं। अनजाने में उनके द्वारा झूठ, अफवाह, नफरत का प्रसार होता है। इसके कारण कई लोगों को परेशान होना पड़ता है, इसलिए हर नागरिक को फॉरवर्ड-वीर बनने से बचना चाहिए।

कई बार झूठी खबरों को विभिन्न सोशल मीडिया से फैलाया जाता है। यह भ्रम और अफवाह फैलाने की संभावना बढ़ाता है। फेक न्यूज आमतौर पर विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक उद्देश्यों के लिए फैलाई जाती है। इसलिए, इस तरह की खबरों पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है।

सोशल मीडिया पर कोई व्यक्ति आसानी से कुछ भी पोस्ट कर सकता है। फेक न्यूज भी सोशल मीडिया पर आसानी से फैलाया जा सकता है। सोशल मीडिया पर जानकारी को सत्यापित करने की कोई विधि नहीं होती है। यह भ्रम और अफवाह फैलाने की संभावना बढ़ाता है। इसलिए, फेक न्यूज फैलाने से बचना चाहिए।

फेक न्यूज के कारण अफवाह फैलने की संभावना बढ़ जाती है। फेक न्यूज या झूठी जानकारी को लोग आसानी से सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल माध्यमों के माध्यम से साझा करते हैं। इससे यह अफवाह बन जाती है और विशेष रूप से सामाजिक मीडिया पर वायरल होती है। अफवाह बड़ी जातिगत, धर्मिक या राजनीतिक हिंसा का कारण बन सकते हैं। अफवाह की वजह से अर्थव्यवस्था, सामाजिक या राजनीतिक नुकसान भी हो सकता है। एक ही गलत सूचना को बार-बार फैलाने से हम अज्ञानी समाज का निर्माण कर रहे हैं। जब लोग गलत सूचनाओं पर अतिरिक्त विश्वास करते हैं तो उन्हें सही सूचनाओं को समझने में कठिनाई होती है और उनकी भावनाओं को भ्रमित करने की संभावना बढ़ जाती है।

व्हाट्सएप में बिना सोचे-समझे किसी चीज को फॉरवर्ड करने के कारण फेक न्यूज और अफवाहों की समस्या बढ़ गई है। इसलिए, संदेशों को सत्यापित करें और सत्यापित न होने पर उन्हें फॉरवर्ड न करें। इसके अलावा, यदि आप कोई संदेश फॉरवर्ड करते हैं, तो आपको संदेश में सत्यापित स्रोत की जानकारी भी शामिल करनी चाहिए।

फेक न्यूज शेयर करने वालों तथा ग्रुप एडमिन पर कानूनी खतरे हो सकते हैं। अगर किसी व्यक्ति, समूह या समुदाय को फेक न्यूज के माध्यम से अपमानित किया जाता है, तो उन्हें उस संदेश का जिम्मेदार माना जा सकता है जिसे वे फॉरवर्ड करते हैं। एडमिन भी जिम्मेदार माना जाता है। इसके कारण उस व्यक्ति तथा एडमिन पर आपराधिक अभियोग लगा सकता है। फेक न्यूज लोकतंत्र को नुकसान पहुँचा सकता है। फेक न्यूज से सामाजिक, धार्मिक, जातीय या स्थानीय समूहों के खिलाफ नफरत फैलाने की संभावना बढ़ती है। फेक न्यूज़ के माध्यम से दिशाहीनता, भेदभाव और अन्य नकारात्मक भावनाओं को बढ़ावा मिलता है। धार्मिक समूहों के खिलाफ नफरत को बढ़ाने वाले संदेशों और फेक न्यूज के कई उदाहरण मिलते हैं। कुछ फेक न्यूज में फोटोशॉप या फेक चित्रों या वीडियो का उपयोग किया जाता है। हमें ऐसे मामलों में सतर्क रहना चाहिए। कई बार गलत लिंक पोस्ट किया जाता है। उसके शीर्षक में जो बात लिखी होती है, वो अंदर होती ही नहीं, लेकिन ज्यादातर लोग बगैर लिंक खोले ही उसे सच मानकर फॉरवर्ड कर देते हैं।

कुछ अनधिकृत आई.टी सेल फेक न्यूज फैलाते हैं। आई. टी सेल किसी दल या विचारधारा द्वारा संचालित होता है। वे अफवाह फैलाकर लोगों को गुमराह कर सकते हैं तथा उन्हें असत्य जानकारी दे सकते हैं। इसके अलावा, वे सोशल मीडिया पर घटित घटनाओं को अपनी फेक नरेटिव के अनुसार बदल सकते हैं।

ठगी के लिए भी फेक न्यूज का दुरुपयोग होता है। ऑनलाइन धोखाधड़ी के लिए ठग फेक न्यूज का उपयोग करते हैं। जालसाजी के जरिए वेबसाइटों और अन्य साइट बनाकर लोगों को गुमराह करते हैं। कुछ फॉरवर्ड-वीर, उसे फॉरवर्ड करके अनजाने में ठगी की मदद करते हैं।

बिना जाँच किए किसी गलत मैसेज को फॉरवर्ड करने से कई नुकसान हो सकते हैं। आप अफवाह फैलाने के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। इससे लोगों के बीच भ्रम फैलता है और सामाजिक नुकसान होता है। आप नकली समाचार के फैलाव का भी कारण बन सकते हैं। इससे लोगों में गलत जानकारी का प्रसार होता है और उन्हें गलत निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया जाता है। जिस मैसेज में लिखा हो कि इसे सभी ग्रुप में शेयर करें, उसके फर्जी होने की संभावना ज्यादा होती है। इससे बचना चाहिए।

इनसे बचने के लिए फैक्ट चेक एक प्रक्रिया है। इसमें एक संबंधित संस्था या व्यक्ति द्वारा न्यूज आइटम की सत्यता या असत्यता की जाँच की जाती है। फैक्ट चेक उन तत्वों को जाँचता है जो न्यूज आइटम में व्यक्त किए गए होते हैं। फैक्ट चेकर्स एक विशेषज्ञ होता है जो कि विभिन्न स्रोतों से संग्रहित जानकारी का सत्यापन करता है, ताकि सटीक और विश्वसनीय सूचनाएँ प्रदान की जा सकें। वे अधिकतर निष्पक्ष होते हैं और उनका काम फैक्ट्स की सत्यता को सत्यापित करना होता है।

फेक न्यूज फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की माँग की जाती है। कुछ देशों में फेक न्यूज फैलाने के लिए अलग-अलग कानून होते हैं। यदि कोई व्यक्ति फेक न्यूज फैलाता है, तो वह अपराध के तहत दंडानुशासन का सामना कर सकता है; जो देश के कानूनों और विधि प्रणालियों पर निर्भर करता है। अन्य संबंधित अपराधों की तरह, फेक न्यूज फैलाने का भी दंड और सजा कठिन हो सकती है। अधिकतर देशों में, इसे जान-बूझकर और गैर-कानूनी घोषणा के तहत अपराध माना

जाता है। इसलिए, सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को सत्यापित जानकारी साझा करने के लिए सत्यापन स्रोतों पर भरोसा करना चाहिए और फेक न्यूज को फैलाने से बचना चाहिए।

कुछ यूट्यूब चैनल गलत कंटेंट फैलाने के लिए जान-बूझकर भी करते हैं। उन्हें ज्यादा रेवेन्यू प्राप्त करने के लिए अधिक से अधिक व्यूज चाहिए होते हैं। यह उनकी आमदानी का माध्यम बन जाता है, हालांकि यह गलत है और यूट्यूब नीतियों का उल्लंघन करता है। यूट्यूब चैनलों को संबंधित नियमों और निर्देशों का पालन करना चाहिए और सत्यापित और विश्वसनीय संदर्भों का उपयोग करना चाहिए।

कुछ न्यूज वेबसाइट अक्सर असत्य खबरों को प्रिंट करते हैं, ताकि उन्हें ज्यादा ट्रैफिक मिल सके और वे अधिक से अधिक विज्ञापन दिखा सकें। इस प्रकार का कार्य न केवल उन्हें गलत जानकारी फैलाने में मदद करता है, बल्कि समाज को भी धोखा देता है। इसलिए, हमेशा जाँच करें कि आप द्वारा पढ़ने वाली खबर सटीक है या नहीं, और एक विश्वसनीय स्रोत से सत्यापन करें।

सच और झूठ का फर्क कैसे करें? सच और झूठ को समझने के लिए हमें उनकी प्रमाणित सूचनाओं के साथ संबंधित संदर्भ और आधार पर फैसला लेना चाहिए। सच की जांच करने के लिए सबसे अच्छा तरीका है कि आप एक सत्यापित स्रोत से जानकारी लें। जैसे कि किसी विश्वसनीय समाचार वेबसाइट या अखबार से। अध्ययन करने से आपको विषय के बारे में अधिक जानकारी मिलती है जो आपको फैसला लेने में मदद कर सकती है। एक विषय को समझने के लिए आप अन्य स्रोतों से भी तुलना कर सकते हैं। जैसे कि अखबारों, वेबसाइटों या सोशल मीडिया पर अन्य लोगों के विचारों से। विषय के संदर्भों की जांच करें, ताकि आप यह जान सकें कि यह सही है या नहीं।

व्हाट्सएप ग्रुप एडमिन को अपने ग्रूप में फेक न्यूज को रोकने की जिम्मेदारी होती है। वे अपने ग्रूप में सदस्यों को जागरुक करने और सत्यापन न किए गए संदेशों को फॉरवर्ड न करने के लिए उन्हें प्रेरित कर सकते हैं। अगर कोई गलत पोस्ट करे तो एडमिन फौरन उसे डिलीट फॉर ऑल कर दे। साथ ही वैसे मेंबर को चेतावनी दे। नहीं मानने पर रिमूव कर दे।

किसी सामाजिक व्हाट्सएप ग्रूप में अनावश्यक पोस्ट डालने वालों के लिए एक मैसेज डालना उपयोगी होगा : 'प्रिय सदस्यों, हम सभी इस व्हाट्सएप ग्रुप को एक स्वस्थ और सभ्य स्थान बनाना चाहते हैं। कृपया राजनीतिक या सनसनीखेज संदेश शेयर न करें, जो असत्य हो सकते हैं और समूह का वातावरण अस्वस्थ बना सकते हैं। कृपया इस ग्रूप को एक अच्छा माध्यम बनाने में सहयोग दें। धन्यवाद।'

लघुकथा

नई नौकरानी

डॉ. नीरज दइया

अभी दो महीने ही पूरे नहीं हुए मुझे इस घर में काम करते हुए और अचानक आज मां सा ने कह दिया– सुनो! कल से काम पर नहीं आना। इस दिनोदिन बढ़ती मंहगाई में हम जैसी को जब तक दो-चार घरों में काम नहीं मिले तो गुरज-बरस कैसे हो... चारों तरफ हायतौबा मची हुई है। मुझे रहा नहीं गया, मैं बोल पड़ी– 'क्यों मां सा क्या हुआ? मुझ से कोई गलती हो गई क्या?'

मां सा नरम पड़ गई और बोली– 'नहीं री... गलती कैसी। ऐसा है मुझे से इस उमर में घर का कामकाज होता नहीं। वैसे हमारे घर में काम है भी कितना सा... चार जनों की रोटी बनाना और साफ-सफाई।'

– 'तो मैं आप जब कहो जा जाती ना.... बताओ जल्दी आना है या फिर लेट...?'

– 'अरे नहीं तू बहुत भोली है री। देख इत्ते दिन बहू अपने पीहर गई हुई थी। अब वो कल आ रही है। वही करती थी पहले और अब भी कर लेगी...।'

मैं मन मसोस कर रह गई। क्या कहती? पर मन ही मन में तो अपने आप बोल फूट ही गए– 'अच्छा कल तुम्हारे वाली नई नौकरानी जा रही है।'

मामूली खर्च

रामगोपाल को एकएक आवेश आया। मन विचलित हो उठा। 'ऐसा कैसे कर सकते हैं वे?' उन्होंने जोर से कहा तो उनकी पत्नी ने बताया– 'ऐसा तो वे पहले भी कर चुके हैं? जो फ्रिज हमने बेटी के दहेज में दिया उसे उन्होंने आगे किसी को गिफ्ट दे दिया।' रामगोपाल के गुस्से का बांध सीमा लांध रहा था– 'यह कब की बात है, मुझे पहले बताया क्यों नहीं?' पत्नी ने धीरे से कहा– 'बताती कैसे, तुम्हारी बेटी अब तुम्हारी हमारी नहीं रही। वह उनकी तरफ हो गई है, उसने बताया ही नहीं। यह तो बातों बातों में उसके मुंह से निकल गया कि वार्शिंग मसीन जो हमने दहेज में दी उसे वे किसी रिश्तेदार की शादी में गिफ्ट देंगे।'

रामगोपाल ने सोचा कि वह फोन लगा कर अपने समधी जी से बात करे पर अगले ही पल यह विचार त्याग दिया। आगे भी ऐसा हुआ कि उसने फोन किया और उन्होंने फोन उठाया ही नहीं, ना ही वापस उनका फोन आया। पत्नी ने पूछा– 'क्या हुआ?'

'कुछ नहीं।' कहते हुए उन्होंने धीरज बंधाते हुए कहा– 'शांता, तुम चिंता मत करो। भगवान के घर न्याय है और देखना यहीं का यहीं है। जो जैसा करेगा, वैसा भरेगा। ऊपरवाला सारे कर्मों का हिसाब रखता है।'

शांता को यह सुनकर भी धीरज नहीं आया। उसने कहा– 'ऊपरवाला तो करेगा जब करेगा, अब मैं करूंगी।'

'क्या करोगी भागवान?' रामगोपाल को आश्चर्य हुआ कि यह तो कभी ऐसा नहीं करती। उनको उत्तर मिला– 'ऑनलाइन ऑडर करके समधी के घर मैं एक नई वाशिंग मसीन भिजवा दूंगी। बेटी के दहेज में इतने रुपये खर्च किए, इस मामूली खर्च से क्या डरना।' वह मुस्कुरा रही थी।

COMPLETE ELECTRICAL SOLUTION
ELECTRICAL WIRES
FANS AND LIGHTS
LT PANEL, CABLE TRAY AND TRANSFORMER
GARODIA
WE MANUFACTURE
POWER TRANSFORMER
DISTRIBUTION TRANSFORMER
LT ELECTRICAL PANEL
PERFORATED CABLE TRAY
LADDER-TYPE CABLE TRAY
GARODIA ENTERPRISES
AARNAV POWERTECH
MARKET ROAD EAST, UPPER BAZAR
RANCHI - 834 001, JHARKHAND
www.aarnavpowertech.com
garodia@garodiagroup.com
0651-2205996

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2021-2023
Date of Publication - 31 May 2023
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com